Registration No. RAJBIL /2016 / 69093
OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI

लघु उद्योग भारती

UDYOG TIMES

Volume - 9 Issue-06 April - 2026
Total Pages - 100 Price - Rs. 100

'स्वयंसिद्धा'

नारी शक्ति अनंता (विशेषांक)

33 प्रेरक महिला उद्यमियों की सफलता की कहानियां

भीलवाड़ा महिला इकाई की अनुपम प्रस्तुति

लघु उद्योग भारती का 33वां स्थापना दिवस

Satkar
SUITINGS • SHIRTINGS
AN ISO 9001 : 2000 COMPANY
Shree Radhey
SULZ
CHOOSE YOUR LIFE STYLE
Shree Laxmi
SUITINGS • SHIRTINGS
CASA DOLCE
LUXURY CRAFTED FABRIC
LA PIANO
LUXURY ITALIAN FABRIC
EL SAVIO

UDYOG TIMES

OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI

Volume -9 Issue - 6 April 2026

Editorial Board

■ *Patron*

Shri Madhusudan Dadu, National President	098102-56494
Shri Prakash Chandra ji, National Org. Secretary	099299-93660
Shri Om Prakash Gupta, National Gen. Secretary	095602-55055

■ *Editor*

Dr. Kirti Kumar Jain	094141-90383

■ *Co-Editor*

Dr. Sanjay Mishra	098295-58069

SWAYAMSIDDHA Nari Shakti Ananta Special Edition

■ *Guest Editor*

Dr. Priyanka Mehta

■ *Guest Co-Editor*

Dr. Neha Sabbarwal

विवरणिका

विशेष संपादकीय	5
मन की बात – पल्लवी लढा	7
प्रेरक सन्देश – मधुसूदन दादू	9
मंथन – ओमप्रकाश गुप्ता	11
अंतर्मन – अंजू बजाज	13
बड़ी पहल – अंजू सिंह	15
समृद्ध राष्ट्र की संवाहक – योगेन्द्र शर्मा	17
सशक्तिकरण संसाधनों से नहीं – महेश हुरकट	19
भीलवाड़ा में औद्योगिक विकास – संजीव चिरानिया	21
भीलवाड़ा महिला इकाई संगठन गतिविधि	24
रक्षा जैन	27
रेखा इनानी	29
शशिकला काबरा	31
शिखा अग्रवाल	33
सुमित्रा हुरकट	35
मानकंवर काबरा	37
डॉ. प्रियंका मेहता	39
डॉ. नेहा सब्बरवाल	41
रीना डाड	43
रीता गोयल	45
शोभा चौखड़ा डाड	47
आष्का सोनी	49
आशा सोमानी	51
विमला जैन मुणोत	53
पल्लवी लढा	55
प्रिया जैन	57
शिल्पा टिक्कीवाल	59
सरिता अग्रवाल	61
स्नेहलता मेलाना	62
अंजना तोषनीवाल	63
चंदा मूंदड़ा	65
प्रिया कोठारी	67
कोपल अग्रवाल	68
नेतल झंवर	69
संगीता काकानी	71
शिखा भदादा	72
अर्चना अजमेरा	73
सौम्या अमन काबरा गुड्डी काबरा	75
हेमा भंडारी	77
ऐश्वया अग्रवाल	79
ममता चालाना	80
मनीषा काबरा	81
सरिता काबरा	83
प्रेरक व्यक्तित्व लक्ष्मीबाई केलकर – नीलू मालू	85
स्वावलंबी भारत – डॉ. ज्योति वर्मा	87
उद्यम यात्रा – मंजू सारस्वत	88
उद्यम यात्रा – रीना राठौड़	91
जहां चाह, वहां राह – मनीषा जाजू	92
तक्षवी सोडानी	93
भीलवाड़ा महिला इकाई सदस्यों की सूची	94

Corporate & Head Office :
Shri Vishwakarma Bhawan 48, Deen Dayal Upadhyay Marg, Rouse Avenue, New Delhi-110002
Website : www.lubindia.com
Email : headoffice@lubindia.com
Ph.: 011-23238582

Registered Office :
Plot No. 184, Shivaji Nagar, Nagpur-440011
Ph.: 0712-2533552

B.C. Bumb
Director
Oswal
DYECHEM PVT. LTD.
+91 94141 13340
bcb@odcpl.in
info@odcpl.in
Registered Office:
Nakoda Estate, Village Mandpiya, Bhilwara- 311001 (Raj.)

विशेष सम्पादकीय

'स्वयंसिद्धा' – नारी शक्ति अनंता

डॉ. प्रियंका मेहता
अतिथि संपादक
priyankamehta2606@gmail.com

डॉ. नेहा सब्बरवाल
अतिथि सह-संपादक
nehaoberoisabharwal1990@gmail.com

जब संकल्प शक्ति बनता है और साहस मार्ग दिखाता है, तब नारी अपनी पहचान स्वयं गढ़ती है– इसी 'स्वयंसिद्धा' की भावना को समर्पित है यह विशेष अंक 'स्वयंसिद्धा– नारी शक्ति अनंता'।

लघु उद्योग भारती की राष्ट्रीय पत्रिका उद्योग टाइम्स में स्वयंसिद्धा सीरीज के प्रकाशन हेतु संगठन ने पहला अंक भीलवाड़ा महिला इकाई को समर्पित किया है, ये समस्त मातृ शक्ति और उद्यमियों के लिए गौरव का विषय है। यह अंक उन महिलाओं की प्रेरक यात्राओं का सजीव प्रतिबिंब है, जिन्होंने अपने संघर्ष, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयासों से सफलता की नई परिभाषा रची है। इन कहानियों में सपनों की शुरुआत भी है और उन्हें साकार करने का साहस भी, जो हर पाठक को भीतर तक प्रेरित करता है। यह केवल शब्दों का संकलन नहीं, बल्कि अनुभव, विश्वास और हौसले की जीवंत अभिव्यक्ति भी है।

आज के परिवर्तित सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य में महिला सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। जब महिलाओं को अवसर, मार्गदर्शन और उचित मंच मिलता है, तब वे न केवल अपने जीवन को संवारती हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। यह अंक उसी सशक्त नारी शक्ति का उत्सव है; जो हर चुनौती को अवसर में बदलना जानती है।

इस पत्रिका की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें केवल सफलता की कहानियाँ ही नहीं, बल्कि उन कहानियों के पीछे छिपी सीख, संघर्ष और निरंतर प्रयासों की झलक भी मिलती है। विशेष रूप से कौशल विकास की भूमिका इन सभी यात्राओं में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। जब एक महिला किसी कौशल को सीखती है, उसे निखारती है और उसे आजीविका में परिवर्तित करती है, तब वह केवल आर्थिक रूप से ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और स्वाभिमान के स्तर पर भी सशक्त बनती है।

'स्वयंसिद्धा' की यह अवधारणा इसी विचार को आगे बढ़ाती है–स्वयं को पहचानना, स्वयं को विकसित करना और स्वयं अपनी सफलता की दिशा तय करना। यह मंच महिलाओं को केवल प्रेरित नहीं करता, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने की दिशा भी देता है, जहाँ वे 'सीखने से कमाने तक' की संपूर्ण यात्रा को आत्मसात कर सकें।

यह अंक एक संदेश है कि हर महिला में अपार संभावनाएँ हैं, आवश्यकता केवल उन्हें पहचानने और उन्हें सही दिशा देने की है। जब नारी अपने सामर्थ्य को पहचान लेती है, तब वह न केवल स्वयं के लिए, बल्कि समाज के लिए भी परिवर्तन की वाहक बन जाती है। हम उन सभी लेखकों, उद्यमियों, सहयोगकर्ताओं एवं विज्ञापनदाताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिनके विश्वास और योगदान से यह अंक साकार हो सका। आपका सहयोग ही इस प्रयास की वास्तविक शक्ति है।

आशा है कि 'स्वयंसिद्धा – नारी शक्ति अनंता' का यह अंक प्रत्येक पाठक के मन में नई प्रेरणा, आत्मविश्वास और कुछ नया करने का साहस जागृत करेगा, और एक सशक्त, आत्मनिर्भर समाज के निर्माण की दिशा में सार्थक कदम सिद्ध होगा।

RAVI SHARMA
Vice President

belle
GROUP OF COMPANIES

+91 98159 20726

ravisharma@bellegroup.in

House No. 1/562, Friends Colony Industrial Area,
Lane 8, G.T. Road, Jhilmil Colony, Delhi- 110095

www.bellegroup.in

'नार्यस्तु राष्ट्रस्य श्वः' – नारी ही राष्ट्र का भविष्य है

मन की बात
पल्लवी लड्ढा
अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती महिला इकाई भीलवाड़ा
pallaviladdha1981@gmail.com

भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव शक्ति, सृजन और समृद्धि का आधार माना गया है। नारी केवल परिवार की धुरी नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की कुशल वास्तुकार भी है। आज के बदलते परिवेश में नारी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। वह अब केवल घर की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उद्योग, व्यापार, शिक्षा, तकनीक और नेतृत्व के हर क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है।

'स्वयंसिद्धा– नारी शक्ति अनंता' नाम से प्रकाशित यह विशेषांक उसी असीम संभावनाओं और आत्मनिर्भरता की प्रतीक महिलाओं को समर्पित है, जो अपने संकल्प, साहस और परिश्रम से नए भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

भारतीय परिप्रेक्ष्य में नारी सदैव से सृजन की आधारशिला रही है। वह संस्कारों की संवाहक, परिवार की मार्गदर्शक और समाज की प्रेरणाशक्ति है। जब नारी आत्मनिर्भर बनती है, तो केवल उसका परिवार ही नहीं, बल्कि पूरा समाज और राष्ट्र प्रगति की ओर अग्रसर होता है। उद्यमी महिलाओं का बढ़ता हुआ योगदान देश की आर्थिक सशक्तता को नई दिशा दे रहा है।

लघु उद्योग भारती महिला इकाई का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना, उनके कौशल को पहचान देना और उन्हें उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना है। महिला इकाई विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, मार्गदर्शन सत्रों, नेटवर्किंग अवसरों और प्रेरणादायक गतिविधियों के माध्यम से

महिलाओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित कर रही है। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक महिला अपने भीतर की क्षमता को पहचाने और आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार करे।

आज की नारी केवल सहभागी नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता बनकर उभर रही है। वह परंपरा और आधुनिकता के संतुलन के साथ विकास की नई दिशा निर्धारित कर रही है। हमें विश्वास है कि जब नारी सशक्त होगी, तभी राष्ट्र समृद्ध होगा।

यह विशेषांक उन सभी प्रेरणादायक महिलाओं की उद्यम यात्रा को समर्पित है, जिन्होंने अपने प्रयासों से यह सिद्ध किया है कि नारी शक्ति अनंत है और उसकी संभावनाएँ असीमित हैं। नारी की उड़ान केवल उसकी अपनी नहीं होती, वह पूरे समाज और राष्ट्र को नई दिशा देती है। नारी केवल विकास की सहभागी नहीं, बल्कि परिवर्तन की प्रेरणा है।

नारीणां शक्तिः अनन्ता, नारीणां धैर्यमद्भुतम्।
नारीणां करुणा गाढा, नारीणां तेज उत्तमम्।।
नारी की शक्ति अनंत है, उसका धैर्य अद्भुत है,।
उसकी करुणा गहरी है और उसका तेज सर्वोत्तम।।

SOMIT MEHTA

+91 98202 61949
somit@soloactindia.in

SOLINO GLOBAL

Performance Driven •
Textile Sizing Solutions

SOLOACT

1003, Antariksh Building, Thakur House,
Makwana Road, Off. M. V. Road,
Marol Junction, Andheri (E), Mumbai - 400059.

+91 97699 76978
sales@soloactindia.in
www.soloactindia.in

लघु उद्योग भारती

मधुसूदन दादू
राष्ट्रीय अध्यक्ष
लघु उद्योग भारती
president@lubindia.com

राष्ट्रीय मुख्यालय
48, पं. दीनदयाल उपाध्याय मार्ग
रॉउज़ एवेन्यू, नई दिल्ली - 110001
www.lubindia.com

विकसित भारत की संकल्पना को साकार करेंगी 'स्वयंसिद्धा'

सर्वप्रथम, मैं अपने संगठन की महिला सदस्यों को उनके उत्कृष्ट योगदान एवं समर्पण के लिए हार्दिक सराहना एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

महिलाएँ अपने धैर्य, प्रतिबद्धता एवं नेतृत्व क्षमता के माध्यम से किसी भी संगठन एवं समाज को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आपके निरंतर प्रयासों, नवाचारी सोच एवं दृढ़ संकल्प ने लघु उद्योग भारती की प्रगति एवं सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आपने न केवल संगठन की नींव को सुदृढ़ किया है, बल्कि अन्य लोगों को भी उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया है।

आपकी यह क्षमता कि आप विभिन्न जिम्मेदारियों का संतुलन बनाते हुए पेशेवर उत्कृष्टता को बनाए रखती हैं, वास्तव में सराहनीय है। आपके कार्यों का सकारात्मक प्रभाव संगठन की उन्नति एवं वातावरण में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

मैं आपके अमूल्य योगदान की हृदय से सराहना करता हूँ तथा आपके समर्पण और उत्कृष्टता के भाव को नमन करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप भविष्य में भी नए आयाम स्थापित करते हुए निरंतर सफलता प्राप्त करेंगी।

लघु उद्योग भारती की राष्ट्रीय पत्रिका के प्रथम 'स्वयंसिद्धा विशेषांक' में भीलवाड़ा क्षेत्र की उद्यमी मातृ शक्ति के प्रेरक संस्मरण हजारों अन्य महिलाओं में उद्यमिता का बीज अंकुरित करने में सफल होंगे, जिससे वे सभी 'स्वयंसिद्धा' विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में भी सक्रिय सहभागिता कर सकेंगी।

आप सभी के उज्ज्वल भविष्य, निरंतर प्रगति एवं सशक्तिकरण की कामना करता हूँ।

सादर शुभकामनाएँ,

(मधुसूदन दादू)

Pidilite

PRAVEEN PAREEK

PRAVEEN
INDUSTRY

+91 63778 72050

praveenindustry@yahoo.in

+91 98290 47770

SHOP NO. 4, 4TH FLOOR,
ORIENT ARCADE, TP NAGAR,
BHILWARA (RAJ.) 311001

लघु उद्योग भारती

तेज आर्थिक प्रगति के लिए महिला उद्यमिता की जरूरत

(लघु उद्योग भारती की अभिनव पहल से हजारों शहरी और कस्बाई महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों की बाजार तक पहुँच बनाने का सुअवसर मिला)

मंथन
ओमप्रकाश गुप्ता
राष्ट्रीय महासचिव
लघु उद्योग भारती, नई दिल्ली
gs@lubindia.com

स्वाधीनता के 75 वर्षों बाद संसद में महिलाओं के व्यापक प्रतिनिधित्व को लेकर जो गंभीर पहल सरकार की ओर से की गई है, वो स्वागत योग्य है। हालांकि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में एक तिहाई प्रस्तावित प्रतिनिधित्व का प्रयास सफल होना दूर की कौड़ी साबित हो रहा है, लेकिन इसके निहितार्थ इतने सकारात्मक और मूल्यवान हैं जिससे आने वाले समय में महिलाएं निश्चित रूप से नई भूमिका में आएंगी यानी कानून बनाने और संशोधन करने की निर्णयकारी प्रक्रिया (Decision Making Process) में उनका मत और प्रभाव बहुत महत्वपूर्ण होगा।

आज ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जो महिलाओं के लिए सर्वथा अछूता हो या उनके काम करने को वहां निषिद्ध किया गया हो। वास्तव में महिलाओं ने अपने परिश्रम, दूरदर्शिता और निरंतर सीखने की सहज प्रवृत्ति से उन आयामों को भी छुआ है; जो सामान्यतः उनके लिए कथित तौर पर घोषित सीमित कार्यक्षेत्र की सीमाओं को भी तोड़ता है। हालांकि कॉर्पोरेट जगत में उनकी बेहतर प्रबंधन क्षमता, नेतृत्व, कार्यप्रणाली, और परिणामकारी भूमिका को अक्सर रेखांकित किया जाता रहा है। लेकिन अब वे मैनेजर से मैन्युफैक्चरर की भूमिका में और भी अच्छा कार्य कर रही हैं और डिफेंस, रेलवे, कोर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ऑटोमेशन, आईटी, मशीनरी, केमिकल, टेक्सटाइल्स और माइनिंग जैसे अन्य सभी सेक्टर्स में निर्माण इकाइयों का संचालन कर रही हैं।

हाल ही में लघु उद्योग भारती की ओर से तैयार की गई विशेष रिपोर्ट में बताया गया है कि देशभर में उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाओं की बहुत प्रभावी मौजूदगी नहीं है। अगर हम उद्यम (Udyam) के आंकड़ों की बात करें, तो महिलाओं की हिस्सेदारी वहां केवल 20.5% ही दिखाई देती है। अगर इसमें UAP (Udyam Assist Platform) के तहत हुए अनौपचारिक रजिस्ट्रेशन भी जोड़ दिए जाएं, तो यह आंकड़ा बढ़कर 38.9% हो जाता है।

इससे यह पता चलता है कि महिलाओं की MSME क्षमता को पूरी तरह से सामने लाने के लिए सिर्फ फाइनेंसिंग ही नहीं, बल्कि अन्य घटक भी महत्वपूर्ण हैं जिसमें नीति–निर्माण और उसके समुचित क्रियान्वयन, समाज में महिला नियोक्ताओं के प्रति सोच और सरकार सहित सम्बद्ध संस्थानों की कमजोर पैरवी शामिल है।

भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट (2023–24) में भी उल्लेख किया है कि MSME सेक्टर में 76% पुरुष और 24% महिलाएं काम करती हैं, जबकि 20-38% एंटरप्राइज़ की मालिक महिलाएं हैं। महिला कामगार ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में हैं, लेकिन ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर सबसे कमजोर है। भौगोलिक और ढांचागत स्तर पर यह बेमेल स्थिति छोटे और मध्यम एंटरप्राइज़ के स्तर पर पुरुषों के एकाधिकार की वजह से और भी ज्यादा बिगड़ जाती है।

हालांकि अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में महिलाओं का दबदबा 70.5% है, लेकिन औपचारिक MSME क्षेत्र में उनकी हिस्सेदारी अपेक्षाकृत सीमित है। जिन सेक्टरों में महिलाएं ज़्यादा मज़बूत हैं उनमें टेक्सटाइल, हस्तशिल्प, खाद्य उत्पाद प्रमुख हैं लेकिन वे भारत की सबसे ज्यादा कीमत वाली निर्यात श्रेणियां नहीं हैं। इस खाई को भरना ही महिलाओं के MSME को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (Global Value Chains) में जोड़ने की सबसे बड़ी चुनौती है।

मौटे तौर पर देखें, तो केंद्र सरकार की 45% योजनाएं फाइनेंस पर और 27% कौशल विकास पर केंद्रित हैं, लेकिन सिर्फ़ 3-4% योजनाएं ही मेंटरिंग या नेटवर्किंग पर ध्यान देती हैं, और सिर्फ़ 7-18.5% योजनाएं ही बाज़ार से जुड़ाव (Market Linkage) को लक्ष्य बनाती हैं। ये वही क्षेत्र हैं जिन्हें महिला एंटरप्रेन्योर सबसे ज़्यादा ज़रूरी मानती हैं। गैर–महानगरों में रहने वाली 67% महिलाएं उद्यमी बनने की राह में सबसे बड़ी रुकावट के तौर पर 'सही मार्गदर्शन (mentorship) की कमी' को बताती हैं।

PMEGP डेटा (KVIC 2023-24)– इस योजना के तहत कुल प्रोजेक्ट में महिलाओं की हिस्सेदारी 41.3% (89,118 में से 36,806) है और बांटे गए मार्जिन मनी में उनकी हिस्सेदारी 38-46% है, लेकिन ढांचागत कारणों से वे अभी भी सिर्फ़ छोटे आकार के एंटरप्राइज़ तक ही सीमित हैं। यह योजना एंटरप्रेन्योरशिप के क्षेत्र में प्रवेश करने में तो मदद करती है, लेकिन विकास–उन्मुख और निर्यात से जुड़े बड़े एंटरप्राइज़ की ओर बढ़ने में और मदद अपेक्षित है।

मुद्रा (MUDRA) योजना के तहत खातों की संख्या के मामले में महिलाओं की भागीदारी 64% है, लेकिन उन्हें कुल राशि का सिर्फ़ 42% हिस्सा ही मिलता है, जो कि ज़्यादातर सबसे छोटी श्रेणी के कर्ज़ों तक ही सीमित रहता है। महिलाओं को गुज़ारा चलाने के लिए तो क्रेडिट मिल जाता है, लेकिन विकास के लिए पूंजी उतनी सहज नहीं नहीं मिलती। महिलाओं के लिए खास तौर पर एक 'मुद्रा तरुण' श्रेणी की तुरंत ज़रूरत है।

CGTMSE ने 2025 तक कुल गारंटी के मामले में 9 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, फिर भी लाभार्थियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 17.26% है और उन्हें कुल क्रेडिट मूल्य का 14% ही मिलता है। 'बीच के तबके के छूट जाने' (missing middle) की समस्या भी गंभीर है। सिर्फ़ योजना का डिज़ाइन बदलकर संस्थागत कर्ज़ देने में होने वाले भेदभाव को खत्म करना चुनौती तो है ही।

'पीएम विश्वकर्मा' योजना से पता चलता है कि महिलाएं सर्टिफ़िकेशन में तो बहुत अच्छा कर रही हैं, लेकिन सिर्फ़ कम कीमत वाले और ज़्यादा मेहनत वाले कामों में–जैसे सिलाई, खिलौने बनाना, टोकरी बनाना और ब्लाउज़ बनाना। इससे उनकी काबिलियत तो साबित होती है, लेकिन यह भी पक्का हो जाता है कि कौशल विकास कार्यक्रमों में काम–धंधों का बँटवारा अभी भी गहराई से जमा हुआ है।

'महिला कॉयर योजना' में 'कॉयर विकास योजना' के कुल बजट का 3% हिस्सा महिलाओं पर खर्च किया जाता है। वित्त वर्ष 2023 और 2024 के बीच लाभार्थियों की संख्या 740 से बढ़कर 1,967 हो गई, लेकिन वित्त वर्ष 2023 में 33 महिलाओं (4.5%) को ही रोज़गार मिल पाया। रोज़गार के नतीजे मिले बिना ट्रेनिंग लेने वालों की संख्या का बढ़ना, 'ट्रेनिंग तो मिली, लेकिन बाज़ार से जुड़ाव नहीं हो पाया' वाली पुरानी विफलता को ही साबित करता है।

लघु उद्योग भारती की बड़ी भूमिका –

इस सारे परिदृश्य में लघु उद्योग भारती संगठन एक बड़ी उम्मीद जगाता है जिससे एमएसएमई सेक्टर में महिला उद्यमियों की नयी पीढ़ी तैयार हो रही है। बहुत अल्प समय में संगठन की ओर से महिला उद्यमियों की इकाइयां देशभर में गठित की गई जिससे स्वरोजगार और स्वावलंबन के लिए तेज गति से कई प्रकल्पों को शुरू किया गया, तो वहीं स्वयंसिद्धा प्रदर्शनियों के नेटवर्क से कम पूँजी से निर्माण इकाइयों में विविध उत्पाद बनाने वाली अलग–अलग पृष्ठभूमि की महिलाओं को लघु उद्योगों के कुशल संचालन के लिए औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरह से प्रशिक्षित किया जा रहा है।

संगठन की सक्रियता एवं महिला उद्यमियों के लिए प्रयास–

- **CSIR, BITS पिलानी, IITs जैसे संस्थानों से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर**
- **एमएसएमई सेक्टर पॉलिसी के लिए थिंक टैंक के रूप में कार्य**
- **ई–कॉमर्स पोर्टल LEAP पर निःशुल्क प्रोडक्ट लिस्टिंग एवं B2B अवसर**
- **सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर डिजिटल प्रमोशन का प्रशिक्षण**
- **इन्क्यूबेशन सेंटर के जरिये मेंटरशिप**
- **कौशल विकास केंद्रों पर कौशल प्रशिक्षण**
- **उद्योगों में निर्माण प्रक्रिया का अवलोकन करने के लिए उद्योग दर्शन**
- **डिफेंस, स्पेस, रेलवे आदि क्षेत्रों के लिए वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम**
- **सरकार द्वारा प्रायोजित प्रदर्शनियों में महिलाओं के उत्पाद को बाजार उपलब्ध करवाना**

'स्वयंसिद्धा' स्वयं लिखती है अपनी सफलता की कहानी

लघु उद्योग भारती

अंतर्मन
अंजू बजाज
राष्ट्रीय सचिव, लघु उद्योग भारती
गुरुग्राम, हरियाणा
anjubajaj55@gmail.com

सूक्ष्म और लघु उद्योगों के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित अखिल भारतीय संगठन लघु उद्योग भारती अपनी तीन दशकों की यात्रा में अब एक बड़ी भूमिका में है। उद्योगों के लिए नीति निर्माण हो, या उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान का विषय हो, संगठन ने अपनी साख उद्यमियों, सरकार और प्रशासन सभी जगहों पर बनाई है।

संगठन ने पूरी गंभीरता से इस बात को समझा है कि महिला उद्यमिता के बिना उद्योगों का विकास न केवल एकांगी होगा, बल्कि महिलाओं की कर्मठता, परिश्रम और उनकी प्रबंधन क्षमता के साथ न्याय भी नहीं होगा। साथ ही उन्हें समाज में बराबरी के स्तर पर सम्मानित करना होगा, जिसकी वो हकदार है। इसके साथ उन्हें आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए भी उन्हें आर्थिक पराधीनता से मुक्त करना जरूरी है। आज देश के सभी राज्यों में महिला उद्यमिता को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य हो रहा है।

लेकिन समय के साथ यह स्पष्ट हुआ कि केवल मंच प्रदान करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि महिलाओं को कौशल, प्रशिक्षण और सही मार्गदर्शन से जोड़ना भी उतना ही आवश्यक है। इसी सोच के साथ महिला इकाइयों ने कौशल विकास को अपने कार्य का केंद्र बनाया। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाओं के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ और सेमिनार आयोजित किए जाने लगे, जहाँ उन्हें सिलाई, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, प्राकृतिक उत्पाद निर्माण जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया।

इन प्रयासों का उद्देश्य केवल सीखना नहीं, बल्कि 'सीखने से कमाने तक' की पूरी यात्रा को सशक्त बनाना रहा है। आज अनेक महिलाएँ, जो कभी घर तक सीमित थीं, अपने कौशल के आधार पर स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक शक्ति बन चुकी हैं।

कोविड काल ने इस यात्रा को एक नया मोड़ दिया। जब भौतिक आयोजन संभव नहीं थे, तब महिला इकाइयों ने डिजिटल माध्यम को अपनाया और वर्चुअल प्रदर्शनी की शुरुआत की। 'स्वयंसिद्धा' नाम से आयोजित इस पहल ने महिलाओं को सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर दिया। यह केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि एक नई दिशा थी—जहाँ तकनीक और उद्यमिता का संगम हुआ।

सोशल मीडिया ने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे छोटे शहरों और गाँवों की महिलाएँ भी बड़े बाजार से जुड़ सकीं। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उन्होंने न केवल अपने उत्पादों की पहचान बनाई, बल्कि नए ग्राहक और नए अवसर भी प्राप्त किए।

इन पहलों का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अनेक महिलाएँ, जिन्होंने छोटे स्तर से शुरुआत की थी, आज सफल उद्यमी बन चुकी हैं। उन्होंने न केवल स्वयं को आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि अन्य महिलाओं को भी रोजगार देकर एक सकारात्मक परिवर्तन की श्रृंखला शुरू की है।

आज आवश्यकता है कि हम इस परिवर्तन को और व्यापक बनाएँ। हमारा लक्ष्य केवल राष्ट्रीय स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि 'स्वयंसिद्धा' को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँचाना है। इसके लिए निरंतर कौशल विकास, डिजिटल सशक्तिकरण और नवाचार को अपनाना आवश्यक है।

आइए, हम सभी मिलकर इस दिशा में आगे बढ़ें—सीखें, सिखाएँ और साथ मिलकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएँ।

स्वयंसिद्धा वही है जो स्वयं को पहचानती है, स्वयं को गढ़ती है, और स्वयं अपनी सफलता की कहानी लिखती है।

○○○

JAS-ANZ
ISO 9001:2008 CERTIFIED
Indian Banks' Association

V.P. Bindal
Managing Partner

Since 1976

Swastik

Coal Trading, Handling
& Logistics Group

Shree Ganpat lal Onkar lal Agrawal & Co.

Corp. Office: Swastik House, 21/3, Ratlam Kothi Main Road,
Indore -452001 (M.P.), India

Phone: +91 (731) 2515521 / 26/28

Mobile: +91-98260 46046

E-mail: info@sgoac.com, managingpartner@sgoac.com

'स्वयंसिद्धा' प्रदर्शनियों से महिला उद्यमियों को मिली बड़ी सफलता

लघु उद्योग भारती

उत्पाद प्रदर्शनी
अंजू सिंह
राष्ट्रीय सचिव, लघु उद्योग भारती
स्वयंसिद्धा आयाम प्रमुख
anjusingh59790@gmail.com

लघु उद्योग भारती में महिला उद्यमी आरंभ के दिनों से ही जुड़ी रहीं हैं। मगर पहली पूर्ण महिला उद्यमी इकाई का गठन उज्जैन में हुआ और फिर कोटा, जोधपुर से होते हुए आज देश भर में 63 इकाइयां और 6500 महिला उद्यमी सदस्य हैं।

जैसे–जैसे महिला कार्य का विस्तार हुआ, वैसे–वैसे महिला उद्यमियों पर केंद्रित आयोजन भी होने लगे। इन सब में सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि रही उत्पाद प्रदर्शनी, जिन का आयोजन जोधपुर इकाई ने 'शक्ति' नाम से शुरू किया।

भोपाल इकाई ने ऐसी ही प्रदर्शनी का नामकरण किया 'स्वयंसिद्धा' वो जो स्वयं में ही सिद्ध हो। इसी नाम को संगठन ने आधिकारिक रूप से अपना लिया। आज ये लघु उद्योग भारती का रजिस्टर्ड ब्रांड है, और देश भर में महिला उद्यमियों की सभी प्रदर्शनियां इसी नाम के अंतर्गत आयोजित की जा रही हैं।

स्वयंसिद्धा प्रदर्शनियों ने अपने आकार और स्तर दोनों में निरंतर प्रगति की है। पिछले 5 वर्षों में ही देश भर में 60 आयोजन हो चुके हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब और उत्तर प्रदेश ने इसमें अग्रणी भूमिका निभाई है। कई महिला उद्यमियों ने तो इन आयोजनों से अपनी पहली प्रदर्शनी शुरू करके आज एक्सपोर्ट व्यापार तक पहुँच चुकी हैं।

वैसे तो ढेरों उत्पाद प्रदर्शनियां हर शहर में लगायी जाती हैं, मगर स्वयंसिद्धा का आयोजन उन सबसे अलग है। संगठन ने सरकारी सहायता से अपने सदस्यों को निःशुल्क स्टॉल उपलब्ध करवाई। और कभी शुल्क लगाकर भी प्रदर्शनी आयोजित की, तो उसका उद्देश्य पैसे कमाना कभी नहीं रहा, बल्कि हमेशा लागत मूल्य पर ही स्टॉल आवंटित किये गए। इसी कारण उद्यमी अपना सामान उचित मूल्य पर बेच पाते हैं।

स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी के बारे में लोगों में छवि बनी है कि यहां गुणवत्ता का विविधता पूर्ण सामान मिलेगा। वो बाज़ार में सहज नहीं मिल सकता और उस मूल्य पर तो कभी भी नहीं। बेहतरीन गुणवत्ता और उचित मूल्य इन दो कारणों से भी महिला सदस्यों का व्यापार बढ़ रहा है।

इन प्रदर्शनियों में जाने के बाद यही अनुभव में आता है कि ये सिर्फ़ बिक्री की जगह नहीं, अपितु हमारे उत्पादों को नए ग्राहक तक पहुँचाने का रास्ता है। उत्पाद सिर्फ़ उन तीन दिनों में नहीं बिकते, बल्कि असली बिक्री तो उसके बाद ही होती है।

आजकल ये आयोजन और भी भव्य होते जा रहे हैं। इनमें स्वादिष्ट खाने की स्टॉल्स भी होती हैं साथ ही पूरे परिवार के मनोरंजन के आयोजन भी किए जाते हैं। बच्चों के लिए गेम जोन बनाए जाते हैं। संगठन की सोच का असर आयोजन में स्पष्ट दिखता है। परिवार की तरह ही सामंजस्य से सारा आयोजन होता है। इसमें पुरुष इकाइयां भी प्रायोजन और आयोजन की अन्य व्यवस्था में सहयोग करती हैं।

स्वयंसिद्धा का उद्देश्य महिला उद्यमियों को बेहतर मार्केटिंग उपलब्ध कराने के साथ नयी महिला उद्यमियों को जोड़ने का रहा है। आज ये आयाम संगठन के नाम को आगे बढ़ाने में पूर्ण सहयोग दे रहा है, और लघु उद्योग भारती के सफल आयामों में से एक है। आज तक लगभग 4 हज़ार महिला उद्यमी इसमें भाग ले चुकी हैं। इन प्रदर्शनियों के सुव्यवस्थित वृहद आयोजनों के लिए ही SOP भी बनायी गई है।

EXCELLENT SIZO
Chemicals

SPECIALIST IN SIZING CHEMICALS

ONE - SHOT SIZING SOLUTION & FORMULATION
FOR COTTON, P/V & DENIM

R N TRADING COMPANY
+91 94141 14353

Textile
Sizing Solutions

लघु उद्योग भारती

योगेंद्र शर्मा
प्रदेश अध्यक्ष
लघु उद्योग भारती, राजस्थान
yksharma1207@gmail.com

प्रदेश कार्यालय
सेवा सदन, सहकार मार्ग
जयपुर

आत्मनिर्भर महिला उद्यमी समृद्ध राष्ट्र की संवाहक

संपूर्ण प्रकृति दो विशिष्ट गुणों से परिभाषित होती है। एक पुलिंग एवं दूसरा स्त्रीलिंग। स्वभाव अनुसार पुरुष तत्व साहस व पराक्रम का संवाहक है; वहीं नारी तत्व स्नेह, वात्सल्य व समर्पण के भाव का प्रगटीकरण है। कार्य स्वभाव विशिष्टीकरण एवं योग्यतानुशासन के अभ्यास से समाज ने सांगोपांग विकास एवं सुख हेतु जीवन पद्धति का निर्धारण किया है।

स्त्री को परिवार के आंतरिक मोर्चे पर दक्षता सर्व विज्ञ है घर के बाहरी मोर्चे पर कार्य संभालने के विषय को लेकर समाज में वैचारिक खुलापन हो; इस हेतु संगठनों की भूमिका अपेक्षित भी है एवं महत्वपूर्ण भी।

लघु उद्योग भारती इस विचार के साथ आगे बढ़ रही है कि समाज, परिवार व राष्ट्र की खुशहाली के लिए महिलाओं में आर्थिक कौशल एवं स्वावलंबन के भाव जगे एवं प्रोत्साहित हो इस हेतु संगठन द्वारा अनेक प्रकल्प संपादित हो रहे हैं। इस संकल्प स्वरूप से ही पूरे भारतवर्ष में 63 महिला इकाइयों से जुड़कर 6500 से भी अधिक महिला उद्यमी अपने सपनों को साकार करने की दिशा में अग्रसर हैं राजस्थान प्रदेश में कुल 26 महिला इकाइयां सक्रिय हैं।

इकाइयों में महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई, मेहंदी, सौंदर्य सज्जा व कंप्यूटर शिक्षा में प्रशिक्षण के माध्यम से स्वावलंबी बनाने हेतु प्रयासरत है। इसके साथ ही महिला उद्यमियों के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के क्रम में लघु उद्योग भारती 60 से अधिक स्वयंसिद्धा के नाम से सफल प्रदर्शनियों का आयोजन भी कर चुकी है।

विपरीत परिस्थितियों में भी वे अपनी अनंत शक्ति, सामर्थ्य एवं जिजीविषा से समाज जीवन में सफल उद्यमी के रूप में प्रतिष्ठित हुई। उन्हीं में से कुछ महिला उद्यमियों के प्रेरक संस्मरण को प्रस्तुत करने की छोटी–सी पहल एक विशेषांक के रूप में 'स्वयंसिद्धा–नारी शक्ति अनंता' के नाम से प्रकाशित हो रही है।

भीलवाड़ा महिला इकाई सदैव रोजगारपरक नवाचार करती रहती है, जो प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय है। मैं राजस्थान प्रदेश की ओर से इस विशेषांक हेतु भीलवाड़ा महिला इकाई दायित्वधारियों एवं सदस्यों का अभिनंदन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(योगेंद्र शर्मा)

Sanya Dye Chem Pvt. Ltd.

Ravi Burman

Director

SAKAR
Two Plots Ahead of
Swachh-Pariyojna Karyalay,
Badi Main Road Udaipur -313011 (Raj.)

Mobile: +91 98290 44247
E-mail: roopatul@gmail.com

BRANCHES:

BHILWARA
105, Jamuna Vihar Colony
Near Shastri Nagar
Phone & Fax: (01482) 297651
Mob.: 9352112051

PALI- MARWAR
992, Gandhi Nagar, Opp.
J.K. Dyeing Main Mandir Road
Mob.: 9352921051

लघु उद्योग भारती

महेश हुरकट
अध्यक्ष, चित्तोड़ प्रांत
लघु उद्योग भारती, राजस्थान
maheshhurkat1972@gmail.com

प्रिय बहनों,

आप सभी को स्नेहपूर्ण शुभकामनाएँ।

'स्वयंसिद्धा– नारी शक्ति अनंता' विशेषांक के माध्यम से आपसे संवाद करते हुए विशेष संतोष का अनुभव हो रहा है। यह अंक केवल शब्दों का संकलन नहीं, बल्कि उस बदलते भारत की झलक है जहाँ नारी अपनी क्षमता को पहचानते हुए आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा गढ़ रही है।

आज की महिला केवल सहभागिता नहीं, बल्कि नेतृत्व का प्रतीक बन रही है। वह अवसरों की प्रतीक्षा नहीं करती, बल्कि उन्हें स्वयं निर्मित करती है। लघु उद्योगों, सेवा क्षेत्र और नवाचार की दुनिया में महिलाओं की यह बढ़ती उपस्थिति हमारे सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का संकेत है।

लघु उद्योग भारती का मूल उद्देश्य केवल उद्योगों का विस्तार नहीं, बल्कि उद्यमशीलता की ऐसी संस्कृति का निर्माण करना है जहाँ प्रत्येक व्यक्ति–विशेषकर महिलाएं–अपने कौशल और विचारों को पहचान कर उन्हें सशक्त रूप दे सकें। महिला इकाई इसी सोच को साकार करने का एक जीवंत उदाहरण है, जहाँ सहयोग, सीखने और आगे बढ़ने की निरंतर प्रक्रिया चलती रहती है।

मेरा मानना है कि सशक्तिकरण केवल संसाधनों से नहीं, बल्कि दृष्टिकोण से आता है। जब एक महिला अपने भीतर की संभावनाओं को पहचान लेती है, तो वह न केवल स्वयं आगे बढ़ती है, बल्कि कई अन्य लोगों के जीवन को भी दिशा देती है। आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे वातावरण का निर्माण करें जहाँ हर महिला को अवसर, सम्मान और आगे बढ़ने का विश्वास मिले। एकजुटता, नवाचार और सकारात्मक सोच के साथ हम निश्चित रूप से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

आप सभी के उज्ज्वल और सशक्त भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ।

धन्यवाद!

(महेश हुरकट)

POOJA SALES
VAIBHAV DYECHEM

OMPRAKASH ASAWA

+91 98290 46295

omprakashasawa@gmail.com

B-4 & 7, Old RTO Road, Gandhi Nagar, Bhilwara-311001 (Raj.)

Speciality in:

Vat Dyes, Reactive Dyes, Textile Auxiliaries, Finishing Chemicals

लघु उद्योग भारती के प्रयासों से भीलवाड़ा में औद्योगिक विकास

संजीव चिरानिया
प्रमुख उद्यमी, भीलवाड़ा
chirania73@gmail.com

वस्त्र नगरी के रूप में प्रसिद्ध भीलवाड़ा देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। इस औद्योगिक विकास में लघु उद्योग भारती भीलवाड़ा की विभिन्न इकाइयों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान में भीलवाड़ा शहर में संगठन की महिला इकाई के अतिरिक्त भीलवाड़ा नगर इकाई तथा ग्रोथ सेंटर इकाई सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। तीनों इकाइयाँ समन्वित प्रयासों से उद्योगों के विकास, उद्यमियों के मार्गदर्शन तथा समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर कार्य कर रही हैं।

भीलवाड़ा नगर इकाई का नेतृत्व अध्यक्ष श्री शंभू प्रसाद काबरा, सचिव श्री कमलेश जैन एवं कोषाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल कर रहे हैं। वहीं ग्रोथ सेंटर इकाई के अध्यक्ष श्री गिरीश अग्रवाल, सचिव श्री ओमप्रकाश जागेटिया एवं कोषाध्यक्ष श्री दिनेश लढ़ा हैं। इन दोनों इकाइयों के साथ महिला इकाई ने संयुक्त रूप से अनेक सफल कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिन्होंने भीलवाड़ा के औद्योगिक वातावरण को नई दिशा प्रदान की है।

इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर (IIF-2023) -

सितंबर, 2023 में लघु उद्योग भारती, भीलवाड़ा ने इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर (IIF-2023) का ऐतिहासिक आयोजन किया। ये तीन दिवसीय भव्य आयोजन 48 हजार वर्ग फीट के पूर्णतः वातानुकूलित डोम में किया गया। इस औद्योगिक मेले में एक ही छत के नीचे यार्न, फैब्रिक, गारमेंट, आधुनिक वीविंग मशीन, यार्न बनाने की मशीन, प्रिंटिंग मशीन, प्रोसेसिंग मशीन, वार्पिंग, फोल्डिंग, फैब्रिक चेकिंग, स्पेयर पार्ट्स, एसेसरीज, पैकिंग मैटेरियल, कंप्रेसर, फैब्रिक टेस्टिंग तथा हीट सेटिंग जैसे अनेक उत्पादों और तकनीकों की स्टॉल लगाई गईं।

फेयर में माइनिंग तथा विभिन्न एमएसएमई कंपनियों ने भी भाग लिया। टेक्सटाइल मशीनरी के लाइव demo के साथ यार्न मिलों के आकर्षक डिस्प्ले भी प्रस्तुत किए गए। देशभर से 50 हजार से अधिक विजिटर्स पहुंचे। कंपनियों ने बड़े ऑर्डर बुक कर उद्योगों को नई गति दी।

फेयर के दौरान टेक्निकल टेक्सटाइल, युवा नए उद्यमी कैसे बनें, नियोक्ता एवं श्रमिक समन्वय से उद्योग विकास तथा टैक्सेशन प्रावधान जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सेमिनार आयोजित किए गए। इस आयोजन में लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय, प्रदेश एवं प्रांत स्तर के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। साथ ही तत्कालीन केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत तथा कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया।

महत्वपूर्ण सेमिनार एवं सम्मेलन

फरवरी, 2023 में भीलवाड़ा में तत्कालीन केंद्रीय वाणिज्य, उद्योग एवं कपड़ा मंत्री श्री पीयूष गोयल की उपस्थिति में 'भारतीय अर्थव्यवस्था एवं निर्यात में MSME एवं टेक्सटाइल सेक्टर के लिए नवीन अवसर' विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम ने उद्यमियों को वैश्विक बाजार में अवसरों से परिचित कराया।

सितंबर 2024 में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी, उद्योग मंत्री श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री संजय शर्मा तथा उद्योग राज्य मंत्री श्री के. के. विश्नोई की उपस्थिति में राजस्थान उद्यमी सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में पूरे राजस्थान से लगभग 400 उद्यमियों ने भाग लिया।

प्रशासनिक समन्वय एवं सक्रिय भागीदारी

लघु उद्योग भारती भीलवाड़ा के प्रतिनिधि कलेक्ट्रेट, जिला उद्योग केंद्र, रीको, बिजली विभाग, श्रम विभाग, पॉल्यूशन विभाग, ईएसआई, पीएफ तथा अन्य संबंधित विभागों की मासिक बैठकों में नियमित रूप से भाग लेते हैं तथा उद्योगों की समस्याओं के समाधान हेतु सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इस प्रकार महिला इकाई, नगर इकाई और ग्रोथ सेंटर इकाई के संयुक्त प्रयासों से लघु उद्योग भारती भीलवाड़ा उद्योग विकास, उद्यमिता प्रोत्साहन और रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

लघु उद्योग भारती की प्रमुख उपलब्धियां

- **राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियां**
- लघु उद्योगों के लिए SIDBI के माध्यम से बिना कोलेटरल ऋण की व्यवस्था।
- श्रम कानून सुधार हेतु स्मॉल फैक्ट्री एक्ट का प्रारूप तैयार करने में भूमिका।
- सरकारी खरीद में 20% खरीद लघु उद्योगों से अनिवार्य करवाना।

ARPIT SALES

- *Solid Wood Ariticles,*
- *100% Food Grade Finishes*
- *Corporate Giftings**
- *Customization Available**

*Subject to minimum order quantity.

Handicrafted Jute & Denim Bags

Kindly contact for catalogue & details.

ARPIT SALES

93524 61033, 98290 32564

arpitsalesbhl@gmail.com

B-5, 1st Floor, Sangam Tower, Old RTO Road, Gandhinagar, Bhilwara 311001. (M) 93527 50578

लघु उद्योग भारती महिला इकाई, भीलवाड़ा

संगठित महिला शक्ति से आत्मनिर्भरता की ओर – उद्यमिता, सेवा और सशक्तिकरण की प्रेरक यात्रा

प्रगति-पथ

उद्योग टाइम्स डेस्क

भारत सदैव से उद्यमिता और कौशल की भूमि रहा है। प्राचीन काल में भारत के लघु एवं कुटीर उद्योग विश्वभर में प्रसिद्ध थे। ढाका की मलमल, काशी की बनारसी साड़ी, राजस्थान की हस्तकला, गुजरात की कढ़ाई, दक्षिण भारत का सिल्क – ये सभी उदाहरण बताते हैं कि छोटे उद्योगों ने ही भारत को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाया। यही परंपरा आज भी देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव है। इसी विचारधारा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से लघु उद्योग भारती का गठन हुआ – एक ऐसा राष्ट्रीय संगठन जो लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योगों को संगठित कर उन्हें सशक्त बनाने का कार्य करता है। इसका उद्देश्य केवल उद्योगों का विकास नहीं, बल्कि उद्यमियों को संगठित कर राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को मजबूत करना है। इसी राष्ट्रीय सोच को आगे बढ़ाते हुए लघु उद्योग भारती महिला इकाई, भीलवाड़ा ने महिला उद्यमियों को एक मंच प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

संगठन का उद्देश्य- महिला उद्यमिता को नई दिशा देने का संकल्प

महिला इकाई का मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को संगठित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इसके प्रमुख उद्देश्य हैं–

- महिला उद्यमियों को साझा मंच प्रदान करना
- मजबूत बिजनेस नेटवर्किंग तैयार करना
- सरकारी योजनाओं की जानकारी देना
- बैंकिंग एवं वित्तीय सहायता से अवगत कराना
- 'स्वयंसिद्धा' प्रदर्शनी से बाजार उपलब्ध कराना
- उत्पाद पंजीकरण एवं ऑनलाइन मार्केटिंग सहयोग
- उद्यमियों की समस्याओं का समाधान करवाना
- प्रशिक्षण, कार्यशाला एवं सेमिनार का आयोजन
- सदस्यता अभियान से संगठन मजबूत करना एवं संगठन में विश्वास एवं समर्पण विकसित करना

मजबूत संगठन – मजबूत पहचान

वर्तमान में यह इकाई 115 सदस्यों के साथ महिला उद्यमियों के लिए सहयोग, मार्गदर्शन और अवसर का सशक्त मंच बन चुकी है।

स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी: महिला उद्यमिता का मंच

वर्ष 2022 एवं 2025 में 'स्वयंसिद्धा' प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। इससे स्थानीय महिला उद्यमियों के उत्पादों को बाजार के साथ पहचान भी मिली। उनके लिए व्यापारिक अवसर और नेटवर्किंग दोनों बढे। आज यह प्रदर्शनी राजस्थान सहित देशभर में महिला उद्यमिता का ब्रांड बन चुकी है।

सक्षम कौशल विकास केंद्र-

आत्मनिर्भरता की ओर सशक्त कदम बढ़ाते हुए 21 अक्टूबर, 2023 को इस केंद्र की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य उन महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ना है जो घर से बाहर कार्य नहीं कर सकतीं।

प्रशिक्षण के क्षेत्र-

केंद्र में चार प्रकल्प शुरू किये गए जिसमें सिलाई, मेहंदी, पार्लर और आर्ट एंड क्राफ्ट सम्मिलित है।

प्रभाव-

वर्ष 2023–24 में 120 महिलाएं, 2024–25 में 300 महिलाएं समेत अब तक कुल 420 महिलाएं प्रशिक्षित हो चुकी हैं। अप्रैल 2026 में नया प्रशिक्षण–सत्र प्रारंभ हो चुका है। आज कई प्रशिक्षित महिलाएं घर बैठे आय अर्जित कर रही हैं। इस केंद्र का निरीक्षण विभिन्न पदाधिकारियों सहित 15 जनवरी, 2025 को जिला कलेक्टर ने भी किया और इसकी सराहना की।

प्रमुख कार्यक्रम एवं पहल-

- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना शिविर (6 मार्च, 2024)
- 300 महिलाओं का पंजीकरण
- जिला उद्योग केंद्र के सहयोग से आयोजन
- वृक्षारोपण कार्यक्रम (जुलाई 2024)
- डिजिटल फ्रॉड जागरूकता कार्यशाला (फरवरी 2025)
- रिजर्व बैंक प्रतिनिधियों द्वारा मार्गदर्शन

- डिजिटल सुरक्षा की जानकार
- डीआरडीओ वैज्ञानिक डॉ. मीना मिश्रा ने 1 जुलाई, 2025 को सेमीनार में महिला उद्यमियों का मार्गदर्शन किया।

सचित्र महत्वपूर्ण गतिविधियां

प्रदेश उद्यमी सम्मेलन में राजस्थान की उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी का स्वागत करती महिला इकाई टीम।

वर्ष 2024 में स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी के समापन समारोह में राजसमंद विधायक श्रीमती दीप्ति माहेश्वरी के साथ इकाई अध्यक्ष श्रीमती पल्लवी लढा एवं महिला उद्यमीगण।

विश्वकर्मा जयंती पर रामस्नेही हॉस्पिटल के सहयोग से 19 सितंबर, 2025 को आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेंद्र सिंह रक्तदाता उद्यमियों का उत्साहवर्धन करते हुए।

भीलवाड़ा की महिला उद्यमियों में पारस्परिक सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से नेटवर्किंग कार्यक्रम 7 मार्च, 2026 को आयोजित किया गया।

लघु उद्योग भारती महिला इकाई सदस्यों के लिए 14 सितंबर, 2024 को श्रेय ट्रेंड्ज़ गारमेंट प्लांट पर विजिट आयोजित की गई जहां डेनिम से जींस आदि वस्त्र तैयार किये जाते हैं।

महिला इकाई ने 18 जुलाई, 2024 को चंवरा के देवनारायण मंदिर क्षेत्र में प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रीना राठौड़ एवं श्रीमती पल्लवी लढा की उपस्थिति में 100 छायादार वृक्षों का रोपण किया।

भीलवाड़ा में महिला इकाई द्वारा संचालित सक्षम कौशल विकास केंद्र का अवलोकन करते हुए राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाशचंद्र जी एवं जिला कलेक्टर श्री जसमीत संधू साथ में महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती पल्लवी लढा एवं प्रशिक्षणार्थी बहिनें।

तीन दिवसीय स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी का आयोजन मुख्य इकाई, ग्रोथ सेंटर इकाई और महिला इकाई तीनों के समन्वय में 5–7 जनवरी, 2024 को किया गया।

वर्ष 2025 में आयोजित स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी के समापन सत्र में लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा, प्रांत अध्यक्ष श्री महेश हुरकट एवं अग्रणी उद्यमी एवं इकाई अध्यक्ष श्रीमती पल्लवी लढा के साथ महिला इकाई टीम।

ASH JEWELS
ASH JEWELS
By - Aashita Baheti
Anti Tarnish Jewelry | Earrings | Rings | Bracelets | Neckpiece and many more...
+91 90790 22281
B - 82, Kashipuri, Bhilwara
@JWELSBYASH

ASH CREATIVITY
HANDCRAFTED LIFESTYLE BRAND
ASH CREATIVITY
By - Aashita Baheti
Customized Gift Hampers | Wedding Packing| Decorative Pieces |
+91 77280 22281
B - 82, Kashipuri, Bhilwara
@ASH.CREATIVITYY

मांडल, ममत्व और मिश्रिज - सेवा से स्वावलंबन का सफर

स्वयंसिद्धा
रक्षा जैन
संस्थापक - मिश्री घर से घर तक 'मिश्रिज'
इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, इंडिया प्राइड अवॉर्ड,
पन्ना धाय अवॉर्ड से सम्मानित
mishriz.rakshaa@gmail.com

मेरा जन्म 2 सितंबर, 1990 को राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के मांडल गाँव में हुआ। मेरे पिता श्री किशनलाल जी बंट का अपना किराना स्टोर था और माँ श्रीमती शारदा देवी सिलाई–बुनाई का कार्य करती थीं। सीमित संसाधनों के बावजूद, मेरे माता–पिता ने मुझ में उच्च जीवन–मूल्य और अटूट आत्मविश्वास का संचार किया, जो आज मेरी सफलता की आधारशिला है।

मेरा विवाह श्रीमती पूर्णिमा देवी एवं श्री ज्ञानचंद जी सांखला के सुपुत्र सुनील जैन के साथ हुआ। इस परिवार में मुझे चार बहनों का स्नेह मिला, जिसने मेरे जीवन को और समृद्ध बनाया। मेरे जीवन में ममत्व की पूर्णता मेरे दोनों पुत्रों 'श्रेष्ठ' और 'एकांश' के जन्म से हुई।

मेरी शिक्षा मेरी माँ के त्याग और समर्पण की कहानी है। वे मुझे गोद में उठाकर प्रतिदिन 8 किलोमीटर पैदल स्कूल ले जाती थीं और छुट्टी तक बाहर बैठकर मेरा इंतज़ार करती थीं। उनके इसी संघर्ष ने मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। मैंने स्नातक के साथ थेरेपी में डिप्लोमा प्राप्त किया और शिक्षा ग्रहण करने के साथ नौकरी कर आत्मनिर्भरता की ओर पहला कदम बढ़ाया।

मेरे उद्योग 'मिश्रिज' की शुरुआत भी एक भावनात्मक अनुभव से हुई। बचपन से माँ और नानीसा को घर में शुद्ध व्यंजन बनाते देखा था। वर्ष 2022 में मेरे बड़े बेटे की सर्जरी के दौरान उसका मन कुकीज़ खाने का हुआ, लेकिन बाज़ार में शुद्ध आटा, मिश्री और घी से बने स्वास्थ्यप्रद कुकीज़ उपलब्ध नहीं थे। तब मैंने स्वयं इन्हें बनाना सीखा और 29 अप्रैल 2024 को "मिश्री घर से घर तक – मिश्रिज" की नींव रखी।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'वोकल फॉर लोकल' मंत्र को अपनाते हुए मैंने अपनी यात्रा शुरू की। शुरुआती दौर में मैंने मौसम की परवाह किए बिना घर–घर जाकर अपने उत्पादों की डिलीवरी की। मेरे इस संघर्ष को पहचान तब मिली, जब लघु उद्योग भारती किशनगढ़ महिला इकाई द्वारा आयोजित 'स्वयंसिद्धा मेले' में मुझे मंच मिला और मैंने अपने उत्पादों को वहां स्टॉल पर प्रदर्शित किया। आज मेरे इस प्रयास के साथ 20–22 महिलाएँ जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

मेरे जीवन का एक अनूठा अध्याय मातृत्व से भी जुड़ा है। मुझे मातृ–दुग्ध दान करने का सौभाग्य मिला और मैंने प्रतिदिन मिल्क बैंक जाकर 160.810 लीटर दूध दान कर एक कीर्तिमान स्थापित किया। जब पहली बार मेरे इस कार्य को लेकर मेरी स्टोरी समाचार पत्र में प्रकाशित हुई, वो मेरे जीवन का सबसे यादगार क्षण था। आज मुझे मिले सभी सम्मान–इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड, इंडिया प्राइड अवॉर्ड और पन्ना धाय अवॉर्ड का श्रेय मैं अपने बेटों को देती हूँ।

वर्तमान में 'मेवाड़ सेवा संस्थान' की अध्यक्ष और 'महावीर इंटरनेशनल आगाज' में सचिव के दायित्व का निर्वहन कर रही हूँ। साथ ही 'राजमाता विजया राजे सिंधिया मेडिकल कॉलेज' में एथिकल कमिटी सदस्य, लघु उद्योग भारती, महिला इकाई भीलवाड़ा की कार्यकारिणी सदस्य और 'भीलवाड़ा सोशल क्रू' की सक्रिय सदस्य के रूप में समाज सेवा में योगदान दे रही हूँ।

मेरा मानना है कि हर गृहिणी में अपार क्षमता होती है, बस उसे पहचानने और सही दिशा देने की आवश्यकता है। मैं चाहती हूँ कि अधिक से अधिक महिलाएँ आत्मनिर्भर बनें और अपने सपनों को साकार करें।

वास्तव में मिठास केवल स्वाद में नहीं, बल्कि हमारी सोच, सेवा और संघर्ष से उपजे आत्मविश्वास में होती है।

Mishriz

मिश्री - घर से घर तक™

प्राकृतिक मिठास
ताड़ मिश्री
कुंजा मिश्री

देसी घी एवं मिश्री
ग्लूटेन फ्री कुकीज़
फलाहारी कुकीज़
आटा कुकीज़

धूप में बना खास
मिश्री गुलकंद

रिफ्रेशिंग ड्रिंक्स
मिश्री वाला शरबत
मिश्री वाला फ्रूट क्रश

मिश्री मलाई चना

मिश्री ठंडाई बॉम्ब

क्यों चुने मिश्रिज
- बिना प्रिज़र्वेटिव
- घर का बना स्वाद
- शुद्ध सामग्री
- पूरे भारत में डिलीवरी

घर की बनी शुद्ध मिठास
और पारंपरिक स्वाद

खाखरा
ग्लूटेन फ्री खाखरा
फलाहारी खाखरा
पारंपरिक खाखरा
डायबिटीक खाखरा

चटपटा जायका
मठरी
हींग स्पेशल

शुद्ध अचार (सिरका रहित)
केर - सांगरी
कैरी - गोंदा
नींबू - मिर्च

साजी के पापड़
मूंग पापड़
चना पापड़

50+ Product

5000+ ग्राहकों का विश्वास

त्यौहारों की मिठास अब मिश्री के साथ — बल्क ऑर्डर लिए जाते हैं।

mishrizbyrakshaa

शास्त्री नगर, भीलवाड़ा

श्रीमती रक्षा जैन 7414 876 876

अस्तित्व की महक – मेरी कहानी, मेरी जुबानी

स्वयंसिद्धा
रेखा इनाणी
Diyashree Cotfab. Pvt. Ltd.
Inani Enterprises
rekhainani78@gmail.com

राजस्थान की शाहपुरा की वो गौरवशाली मिट्टी, जहाँ भक्ति, शक्ति और कला का अनूठा संगम है, वहीं से मेरे जीवन का सफर शुरू होता है। मेरा पालन–पोषण एक आध्यात्मिक, गौ–भक्त और सुशिक्षित परिवार में हुआ, जहाँ संस्कारों को ही जीवन का सबसे बड़ा आधार माना जाता था। माता–पिता से मिले इन्हीं संस्कारों ने मेरे व्यक्तित्व को एक नई दिशा प्रदान की। बचपन से ही मुझे पढ़ने–लिखने और कुछ नया जानने की गहरी जिज्ञासा थी, और इसी रुचि के साथ मैंने आर्ट्स विषय में अपनी स्नातक तक की शिक्षा पूरी की।

मेरा विवाह उद्योगपति पंकज जी इनाणी के साथ हुआ, जिसके बाद मैंने एक संयुक्त परिवार की देहरी पर कदम रखा। अक्सर लोग समझते हैं कि बड़े परिवार की जिम्मेदारियों के बीच व्यक्ति का 'मैं' कहीं खो जाता है, लेकिन मेरे लिए मेरा परिवार संस्कारों की वह पाठशाला बना, जिसने मुझे और भी बेहतर तरीके से गढ़ा। मेरा मानना है कि सपने देखने की कोई उम्र नहीं होती और न ही शादी सपनों के आड़े आती है। दो बच्चों की माँ होने के नाते मेरी ज़िम्मेदारियाँ ज़रूर बढ़ीं, लेकिन मातृत्व का यह सुख कभी मेरे सपनों की राह में बाधा नहीं बना।

संयुक्त परिवार की जड़ें जितनी गहरी होती हैं, व्यक्ति का व्यक्तित्व भी उतना ही ऊँचा उठता है। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूँ कि मुझे ऐसा ससुराल मिला, जहाँ मेरी काबिलियत को पंख मिले। परिवार के सहयोग और प्रोत्साहन का ही परिणाम था कि विवाह और बच्चों की परवरिश के साथ–साथ मैंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और LL.B. की डिग्री हासिल की। इस उपलब्धि ने मेरे इस विश्वास को और मजबूत कर दिया कि सीखने की न तो कोई उम्र होती है और न ही कोई सीमा।

यद्यपि मेरी शिक्षा आर्ट्स में हुई थी, लेकिन जब मैंने परिवार के व्यवसाय–Diyashree Cotfab Pvt. Ltd. और Inani Enterprises–से जुड़ने का निर्णय लिया, तो मैंने खुद को कभी सीमित नहीं माना। एक आर्ट्स छात्रा के लिए व्यापार की बारीकियों और कॉमर्स के सिद्धांतों को समझना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन मैंने हर चुनौती को एक अवसर की तरह स्वीकार किया। व्यवसाय से जुड़ना मेरे लिए केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व को एक नया आयाम देने का माध्यम बना। आज मैं केवल एक बहू या पत्नी नहीं, बल्कि एक उद्यमी बनने की राह पर अग्रसर हूँ, जहां मैं अपनी संस्कृति और व्यापारिक विरासत–दोनों पर गर्व करती हूं।

सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहना और हर व्यक्ति के साथ सम्मानजनक व मृदु व्यवहार करना मुझे आत्मिक संतोष देता है। परिवार, व्यवसाय और समाज–इन तीनों के बीच संतुलन बनाए रखना ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है। मेरे जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा मेरी अडिग श्रद्धा भी है। रामद्वारा में नियमित जाना और भक्ति में समय बिताना मेरी दिनचर्या का वह पवित्र हिस्सा है, जो मुझे मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।

मैंने यह गहराई से महसूस किया है कि अस्तित्व वह नहीं; जो हमें केवल नाम से मिलता है, बल्कि वह है जो अपनों के साथ मिलजुल कर महकने से मिलता है। मेरा जीवन इस बात का साक्ष्य है कि यदि एक स्त्री संस्कारों की नींव पर खड़ी हो, तो वह परिवार की धड़कन भी बनी रह सकती है और अपने स्वाभिमान का इतिहास भी स्वयं रच सकती है। अंत में, मैं यही मानती हूँ कि असली महक पद या प्रतिष्ठा में नहीं, बल्कि उस गरिमामय अस्तित्व में होती है, जो अपने मूल्यों, कर्म और आत्मविश्वास से निर्मित होता है।

यही मेरी पहचान है, यही मेरी यात्रा है, और यही मेरे जीवन की सच्ची उपलब्धि भी है।

DIYASHREE
COTFAB PVT. LTD.
Manufacturer of Denim & Cotton Fabrics

REKHA INANI +91 80580 59028
PANKAJ INANI +91 98290 83719

Email - anandinani@yahoo.com, jaiinani03@gmail.com

Factory : Arjiya Chouraha, Bhadali Khere
Bhilwara - 311001 (Rajasthan)

ANAND INANI +91 98283 62665
JAI INANI +91 89557 23003

INANI
ENTERPRISES
Tarpaulins & Polythene Bags,
Importer PE GRANULES

Email - anandinani@yahoo.com
jaiinani03@gmail.com

Factory : Arjiya Chouraha, Ajmer Road
Bhilwara - 311001 (Rajasthan)

एक शिक्षिका से सफल उद्यमी तक का सफर

स्वयंसिद्धा
शशिकला काबरा
प्रोपराइटर - मेसर्स शुभ्रा उद्योग
shashikabra.67@gmail.com

मेरा जन्म और शिक्षा राजस्थान की शैक्षिक नगरी कोटा में हुई। मेरी शैक्षणिक पृष्ठभूमि विज्ञान (B.Sc., B.Ed.) और कला (M.A.इतिहास) का संगम है, जिसने मुझे तार्किक सोच और मानवीय दृष्टिकोण दोनों प्रदान किए। जीवन में सीखने और आगे बढ़ने की यह निरंतर प्रक्रिया ही मुझे हर नए अवसर को अपनाने की प्रेरणा देती रही है।

व्यवसाय की ओर पहला कदम

मेरा पीहर पक्ष सदैव सेवा–क्षेत्र से जुड़ा रहा। पिता स्वर्गीय श्री वेंकटेश्वरदास जी राज्य सरकार में अधिकारी थे और मेरे भाई भी प्रतिष्ठित पदों पर हैं। इसी प्रभाव में मैंने विवाह के पश्चात राजकीय विद्यालय में शिक्षिका के रूप में कार्य किया। किंतु ससुराल का वातावरण पूर्णतः व्यावसायिक था। पारिवारिक दायित्वों और पैतृक व्यवसाय 'द्वारकेश आयुर्वेद भवन' के प्रति समर्पण को देखते हुए मैंने अपनी सरकारी सेवा का त्याग कर औषधि निर्माण के क्षेत्र में कदम रखा। यहाँ मुझे वैद्य स्वर्गीय श्री रामपाल जी काबरा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। नए क्षेत्र में कदम रखते समय कई चुनौतियाँ आईं, लेकिन विश्वास और सीखने की इच्छा ने हर कठिनाई को सरल बना दिया।

स्वाद और स्वास्थ्य का अनूठा संगम

हमारा उद्योग मुख्य रूप से पाचक और रुचिकर आयुर्वेदिक चूर्ण तथा गोलियों के निर्माण में संलग्न है। हम ऐसे उत्पादों का सृजन करते हैं जो पाचन तंत्र को सुदृढ़ करते हैं और पारंपरिक स्वाद के कारण हर आयु वर्ग के प्रिय हैं। इन 'मुखवास' और 'हाजमे की गोलियों' को हम औषधीय गुणों से भरपूर सामग्री के रूप में देखते हैं। हमारी इकाई GMP प्रमाणित है, जो गुणवत्ता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा लक्ष्य भारत की पारंपरिक आयुर्वेदिक विरासत और 'दादी–नानी के नुस्खों' को आधुनिक स्वरूप में प्रस्तुत करना है, ताकि यह स्वाद हर घर तक पहुँचे।

सीखने की ललक और विस्तार

विज्ञान स्नातक होने के कारण मुझे औषधि निर्माण की तकनीकी बारीकियों को समझने में सहजता रही। उद्योग विभाग के 'उद्यमिता विकास कार्यक्रम' और दिल्ली के 'भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले' ने मेरे व्यावसायिक दृष्टिकोण को व्यापक बनाया। इन अनुभवों से हमने अपनी उत्पादन क्षमता को बेहतर किया और उत्पादों को देशभर में पहुँचाया। हर नया अनुभव हमें बेहतर बनाता है और आगे बढ़ने की दिशा दिखाता है।

महिला सशक्तिकरण और सामाजिक उत्तरदायित्व

व्यवसाय के साथ–साथ मैं सामाजिक उत्थान के लिए भी प्रयासरत हूँ। ग्राम आटून में हमारी नई इकाई का निर्माण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारी सबसे बड़ी शक्ति हमारी महिला श्रमिक हैं। वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि मेरे 'वृहत परिवार' का हिस्सा हैं। आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ उनके आत्मविश्वास में आई वृद्धि ही हमारे उद्योग की वास्तविक सफलता है। जब मैं उन्हें अपने बच्चों की शिक्षा और भविष्य की योजनाएँ बनाते देखती हूँ, तो गर्व होता है कि हमारा प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

परिवार का सहयोग और प्रेरणा

मेरे पति, डॉ. बद्रीविशाल काबरा, मेरी सफलता के सबसे बड़े स्तंभ रहे हैं। हमने मिलकर अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाई और आज वे भी अपने–अपने क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। परिवार का साथ और विश्वास ही हर कठिन राह को आसान बना देता है।

मैं सभी महिलाओं से यही कहना चाहूँगी कि धैर्य और निरंतर प्रयास से ही सफलता मिलती है।

जैसा कि शास्त्रों में भी कहा गया है–

शनैः पन्थाः शनैः कन्था शनैः पर्वत लंघनम्।
शनैर्विद्या शनैर्वित्तं पञ्चैतानि शनैः शनैः।।

अर्थात् जीवन में प्रगति का कोई शॉर्टकट नहीं होता, हर उपलब्धि समय और समर्पण मांगती है।

श्री श्याम®

द्वारकेश

Shubhra Udyog New

Dwarkesh Herbal Healthcare Pvt. Ltd.

Pur Road, Bhilwara (Raj.)

M.: 94142 11253, 99909 10563

www.dwarkeshchuran.com email : info@dwarkeshchuran.com

संघर्ष से सृजन तक - एक नारी की प्रेरक यात्रा

स्वयंसिद्धा
शिखा अग्रवाल
प्रोप्राइटर-अग्रवाल यार्न एजेंसीज
agarwalshikha099@gmail.com

कोटा सिटी, राजस्थान में मेरा जन्म एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। मेरे दादाजी पुलिस विभाग में उच्च पद पर कार्यरत थे और उन्हें ईमानदारी के लिए गोल्ड मेडल भी मिला। पिताजी सरकारी सेवा में रहते हुए उत्कृष्ट लेखन प्रतिभा के भी धनी थे और उन्हें राज्यपाल द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। लेखन का यह बीज कब मेरे भीतर अंकुरित हुआ, इसका मुझे स्वयं भी आभास नहीं हुआ।

मेरा बचपन संघर्षपूर्ण रहा। 15 वर्ष की आयु तक मैं अनेक बीमारियों से जूझती रही, फिर भी मेहनत मेरा स्वभाव बना रहा। आज मैं एक लेखिका, अंग्रेजी शिक्षिका और कवयित्री हूं। मैंने अंग्रेजी विषय में स्नातकोत्तर, बी.एड., नेट व स्लेट की डिग्री प्राप्त की है और मेरी सम्पूर्ण शिक्षा कोटा से ही पूर्ण हुई है। बचपन से ही मुझे यात्रा, नृत्य, संगीत, फैशन और लेखन में रुचि रही है।

परिवार में उच्च शिक्षा और उपलब्धियों की समृद्ध परंपरा रही है, जिसे आगे बढ़ाते हुए मैंने पिताजी की प्रेरणा से वर्ष 2017 में विधिवत लेखन की शुरुआत की। **विवाह से पूर्व मैं अंग्रेजी व्याख्याता के रूप में कार्यरत थी, परंतु विवाह पश्चात यह यात्रा कुछ समय के लिए थम गई। इसे पुनः जीवंत करने के लिए मैंने घर से होम ट्यूशन प्रारंभ किया और भीलवाड़ा के घुमंतू जनजाति छात्रावास में बच्चों को अंग्रेजी स्पोकन व लेखन का प्रशिक्षण देना शुरू किया।**

गृहस्थ जीवन के साथ शिक्षण और लेखन को आगे बढ़ाना मेरे लिए आसान नहीं था। कई विरोधों का सामना करना पड़ा, पर मैंने अपना मनोबल बनाए रखा। इसी दौरान मेरी माता जी के स्वास्थ्य से जुड़ी कई गंभीर परिस्थितियों ने मुझे भीतर तक झकझोर दिया, फिर भी मैंने अपनी लेखन–शिक्षण यात्रा को नहीं रोका।

मेरी प्रकाशित पुस्तकों में 'हेल्थ केयर', 'टेक्सटाइल सिटी–भीलवाड़ा', 'अतुल्य अजमेर', 'रंग–बिरंगी बूंदी', 'उदयपुर–वर्ल्ड फेमस टूरिस्ट डेस्टिनेशन', 'ए वर्ल्ड हेरिटेज ग्लोबल टू लोकल', 'फैशन–एन इंस्टिंक्ट', 'मन दर्पण के प्रतिबिंब', 'बियोंड द स्काई" और 'किलकारियां' प्रमुख हैं। इन रचनाओं ने मुझे समय–समय पर सम्मान दिलाया, जिनमें 'प्रेम पुष्प साहित्य भूषण अवार्ड', 'काव्य कुमुद सम्मान', 'विदुषी नारी रत्न अवार्ड' और 'भारतेंदु हरिश्चंद्र साहित्य भाषा सम्मान' शामिल हैं। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अंग्रेजी काव्य प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

मेरे शिक्षण कार्य की उपलब्धियों में विद्यार्थियों द्वारा अंग्रेजी नाटकों का सफल मंचन और ओलंपियाड में सिल्वर मेडल प्राप्त करना शामिल है। आगे बढ़ते हुए मैंने 'कृष्णाजी–सैंडविच' नाम से क्लाउड किचन की शुरुआत की, जिसने अपनी गुणवत्ता और स्वाद से पहचान बनाई।

मैं लघु उद्योग भारती, महिला इकाई, भीलवाड़ा की पूर्व सह–सचिव रह चुकी हूं तथा भारत विकास परिषद और लायंस क्लब से जुड़ी हूं। 'मंजूलिका' पत्रिका की संपादिका और 'टुडे आई' समाचार पत्र की सह–संपादिका के रूप में भी कार्य किया है। मेरी 50 से अधिक कविताएं विभिन्न प्रतिष्ठित प्रकाशनों में प्रकाशित हो चुकी हैं। आगे मेरा लक्ष्य अनुवादक के रूप में कार्य करना है, जिसमें मैं हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद की दिशा में निरंतर प्रयासरत हूं। अंत में, **मैं सभी महिलाओं से यही कहना चाहूंगी कि सफलता का मूल मंत्र आत्मविश्वास और दृढ़ मनोबल है जिसे काव्यात्मक शैली में मैंने इस तरह कहा है–**

''मैं आग हूं, मैं ज्वाला हूं, बुलंद हौसलों की पहचान हूं, आज की नारी की मैं आवाज हूं।"

○○○

Shikha Agarwal
- Former Lecture, M.A.,
B.ed.(Eng. Literature)
9660303643
DO YOU KNOW ENGLISH?
GRAMMAR, SPOKEN ENGLISH
READING WRITING
SPELLING MAKING
BOOK TRANSLATION
FROM HINDI TO ENGLISH
tuition
FOR ALL SUBJECTS
AVAILABLE
TIME : 3.30 to 5.30 Pm

शिखा अग्रवाल
मो. 9660303643
कृष्णा जी सैंडविच
स्वाद सबकी पसंद का
यहां सभी प्रकार के सैंडविच आर्डर पर बनाए व सिखाए जाते हैं।
पटेटो ग्रिल्ड सैंडविच - 77/-
पनीर ग्रिल्ड सैंडविच - 95/-
मिक्स वेज ग्रिल्ड सेंडविच - 80/-
चीज लोडेड सेंडविच - 110/-
मिक्स वेज चीज ग्रिल्ड - 90/-
क्लब सेंडविच - 180/-
रा सेंडविच - 60/-
कोई भी आर्डर दो घंटे पहले बुक किया जाता है
किटी पार्टी, गेट टूगेदर के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।

संयुक्त परिवार- संस्कार, प्रेम और एकता की सशक्त धरोहर

स्वयंसिद्धा
सुमित्रा हुरकट
कार्यकारिणी सदस्य
लघु उद्योग भारती महिला इकाई
sumitrahurkat550@gmail.com

भारतीय समाज में परिवार केवल रक्त–संबंधों का समूह नहीं होता, बल्कि यह एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संरचना है, जो जीवन के भौतिक, मानसिक और आत्मिक पक्षों को समाहित करता है। परिवार वह आधार है, जहाँ आदर्श, मूल्य और प्रेम के बीज अंकुरित होते हैं। मैं इन सभी बातों का अनुभव एक संयुक्त परिवार में रहते हुए कर रही हूँ।

लगभग 26 वर्ष पूर्व मेरा विवाह महेश हुरकट जी के साथ हुआ और मैं एक ऐसे संयुक्त परिवार का हिस्सा बनी, जहाँ पिता समान ससुर जी ने अपने उच्च आदर्शों और मूल्यों से परिवार की नींव को सुदृढ़ बनाया था। वहीं माँ समान सासु माँ ने अपने संस्कारों, सहनशीलता और प्रेम से इस परिवार रूपी पौधे को सींचा। बहू बनकर इस परिवार में आने के बाद मैंने अनुभव किया कि यह परिवार केवल संबंधों से नहीं, बल्कि स्नेह और संस्कारों से बंधा हुआ है।

देवर और ननद के रूप में मुझे भाई–बहनों जैसा स्नेह और अपनापन मिला। हमारे पिताजी के सानिध्य में पूरे परिवार को आध्यात्मिकता, दयालुता, निस्वार्थ प्रेम और सहयोग की भावना जैसे गुण विरासत में मिले। माँ की सहनशीलता ने इस परिवार को आज भी सुदृढ़ और संस्कारित बनाए रखा है। विवाह के पश्चात जीवन में कई उतार–चढ़ाव आए, लेकिन हमने हर परिस्थिति का सामना मिलजुल कर और प्रेमपूर्वक किया। कोई भी कठिनाई हमारे आपसी विश्वास और एकता से बड़ी नहीं बन सकी। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूँ, तो यह अनुभव होता है कि हमारे आपसी प्रेम और सहयोग ने ही परिवार को सामाजिक और आध्यात्मिक दृष्टि से मजबूत बनाया है।

परिवार की सबसे बड़ी बहू होने के नाते मुझे सास–ससुर से यह सीख मिली कि परिवार में एकता बनाए रखने के लिए सहयोग, संवाद और स्नेह सबसे महत्वपूर्ण हैं। जब मैं पहली बार माँ बनी, तब मैंने अनुभव किया कि दादा–दादी, बुआ और चाचा के सानिध्य में बच्चों का संतुलित और संस्कारित विकास होता है। जो मूल्य और संस्कार संयुक्त परिवार में मिलते हैं, वे अकेले माता–पिता नहीं दे सकते। समय के साथ जब देवर और ननद का विवाह हुआ, तो परिवार में नए सदस्यों का आगमन हुआ। मेरी दोनों देवरानियाँ भी सुसंस्कारित परिवारों से हैं और आज हम तीनों बहनों की तरह आत्मीयता से रहते हुए हर जिम्मेदारी को मिलकर निभाते हैं। ननद और ननदोई का सहयोग और अपनापन भी परिवार को और मजबूत बनाता है।

आज हमारे परिवार में बच्चों के बीच भी वही प्रेम और एकता है, जो बड़े सदस्यों में है। पिताजी के संस्कारों के कारण हम आज भी सप्ताह में एक बार साथ बैठकर भजन करते हैं और मिलकर भोजन करते हैं, जिससे परिवार में सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहता है।

मुझे सौभाग्य से एक ऐसे जीवनसाथी का साथ मिला है, जो आत्मविश्वासी, दृढ़निश्चयी और सौम्य विचारों वाले हैं। जब पति–पत्नी के बीच विचारों का संतुलन और समझ होती है, तो वह पूरे परिवार को स्थिर और मजबूत आधार प्रदान करता है। संयुक्त परिवार में रहते हुए मैंने यह सीखा है कि परिवार रूपी पौधे को कठोर नियमों से नहीं, बल्कि प्रेम, संवाद और सहिष्णुता से सींचने पर ही मधुर फल प्राप्त होते हैं।

आज के भौतिक युग में भावी पीढ़ी को सही दिशा देने का सबसे सशक्त माध्यम संयुक्त परिवार ही है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। संस्कारी और प्रतिभाशाली बच्चों के निर्माण में संयुक्त परिवार की भूमिका अमूल्य है।

A NEW FASHION WHICH MAKES
YOU LOOK SMART
SUNGLOW
GROUP
FANCY YARN
GREY FABRICS
FINISH FABRICS
LYCRA FABRICS
PROGRAM SALE
EXPORT SALE
SUNGLOW SUITING PVT. LTD.
G-172/F-256, IInd-IIIrd Phase, RIICO Industrial Area, Pur Road Bhilwara - 311 001 (Raj.)
For Trade Enquiries: +91 9351415275
E-mail: Sunglowsuitings@yahoo.com

संघर्ष से संकल्प, संकल्प से सफलता- मेरी उद्यम यात्रा

स्वयंसिद्धा
मानकंवर काबरा
डायरेक्टर-द्वारकेश आयुर्वेद प्रा. लि.
info@dwarkesh.co.in

मेरा जन्म राजस्थान के ब्यावर में हुआ, जहाँ मेरी प्रारम्भिक शिक्षा सम्पन्न हुई। बचपन से ही कुछ नया सीखने की इच्छा रही। इसी कारण वर्ष 1985–86 में मैंने सिलाई का डिप्लोमा कोर्स किया, जिसके लिए प्रतिदिन अजमेर जाना पड़ता था। इसके साथ ही मैंने अपनी स्नातक की पढ़ाई भी पूरी की। वर्ष 1990 में पारिवारिक कारणों से हम भीलवाड़ा आ गए, जहाँ मैंने स्नातकोत्तर (कॉमर्स) की शिक्षा प्राप्त की। मई 1992 में मेरा विवाह श्री रामप्रकाश काबरा के साथ हुआ और जीवन का नया अध्याय प्रारंभ हुआ।

विवाह के बाद मैंने एक ऐसे परिवार में प्रवेश किया, जहाँ कर्म ही जीवन का आधार था। मेरे ससुर स्वर्गीय श्री रामपाल जी काबरा, आयुर्वेद रत्न वैद्य थे, जो कुटीर उद्योग के रूप में आयुर्वेदिक दवाइयों और पाचक चूर्ण–गोलियों का निर्माण करते थे। इसी वातावरण में मैंने भी कार्य से जुड़ना प्रारंभ किया। शुरुआत में मैं पैकिंग में सहयोग करती थी, लेकिन धीरे–धीरे यह जिम्मेदारी का हिस्सा बन गया। मुझे इस बात पर पूरा विश्वास था कि 'हर शुरुआत छोटी होती है, लेकिन वही छोटे कदम आगे चलकर बड़ी पहचान बनाते हैं।'

जिम्मेदारी से आत्मविश्वास तक

वर्ष 1995 मेरे जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ रहा। ससुर जी के कार्यभार से निवृत्त होने के बाद व्यवसाय की जिम्मेदारी मुझ पर और मेरे पति पर आ गई। हमने विचार कर आयुर्वेदिक दवाइयों के स्थान पर केवल पाचक चूर्ण और गोलियों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया और शुद्ध मसालों से उत्पाद बनाने का संकल्प लिया। परिवार और व्यापार दोनों की जिम्मेदारी निभाना आसान नहीं था। पति को व्यापार के सिलसिले में अक्सर बाहर रहना पड़ता था, ऐसे में कार्यस्थल की देखरेख, पैकिंग और महिला श्रमिकों के साथ कार्य करना मेरी दिनचर्या बन गई। धीरे–धीरे यही अनुभव मेरे आत्मविश्वास का आधार बना। जब जिम्मेदारियाँ बढ़ती हैं, तब ही इंसान अपनी असली क्षमता को पहचानता है।

नवाचार से नई पहचान

वर्ष 2010 में हमने अपने उद्योग को RIICO ग्रोथ सेंटर, हमीरगढ़ में स्थानांतरित किया। इसी दौरान मुझे नए उत्पाद विकसित करने की जिम्मेदारी मिली। मैंने छाछ मसाला और पानी–पूरी मसाला तैयार किया, जिन्हें बाजार में अच्छी सराहना मिली। आज हमारे उद्योग में लगभग 150 महिला श्रमिक कार्यरत हैं। यह मेरे लिए गर्व का विषय है कि हमारा कार्य न केवल व्यवसाय को आगे बढ़ा रहा है, बल्कि महिलाओं को रोजगार भी प्रदान कर रहा है। वास्तव में सच्ची सफलता वही है, जो दूसरों के जीवन में भी उजाला लेकर आए।

मेहनत का परिणाम

वर्ष 1995 में जहाँ हमारी वार्षिक बिक्री 8 लाख रुपये थी, वहीं आज यह बढ़कर 25 करोड़ रुपये तक पहुँच चुकी है। 'डी.पी. द्वारकेश' ब्रांड आज पूरे भारत में अपनी पहचान बना चुका है। वर्ष 2019 में मुझे राजस्थान सरकार द्वारा लघु उद्योग श्रेणी में 'उद्योग रत्न अवार्ड' से सम्मानित किया गया, जो मेरे लिए गर्व का क्षण रहा।

सामाजिक जुड़ाव और मेरा विश्वास

व्यवसाय के साथ–साथ मैं सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रही हूँ। वर्तमान में मैं माहेश्वरी महिला संगठन में संयोजिका के रूप में कार्यरत हूँ और पूर्व में अध्यक्ष पद का दायित्व भी निभा चुकी हूँ। मेरा मानना है कि जीवन का असली अर्थ केवल आगे बढ़ना नहीं, बल्कि दूसरों को साथ लेकर आगे बढ़ना है।

मेरे जीवन का मूल मंत्र है

संघर्ष ही जीवन है। यदि हम हार न मानें और निरंतर प्रयास करते रहें, तो सफलता अवश्य मिलती है। धैर्य, परिश्रम और विश्वास–ये तीन शब्द ही हर सपने को साकार करने की असली कुंजी हैं।

TRUSTED BRAND 75 YEARS

Dwarkesh®

dp®

स्वाद में श्रेष्ठ क्वालिटी में बेस्ट

द्वारकेश

की चूर्ण गोलियाँ

Dwarkesh

Online Store:
www.dwarkeshayurved.com

PACKING AVAILABLE
POUCHES & DIBBI

Manufactured & Packed By:
DWARKESH PRODUCTS
@dpdwarkeshproducts

Factory - E 450-450A, RIICO Growth Centre
HAMIRGARH, DIST. BHILWARA-311025 (RAJ.)
Customer Care No.: +91-1482-317423
email:info@dwarkesh.co.in | www.dwarkesh.co.in

CHURAN GOLIYA | MUKHWAS | MOUTH FRESHNER | JALJEERA

हर समस्या एक अवसर भी है, बस दृष्टिकोण चाहिए

स्वयंसिद्धा
डॉ. प्रियंका मेहता
सह-संस्थापक एवं निदेशक
Zikku India Pvt. Ltd., Bhilwara
zikku.info@gmail.com

एक शिक्षिका से उद्यमी बनने तक का मेरा सफर किसी एक बड़े निर्णय का नहीं, बल्कि छोटे–छोटे साहसिक कदमों का परिणाम है।

मेरा जन्म मध्यप्रदेश के मंदसौर में हुआ, पर मेरी परवरिश अलग–अलग शहरों में हुई और अंततः भीलवाड़ा ने मुझे मेरी पूरी पहचान दी। कंप्यूटर साइंस में Ph.D. करने के बाद लगभग एक दशक तक मैंने शिक्षा के क्षेत्र में कार्य किया, लेकिन जीवन ने मेरे लिए एक अलग ही दिशा तय कर रखी थी – एक ऐसी दिशा, जहाँ उद्देश्य केवल करियर नहीं, बल्कि प्रभाव बनाना था।

जीवन में कुछ बदलाव ऐसे होते हैं जो हमें भीतर तक बदल देते हैं–मेरे लिए वह बदलाव माँ बनना था, जिसने एक नई सोच को जन्म दिया। जब मैं और मेरे पति अपूर्व पहली बार माता–पिता बने, हमारी पूरी दुनिया मानो बदल–सी गई। निश्चिंत और बेफिक्र जीवन अचानक जिम्मेदारियों से भर गया। हर छोटी–सी बात पर हम सजग हो गए – क्या यह हमारे बच्चे के लिए सर्वोत्तम है? बाजार विकल्पों से भरा था, लेकिन विश्वास की कमी थी। कोई ऐसा भरोसेमंद स्थान नहीं था, जहाँ माँ और शिशु की सभी आवश्यकताएँ एक ही जगह सहजता से पूरी हो सकें। तभी एहसास हुआ – समस्या ही सबसे बड़ा अवसर होती है।

तभी एक विचार ने जन्म लिया–क्यों न एक ऐसा ब्रांड बनाया जाए, जो हर नए माता–पिता के लिए भरोसेमंद हो, जहाँ माँ और बच्चे की सभी ज़रूरतें एक ही जगह पर मिल सकें। एक ऐसा प्लेटफॉर्म, जो सुरक्षित, किफायती और पर्यावरण के अनुकूल हो। हम दोनों ने मिलकर अपने विचार को एक वास्तविक पहचान देने का साहस किया। हमें एहसास हुआ कि समस्या हमारे सामने ही है, बस हमें उसका समाधान बनना है।

इसी सोच के साथ वर्ष 2015 में Associated Health Care (AHC) की नींव रखी गई, जहाँ से माँ और शिशु देखभाल की दिशा में हमारे प्रयासों की शुरुआत हुई। हर दिन एक नई चुनौती थी– कभी संसाधनों की कमी, कभी सही दिशा की तलाश, और कभी खुद पर संदेह। लेकिन हर गलती ने हमें सिखाया, हर अनुभव ने हमें मजबूत बनाया। धीरे–धीरे हमने अपने काम को समझा, प्रक्रियाओं को बेहतर किया और अपने लक्ष्य की दिशा को स्पष्ट किया। समय के साथ यह प्रयास आगे बढ़ता गया, लेकिन असली पहचान तब बनी, जब इसी सोच को हमने एक नए युग के उद्यम 'Zikku' के रूप में विस्तार दिया।

Zikku हमारे लिए सिर्फ एक ब्रांड नहीं, बल्कि एक भावना है–एक ऐसा भरोसा, जो हर नए माता–पिता के मन की चिंता को समझता है। हमने इसे एक 'वन–स्टॉप समाधान' के रूप में विकसित किया है, जहाँ गर्भावस्था से लेकर नवजात शिशु की देखभाल तक की हर आवश्यकता को ध्यान में रखा गया है। हमारा प्रयास हमेशा ऐसे उत्पाद देने का रहा है, जो सुरक्षित, त्वचा के अनुकूल और किफायती हों। हमारी सोच केवल आज तक सीमित नहीं है, बल्कि हमने 'सस्टेनेबिलिटी' और 'रीयूज़ेबिलिटी' को अपनी नींव बनाया है, ताकि उत्पाद बार–बार उपयोग में आ सकें।

आज Zikku एक उभरता हुआ ई–कॉमर्स ब्रांड है, जो FirstCry, Amazon, Myntra, Meesho और हमारी अपनी वेबसाइट www.zikku.in के माध्यम से पूरे भारत में लाखों माता–पिता तक पहुँच रहा है। हर ऑर्डर हमारे लिए सिर्फ एक बिक्री नहीं, बल्कि एक परिवार का विश्वास है–एक ऐसा विश्वास, जिसे हम हर दिन और मजबूत बनाने का प्रयास करते हैं। मैं हर युवा उद्यमी से यही कहना चाहती हूँ–अगर आपको किसी चीज़ में कमी नज़र आती है, तो केवल शिकायत न करें, बल्कि स्वयं उसका समाधान बनाने का साहस करें। उपभोक्ता बनने से आगे बढ़िए, निर्माता बनिए, क्योंकि असली पहचान वही बनाता है, जो समस्या को अवसर में बदल देता है।

ZIKKU
Redefining Baby & Mother Care
Built by a Mother.
Trusted by Mothers.
At ZIKKU, we believe motherhood deserves comfort, care, and confidence
Founded with a vision to deliver premium, safe, and innovative care solutions for both mothers and babies, built on trust, superior quality, and a deep understanding of modern parenting needs
Why ZIKKU ?
Designed for real parenting needs
Safe, gentle & baby friendly materials
Trusted by thousands of Indian moms
Available across leading marketplaces
Blending comfort with care
Contact for
Retail & Distribution
+91 90791 26930
NURSING PADS
BABY ESSENTIALS
BABY HEALTH & SAFETY ESSENTIALS
KIDS FASHION & TRAVEL ACCESSORIES
TOYS & LEARNING
MATERNITY CARE
Because Every Mother Deserves Better Care
www.zikku.in
@ZIKKU.INDIA
@zikkuindia
amazon
meesho

घर के स्वाद की खोज ने बनाया सफल उद्यमी

स्वयंसिद्धा
डॉ. नेहा सब्बरवाल
सह-संस्थापक, Masala Potli Inc.
masalapotliinc@gmail.com

मैं, शिक्षाविदों के परिवार में जन्मी हूँ। बचपन से ही शिक्षा, अनुशासन और मेहनत मेरे जीवन के मूल आधार रहे हैं। एकल संतान होने के कारण मुझे अपने सपनों को साकार करने की निरंतर प्रेरणा मिली। आज मैं विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हूँ, लेकिन मेरी यात्रा यहीं तक सीमित नहीं रही।

विवाह के बाद, जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। इसी दौरान, कोविड–19 लॉकडाउन ने जैसे सब कुछ थाम दिया। उस ठहराव के बीच एक गहरी भावना उभरी – घर से दूर रहने वाले लोग घर के खाने और अपनों के स्वाद को बेहद याद कर रहे थे। वहीं, कई लोग समय के अभाव में घर जैसा भोजन तैयार नहीं कर पा रहे थे।

हालाँकि, लोगों तक स्वाद पहुँचाने की हमारी सोच बिल्कुल नई नहीं थी। मसाला पोटली की शुरुआत से पहले, हम 'The Ora Café' के माध्यम से स्थानीय लोगों को अपने उत्पाद और स्वाद उपलब्ध करा रहे थे। यहीं से हमें यह समझ आया कि घर जैसा स्वाद लोगों के लिए केवल भोजन नहीं, बल्कि एक भावना है।

इसी अनुभव को मैंने अपने दोस्तों और करीबियों के साथ साझा किया। बातचीत के दौरान एक विचार आकार लेने लगा कि क्यों न घर के स्वाद को लोगों तक पहुँचाया जाए? इसी सोच और सामूहिक विश्वास के साथ 'मसाला पोटली' की परिकल्पना साकार हुई। पहले–पहल हमने अचार और प्री–मिक्स उत्पादों से शुरुआत की – ऐसे उत्पाद, जो व्यस्त जीवन में भी घर जैसा स्वाद बनाए रखने में मदद करें। धीरे–धीरे, ग्राहकों के विश्वास और प्रेम ने हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। आज हम चटनियाँ, हर्ब्स, सीज़निंग्स और मुखवास जैसे विविध उत्पाद भी तैयार कर रहे हैं।

यह यात्रा आसान नहीं थी। शुरुआती दौर में हमें स्थापित ब्रांड्स के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। महामारी के अनिश्चित माहौल में बड़े निवेश का जोखिम लेना संभव नहीं था, इसलिए सीमित संसाधनों के साथ हर निर्णय सोच–समझकर लेना पड़ा। माल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती थी, और उस समय सप्लाई चेन भी सुचारु रूप से कार्य नहीं कर रही थी। इसके बावजूद, गुणवत्ता बनाए रखना हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता रहा। साथ ही, सरकारी नियमों और प्रक्रियाओं को समझना और उनका पालन करना भी एक निरंतर सीखने की प्रक्रिया रही। इन सभी चुनौतियों के बीच हमने अपने मूल्यों से कभी समझौता नहीं किया।

हम कमाना चाहते थे, लेकिन गुणवत्ता की कीमत पर नहीं। हमारा मूल मंत्र हमेशा स्पष्ट रहा – 'ऐसा स्वाद देना, जो घर के स्वाद के सबसे करीब हो।' मसाला पोटली केवल एक ब्रांड नहीं, बल्कि एक भावना है – घर की खुशबू और अपनापन।

हमारा हर उत्पाद इस भावना को जीवित रखने का प्रयास है, ताकि दुनिया के किसी भी कोने में रहने वाला व्यक्ति अपने घर का अनुभव कर सके।

इसके साथ ही, हम महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देते हैं। हमारे साथ जुड़ी कई महिलाएँ आज आत्मनिर्भर बन रही हैं और अपनी पहचान स्थापित कर रही हैं। आज, कुछ ही वर्षों में, मसाला पोटली ने न केवल भारत में अपनी पहचान बनाई है, बल्कि हम अपने उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी निर्यात कर रहे हैं।

यह यात्रा हमें सिखाती है कि जब उद्देश्य सच्चा हो और इरादे मजबूत हों, तो हर चुनौती एक नई संभावना में बदल जाती है।

MASALA POTLI
AUTHENTIC HOMEMADE PICKLES
Daadi Naani ke haath ka swaad, ab har ghar tak.
PUNJABI
MANGO
Why Masala Potli?
Homemade Taste
No Preservatives
Traditional Recipes
Handmade
Explore Our Range
Pickles
Seasoning Powder
Digestive Mukhwas
Dry Herbs
Instant Chutney
Contact for Retail & Distribution: +91 823 3800 823
@MasalaPotli
@masalapotliinc
@MasalaPotliOfficial
Available On:
amazon
meesho
JioMart
Flipkart
www.MasalaPotli.in

संकल्प से सृजन तक – मेरी पहचान की यात्रा

स्वयंसिद्धा
रीना डाड
डायरेक्टर डीपीएस स्कूल, भीलवाड़ा
reenasanjaydad@gmail.com

नारी यदि ठान ले, तो वह अपने सतत प्रयासों से स्वयं अपनी पहचान गढ़ सकती है-मेरी जीवन यात्रा भी इसी विश्वास को दर्शाती है। मेरा जीवन इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ निश्चय और सकारात्मक सोच से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता।

मेरा जन्म नागौर जिले के मकराना में हुआ जबकि मेरे व्यक्तित्व का विकास उदयपुर के विद्या निकेतन विद्यालय में हुआ, जहाँ मेरे पिता श्री हरिश्चंद्र जी महेश्वरी कार्यरत थे। बचपन से ही मैं मेधावी और जिज्ञासु रही हूँ, जिसके कारण मैंने प्रत्येक कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में मेरिट सूची में स्थान अर्जित करना मेरे लिए गर्व का विषय रहा। विद्यालय जीवन में मैंने जिला एवं प्रदेश स्तरीय वाद–विवाद और निबंध प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी अभिव्यक्ति को सशक्त बनाया और अनेक सम्मान प्राप्त किए।

मेरे व्यक्तित्व की आधारशिला एक सशक्त पारिवारिक और वैचारिक वातावरण रहा। परिवार के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े होने के कारण मुझे बचपन से ही वेद–पुराण, संस्कृत श्लोक और भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ने का अवसर मिला, जिससे मेरे भीतर अध्ययन और चिंतन के प्रति विशेष रुचि विकसित हुई। यही संस्कार आगे चलकर मेरी पहचान बने और मुझे समाज से जोड़े रखा।

जोधपुर विश्वविद्यालय से गोल्ड मेडल प्राप्त करने के पश्चात मेरा विवाह भीलवाड़ा के उद्यमी एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री संजय डाड के साथ हुआ। विवाहोपरांत पारिवारिक उत्तरदायित्व बढ़े, किंतु मैंने अपनी सृजनशीलता को बनाए रखा। परिवार को स्नेहपूर्वक संजोते हुए मैंने सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभाई और संतुलन के साथ अपनी जिम्मेदारियाँ निभाईं।

मेरे मन में सदैव यह विचार रहा कि ज्ञान और परंपरा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर हर व्यक्ति तक पहुँचे। इसी उद्देश्य से मैंने अपने यूट्यूब चैनल 'Reena Dad' के माध्यम से तीज–त्योहारों की कथाओं को सरल रूप में प्रस्तुत करना प्रारंभ किया, जिसे देश–विदेश में सराहना मिली। यह मेरे लिए एक ऐसा माध्यम बना, जिससे मैं अपनी संस्कृति को लोगों तक पहुँचा सकी।

कोरोना काल में, जब दीपावली पूजन के लिए पंडित उपलब्ध नहीं थे, तब मैंने लक्ष्मी पूजन विधि को सरल वीडियो के माध्यम से प्रस्तुत किया, जिससे अनेक परिवारों को लाभ हुआ। इसी क्रम में मैंने श्रीमद्भगवद्गीता के 18 अध्यायों को सरल भाषा में इस प्रकार प्रस्तुत किया कि कोई भी व्यक्ति श्रवण के माध्यम से उसे समझ सके। साथ ही रामचरितमानस और अन्य धार्मिक विषयों को भी सहज रूप में प्रस्तुत किया।

वर्ष 2019 में डीपीएस विद्यालय के संचालन के साथ मैंने निदेशक के रूप में जिम्मेदारी संभाली। यहाँ मैंने शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखते हुए उसे जीवन से जोड़ने का प्रयास किया। विद्यालय में मैं ऐसे कार्यक्रमों का संचालन करवाती हूँ जो विद्यार्थियों के समग्र विकास को दिशा देते हैं। "गीता–जीवन जीने की कला" विषय पर आयोजित कार्यक्रम मेरी इसी सोच का उदाहरण है।

मेरा जीवन हर उस नारी के लिए एक संदेश है, जो सीमित दायरे में रहते हुए भी समाज और संस्कृति को नई दिशा देना चाहती है। मैं मानती हूँ कि नारी अपने संकल्प और आत्मविश्वास से अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकती है। सपनों को साकार करने के लिए केवल अवसर नहीं, साहस और निरंतर प्रयास चाहिए; और जब नारी अपने आत्मविश्वास को पहचान लेती है, तो वह अपने संकल्पों से अपनी कहानी स्वयं लिखती है।

स्वयंसिद्धा रीना डाड - डायरेक्टर डीपीएस स्कूल भीलवाड़ा

डायरेक्टर कैल्विनटेक्स वियर्स लिमिटेड

सामाजिक एवं संगठनात्मक दायित्व

- पूर्व सचिव, नगर माहेश्वरी महिला संस्थान
- अध्यक्ष, श्री महेश बचत एवं साख समिति
- उपाध्यक्ष, नगर माहेश्वरी महिला संस्थान
- कार्यकारिणी सदस्य, जिला एवं प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन
- सक्रिय सदस्य, लघु उद्योग भारती, भीलवाड़ा इकाई
- कार्यकारिणी सदस्य, सारथी गोल्ड एनजीओ

राष्ट्रीय एवं प्रतिष्ठित सम्मान

- हिंदी प्रचार-प्रसार समिति द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित
- गीता सर्वधर्म उपदेश समिति द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित
- राजस्थान पत्रिका एवं प्रशासन द्वारा, तत्कालीन कलेक्टर श्री आशीष मोदी के करकमलों से "समाज रत्न पुरस्कार" से सम्मानित

शैक्षणिक एवं प्रतियोगी उपलब्धियाँ

- 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षाओं में मेरिट सूची में स्थान
- विश्वविद्यालय स्तर पर गोल्ड मेडलिस्ट
- निबंध, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में जिला-प्रदेश स्तरीय पुरस्कार
- नगर माहेश्वरी महिला संस्थान की प्रतियोगिताओं में निरंतर विजेता
- श्रीमती गणगौर एवं मिसेज लहरिया पुरस्कार से सम्मानित

सांस्कृतिक एवं सामाजिक प्रतियोगिताएँ

- वेव्स क्लब द्वारा करवा चौथ एवं अन्य प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत
- भारत विकास परिषद द्वारा "सत्तू सजाओ" प्रतियोगिता में सम्मानित
- विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु अनेक पुरस्कार प्राप्त

प्रकाशन एवं विशेष उल्लेख

- वर्ष 2015 में प्रतिष्ठित पत्रिका "माहेश्वरी जगत" के कवर पेज एवं आंतरिक आलेख में जीवन एवं उपलब्धियों का प्रकाशन
- माहेश्वरी टाइम्स राष्ट्रीय पुस्तिका में उपलब्धियों, राष्ट्रीय सम्मानों एवं गीता के 18 अध्यायों के यूट्यूब प्रसारण पर विशेष आलेख प्रकाशित

निर्णायक (Judge) के रूप में योगदान

- समय-समय पर विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका निभाई

DPS BHILWARA

Discipline, Dedication, Determination

A CBSE Affiliated School : 1731179

Fully Air - Conditioned Classrooms
Fully air-conditioned classrooms in both wings ensuring comfortable and focused learning environment.

Social Skills & Personality Development
Social skills and personality development programs for confident students.

Balanced Focus On Academics & Activities
Balanced focus on academics and activities for overall student growth and holistic development.

Low Teacher - Student Ratio
Low teacher-student ratio ensuring personalized attention and better learning outcomes.

dpsbhilwara@gmail.com 80582-78222, 80941-78222

Junior Wing Address - 8-H-2,3,10,11 R. C. Vyas, Behind Rajiv Gandhi Auditorium, opp. Devriya Balaji Temple, Bhilwara-311001(Raj.)

Senior Wing Address - Indrapura Road, Opposite Devnarayan Avasiya Vidyalaya, Palri, Bhilwara-311001(Raj.)

घर को सजाने और संवारने का शौक बना सफल उद्यम

स्वयंसिद्धा
रीता गोयल
MD, Goyal Furnishings
goyalrita18@gmail.com

मेरी जीवन–यात्रा वर्ष 1970 में छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के एक छोटे से गाँव कांसाबेल से शुरू हुई। एक साधारण परिवेश में पली–बढ़ी होने के कारण धैर्य और सरलता मेरे स्वभाव का हिस्सा बन गए। मैट्रिकुलेशन तक शिक्षा पूरी करने के बाद, वर्ष 1989 में मेरा विवाह झारखंड के रामगढ़ कैंट के श्री अशोक गोयल के साथ हुआ और हमें पुत्र व पुत्री के रूप में संतान सुख प्राप्त हुआ। वर्ष 1995 में हमारा परिवार राजस्थान की 'टेक्सटाइल सिटी' भीलवाड़ा पहुँचा, जो मेरी कर्मस्थली बना।

यद्यपि मैंने गृहणी के रूप में जीवन शुरू किया, लेकिन मन में सदैव कुछ विशिष्ट करने की हसरत रही। अपनी रचनात्मक अभिरुचियों, जैसे आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स, कुकिंग, पेंटिंग से प्रेरित होकर मैंने गिफ्ट पैकिंग और डेकोरेशन का व्यवसाय शुरू किया जिसने मुझे आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाने का साहस दिया। इस दौरान मैं सामाजिक रूप से भी सक्रिय रही और विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़कर महिला प्रमुख जैसे दायित्व निभाए, जिससे मुझमें नेतृत्व और जन–संपर्क का कौशल विकसित हुआ।

वर्ष 2018 में मेरे व्यावसायिक जीवन ने निर्णायक मोड़ लिया, जब देवर के सुझाव पर मैंने घर से बेडशीट बेचने का विचार किया। मैं अपने परिवार की पहली महिला उद्यमी बनने जा रही थी। मात्र 70 बेडशीट के साथ मैंने 'Goyal Furnishings' की नींव रखी। पहले ही दिन शाम तक पूरा स्टॉक बिक जाना मेरे लिए संकेत था कि यदि इरादे नेक हों और उत्पाद में दम हो, तो सफलता की राह स्वयं बनती हैं।

वर्ष 2019 मेरे लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, जब एक ग्राहक ने मुझ पर विश्वास जताते हुए 5 लाख रुपये का एक बड़ा ऑर्डर दिया। उस भरोसे ने मुझे सिखाया कि 'उत्कृष्टता और उचित मूल्य' से ग्राहक का विश्वास अर्जित करना कठिन नहीं है। इसके बाद मैंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपनी प्रतिबद्धता को अपनी पहचान बनाया। स्थानीय प्रदर्शनियों में मिले उत्साहजनक प्रतिसाद के बाद अन्य शहरों से भी प्रदर्शनियों के निमंत्रण मिलने लगे।

हालाँकि, यह सफर जितना प्रेरणादायक था, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। एक सहज गृहणी से उद्यमी बनने की यात्रा में सीमित संसाधन, कड़ी प्रतिस्पर्धा और सामाजिक धारणाएँ कई बार बाधा बनीं। लेकिन मेरे पति का अटूट स्नेह, निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन मेरी सबसे बड़ी शक्ति बने। उनके मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग ने मुझे हर कठिन परिस्थिति में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

आज 'Goyal Furnishings' भीलवाड़ा के होम फर्निशिंग्स मार्केट में एक प्रतिष्ठित और भरोसेमंद नाम बन चुका है और ईमानदारी और गुणवत्ता का पर्याय माना जाता है। वर्ष 2025 में 'कल्याणी फाउंडेशन, भीलवाड़ा' द्वारा व्यवसाय के क्षेत्र में 'Excellence in Business' अवार्ड से सम्मानित किया जाना मेरे लिए अत्यंत गौरव का क्षण रहा। यह पुरस्कार मेरी सफलता, परिश्रम और विश्वास का प्रतीक है।

मैं सभी महिलाओं से कहना चाहती हूँ कि **आत्मबल आपकी सबसे बड़ी पूंजी है। मेहनत की सुई और लगन के धागे से आप अपनी सफलता की चादर स्वयं बुन सकती हैं। इस सफ़र ने मुझे सिखाया है कि मन में दृढ़ संकल्प और चेहरे पर मुस्कान से हर बाधा अवसर में बदल जाती है।** मेरा जीवन दर्शन इन पंक्तियों में समाहित है–

हंसना और मुस्कुराना सीख,
गुस्सा ज़रा दबाना सीख।
तूफानों से डरना क्या,
आगे कदम बढ़ाना सीख।

GOYAL
FURNISHINGS
.... संबंध भरोसे का
Goyal Furnishings is a destination for stylish, high-quality home furnishings and linens. We blend elegance with comfort, offering an extensive collection to transform your home and add a touch of sophistication.
Here's a glimpse of what we offer:
Bedsheets & Bedcovers
Comforters, Dohars & Topsheets
Baby Blankets & Mats
Table Covers & Table Mats
Doormats, Runners & Carpets
Towels & Napkins
Woollen & Summer Stoles
Hankies & Bonjour Socks
CONTACT : - RITA GOYAL
+91 87641 15076
2-I-2, R.C. VYAS COLONY
NEAR SHIVAJI PARK, BHILWARA

धागों से बुनी पहचान – आत्मविश्वास और संघर्ष की कहानी

स्वयंसिद्धा
शोभा चोखड़ा डाड
संस्थापक- Shobha's Trendzz
shobhachokhda11@gmil.com

मैं भीलवाड़ा, राजस्थान से हूँ। मेरे माता–पिता श्री सत्यनारायण जी और सीता देवी चोखड़ा हैं। मेरा शुरुआती जीवन एक अच्छे और समृद्ध परिवार में बीता, जहाँ मुझे हर सुविधा और सकारात्मक माहौल मिला। बचपन से ही मुझे क्रिएटिव कामों में विशेष रुचि थी, जो आगे चलकर मेरे जीवन की दिशा बनी।

साल 2006 में मेरी शादी गौरव डाड से हुई और 2007 में मैंने सिलाई सीखना शुरू किया। 2008 तक मैंने लेडीज़ ब्लाउज़ सिलना शुरू कर दिया। लोगों को मेरी फिटिंग और डिज़ाइन पसंद आने लगे, जिससे मुझे लहंगे के ऑर्डर भी मिलने लगे और धीरे–धीरे मेरा काम बढ़ता गया। जब काम बढ़ा, तो मेरी सासू माँ ने मेरा पूरा साथ दिया। मैं कटिंग करती, तो वे सिलाई में सहयोग कर देती।

एक दिन एक कस्टमर ने मुझसे डिज़ाइनर साड़ी बनाने को कहा और वहीं से मैंने साड़ियाँ डिज़ाइन करना शुरू किया। उस समय भीलवाड़ा में बुटीक का ज्यादा चलन नहीं था। मेरे पति का मेरे काम में सीधा सहयोग नहीं रहा, लेकिन उन्होंने कभी मुझे रोका भी नहीं। मैंने सब कुछ अपने दम पर शुरू किया।

अच्छा रिस्पॉन्स मिलने के बाद मैं अपने 9 महीने के बेटे और सासू माँ के साथ मुंबई गई और वहाँ से यूनिक फैब्रिक और लेस लाना शुरू किया, जो यहाँ आसानी से नहीं मिलते थे। यही मेरी पहचान बन गई। शुरुआत में मेरा बुटीक एक छोटे एरिया में था, जहाँ पार्किंग की सुविधा नहीं थी। कस्टमर्स खुद आने के बजाय स्टाफ भेजते थे। तब मैंने कॉलोनी में शिफ्ट होने का फैसला लिया। यह आसान नहीं था, क्योंकि परिवार का पूरा सपोर्ट नहीं था, लेकिन मैंने हिम्मत नहीं छोड़ी।

मैंने घर, बेटा और बुटीक – तीनों जिम्मेदारियों को साथ संभाला। मैंने अपनी पहली एग्जीबिशन की, जहाँ से मुझे प्रीमियम कस्टमर्स मिले। आगे बढ़ने के लिए मैं मुंबई गई और वहाँ Zarapkar से वेस्टर्न स्टिचिंग सीखी।

उस समय मेरा बेटा छोटा था, उसे छोड़कर जाना कठिन था, लेकिन इस अनुभव ने मुझे आत्मविश्वास दिया। फिर कोरोना का समय आया, जो मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रहा। उस समय मेरे पति ने काम बंद करने को कहा, लेकिन दोस्त मनोज ने मुझे हिम्मत दी और एक सीख दी कि कभी भी किसी से पैसे लेकर काम मत करना।

धीरे–धीरे हालात सुधरे और मेरा बुटीक फिर से अच्छे से चलने लगा। मैंने हर काम इन–हाउस करना शुरू किया और मुझे शहर, राज्य और विदेशों से भी ऑर्डर मिलने लगे। 2023 में मेरे बेटे की ज़िद पर मैंने एक पेट डॉग लिया, जिसका नाम Bruno है। वह मेरे लिए भगवान का गिफ्ट है और उसकी मौजूदगी मुझे सुकून देती है। फिर अदिति मेरे साथ जुड़ी। हमारी सोच अलग होने के बावजूद हमने साथ में अच्छा काम किया। मनोज और अदिति दोनों मेरे लिए मजबूत सपोर्ट बने। इस सफर में कुछ ऐसे लोग भी मिले; जिन्होंने गलत फायदा उठाने की कोशिश की, लेकिन इन अनुभवों ने मुझे सिखाया कि बिज़नेस में समझदारी बहुत जरूरी है।

लघु उद्योग भारती से जुड़ने के बाद मुझे एक सकारात्मक मंच मिला। मेरे जीवन का एक खास पल गिरिराज जी की परिक्रमा का अनुभव रहा, जिसने मुझे नई ऊर्जा दी। मेरे भाई–बहन का भी मेरे जीवन में पूरा योगदान रहा है। मेरा सपना है कि मेरे बुटीक में केवल महिलाएँ काम करें, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

खुद पर विश्वास रखें और अपने लक्ष्य से कभी पीछे न हटें, यही मेरी जीवन–यात्रा का सार है।

॥ जय गिरिराज धरण की ॥

Shobha's Trendzz

Where Tradition Meets Design

shobhatrendzz

Handcrafted | Hand Painted | Premium Fabrics | Bandhani

- ✓ Custom Design Men, Women & Kids Outfits
- ✓ Handcrafted With Love
- ✓ Exclusive Couture Collections
- ✓ Perfect Fit Styling

SHOBHA CHOKHDA

+91 9829379971

Shobha's Trendz | 1st Floor | Manvi Tower | in front of Manav Seva Santhan | near Love Garden | R. C. Vyas | Bhilwara (Raj.) - 311001

रूहकला – एक सोच, एक सफर

स्वयंसिद्धा
आष्का सोनी
संस्थापक, रूहकला – द एथनिक स्टूडियो
store.ruhkala@gmail.com

मेरा जन्म और पालन–पोषण पुणे, महाराष्ट्र में हुआ, जहाँ मैंने इंजीनियरिंग में स्नातक किया। इसके बाद मैंने लगभग छह वर्षों तक कॉर्पोरेट क्षेत्र में कार्य किया। मेरी अंतिम भूमिका नई दिल्ली में आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के साथ राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में कंसल्टेंट के रूप में रही।

भारत दुनिया के 95% से अधिक हैंडलूम उत्पाद बनाता है, लेकिन समर्थन के अभाव में कई पारंपरिक शिल्प धीरे–धीरे समाप्त हो रहे हैं। यह क्षेत्र ग्रामीण भारत में कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार देता है। इन्हीं शिल्पों को संरक्षित रखने और कारीगरों की आजीविका बढ़ाने के उद्देश्य से मैंने रूहकला की शुरुआत की।

शुरुआत आसान नहीं थी–अनुभव की कमी के कारण 2020 में मुझे रूहकला को बंद करना पड़ा। उस समय यह मेरे लिए एक कठिन निर्णय था, लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैंने यह सीखा कि लोग अपनी असफलता से नहीं, बल्कि अपने दोबारा खड़े होने से पहचाने जाते हैं।

इसके बाद मैंने मास्टर्स के लिए प्रवेश परीक्षा की तैयारी की और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस (TISS), मुंबई के प्रतिष्ठित सोशल वर्क प्रोग्राम में मेरा चयन हुआ। इसी दौरान मैं माँ भी बनी। माँ बनना जीवन को खूबसूरती से बदलता है, लेकिन इसके साथ नई जिम्मेदारियाँ और चुनौतियाँ भी आती हैं। इन्हीं जिम्मेदारियों के बीच रूहकला का विचार मेरे भीतर फिर से जागा और मैंने इसे दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया। जब मैंने जीएसटी के लिए आवेदन किया, तो एक अधिकारी ने मुझसे पूछा, "क्या आप सच में बिज़नेस करना चाहती हैं?" यह सुनकर मुझे ठेस पहुँची, लेकिन उसी क्षण मैंने ठान लिया कि मुझे न केवल खुद के लिए, बल्कि हर उस महिला के लिए आगे बढ़ना है, जिसे कभी कम आंका गया हो।

जब मेरी बेटी केवल चार महीने की थी, तब मैंने अपना पहला एग्ज़िबिशन किया। यह एग्ज़िबिशन बेहद सफल रहा और उसी पल से मेरा आत्मविश्वास लौट आया। इसके बाद मैंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

आज रूहकला 50 से अधिक प्रदर्शनियों में भाग ले चुका है, 10 से अधिक जिलों के कारीगरों से जुड़कर अनेक लोगों को रोजगार दे रहा है और 1000 से अधिक संतुष्ट ग्राहकों तक अपनी पहुँच बना चुका है। वर्ष 2025 में अपनी वेबसाइट के साथ यह पूरे भारत में विस्तार कर चुका है। एक महिला के रूप में, मैंने अपने इस सफर में कई सामाजिक धारणाओं को चुनौती दी है। एक साथ पूर्णकालिक उद्यमी, माँ और छात्रा होना आसान नहीं था, लेकिन मैंने हर भूमिका को पूरी निष्ठा के साथ निभाया। मेरे परिवार, विशेषकर मेरे पति और सास का सहयोग मेरी सबसे बड़ी ताकत रहा है।

आज भी महिलाओं से पूछा जाता है, "जब पति कमा रहे हैं, तो काम करने की क्या ज़रूरत है?" मेरा मानना है कि हर महिला को अपनी पहचान खुद बनाने का अधिकार है।

रूहकला मेरे लिए केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि भारतीय कला और कारीगरों को सम्मान दिलाने और महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देने का एक प्रयास है। क्योंकि बदलाव हमेशा बड़े कदमों से नहीं आता, कभी–कभी वह एक महिला के दोबारा खड़े होने से शुरू होता है।

मैं सभी महिलाओं से कहना चाहती हूँ कि बिना संकोच के आगे आएं और अपने सपनों को साकार करें। मैं देश की पहली आईपीएस किरण बेदी जी के एक कथन को उद्धृत करना चाहूंगी–

"साहस का मतलब डर का ना होना नहीं, बल्कि डर के बावजूद आगे बढ़ना है।"

RuhKala

The Ethnic Studio

Handcrafted Sarees for the Modern, Conscious Women !!

-: हमारी विशेषताएँ :-

-: फेब्रिक्स :-

लिनेन | कॉटन | मलमल | खादी | टसर | चन्देरी | महेश्वरी | कोटा डोरिया | बनारसी |

-: क्राफ्ट :-

अजरख | बगरू | दाबू | बंधेज | हैण्ड पेंटिंग | हैंण्ड ब्लॉक | एप्लीक | लहरिया | शिबोरी | मधुबनी |

Aashka Soni

Founder

+91 76270 10608
+91 90330 77723

www.ruhkala.in

"भारत के कारीगरों का हुनर
अब बढ़ाए आपके जीवन का स्तर"

Follow us on:

B-17, Kamla Vihar, Chittor Road, Bhilwara, RJ - 311001

छोटी शुरुआत से बड़ी पहचान – आत्मविश्वास और संकल्प की कहानी

स्वयंसिद्धा
आशा सोमानी
सोमानी बेवरेज
(Pure & Safe Drinking Water)
ashasomani0328@gmail.com

आज के समय में महिलाएँ केवल घर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अपने साहस और मेहनत से हर क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं। मैं भी उन्हीं महिलाओं में से एक हूँ, जिसने अपने आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय से अपनी अलग पहचान बनाई है।

विवाह के बाद भी मैंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और B.A. के बाद M.A. की डिग्री भी हासिल की। बचपन से ही मेरा स्वभाव सरल रहा है, मन से साफ हूँ, लेकिन अंदर से बेहद मजबूत और आत्मविश्वासी रही हूँ। यही गुण मेरे व्यक्तित्व की सबसे बड़ी ताकत बने।

21 वर्ष की उम्र में विवाह के बाद मैंने अपने नए जीवन की शुरुआत की। एक गृहिणी के रूप में मैंने अपनी जिम्मेदारियाँ पूरी निष्ठा से निभाईं, लेकिन मेरे अंदर कुछ नया करने का जज़्बा हमेशा जीवित रहा। अपने पति के सहयोग और विश्वास के साथ मैंने पानी सप्लाई के छोटे से व्यवसाय में कदम रखा। शुरुआत भले ही छोटी थी, लेकिन मेरी मेहनत, समझदारी और निरंतर प्रयासों ने " Somani Water Suppliers" को धीरे–धीरे एक स्थापित व्यवसाय बना दिया। आज मेरा व्यवसाय "सोमानी बेवरेज (Pure & Safe Drinking Water)" के रूप में पानी के कैंपर, बोतल और जार सप्लाई में एक मजबूत पहचान बना चुका है। मैं अपनी मेहनत से इसे निरंतर आगे बढ़ा रही हूँ। मैं जिद्दी हूँ, यानी जो भी मैं ठान लेती हूँ, तो फिर उसे करके ही दिखाती हूँ। और ये ही हमारी संकल्प शक्ति भी है। यही सोच मुझे हर दिन आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। मेरे पति का हर कदम पर साथ और विश्वास मेरी सबसे बड़ी ताकत रहा है।

मैं "लघु उद्योग भारती" जैसे महिला समूह से जुड़कर अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देने का प्रयास करती हूँ। मेरी यह उद्यम यात्रा यही सिखाती है कि एक महिला अगर ठान ले, तो वह अपनी पहचान खुद बना सकती है – यही है सच्ची 'नारी शक्ति'

नारी सुरक्षा – समाज की जिम्मेदारी

जहाँ एक ओर हम महिलाएँ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, वहीं हमारी सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। नारी सुरक्षा केवल एक मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। आज भी कई जगहों पर महिलाएँ असुरक्षित महसूस करती हैं, चाहे वह घर हो, कार्यस्थल हो या सार्वजनिक स्थान। यह स्थिति बदलना बेहद आवश्यक है। महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देना, उन्हें सम्मान देना और उनके अधिकारों की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है।

सरकार द्वारा कई कानून और योजनाएँ बनाई गई हैं, लेकिन केवल कानून काफी नहीं हैं। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक वास्तविक सुरक्षा संभव नहीं है। हमें बचपन से ही बेटों और बेटियों को समानता, सम्मान और मर्यादा का पाठ पढ़ाना होगा। महिलाओं को भी आत्मनिर्भर और जागरूक बनने की आवश्यकता है, ताकि वे अपने अधिकारों को पहचान सकें और अपने लिए आवाज उठा सकें।

एक सुरक्षित महिला ही एक मजबूत समाज का निर्माण करती है। जब नारी सुरक्षित होगी, तभी वह अपने सपनों को बिना डर के पूरा कर पाएगी। नारी का सम्मान और सुरक्षा ही समाज की असली प्रगति है।

॥ श्री चारभुजा नाथ की जय ॥

॥ श्री मदरामचरणाय नमः ॥

manvitenthouse

MANVI
TENT HOUSE

MAHESH SOMANI, RAMNIVAS SOMANI
M. No. : 98294-66463, 94147-40204
Email - manvitenthouse1@gmail.com
Address : Near Majdoor Chouraha,
RC Vyas Colony, Bhilwara (Raj.)

RAJKUMAR SOMANI
+91 94138 62482
1-A-39, Behind Siddhi
nayak Hospital, Tilak Nagar Road,
Bhilwara (Raj.)

॥ श्री मदरामचरणाय नमः ॥
SOMANI
BEVERAGE
PURE & SAFE DRINKING WATER

॥ श्री चारभुजा नाथ की जय ॥

SOMANI
WEDDINGS & EVENTS

CA SOURABH SOMANI
+91 70735 12190
Near Majdoor Chouraha
RC Vyas Colony, Bhilwara (Raj.)
somaniweddingsandevents

INSTA QR

दृढ़ संकल्प से सफलता तक – महिला उद्यमी की प्रेरक यात्रा

स्वयंसिद्धा
विमला जैन मुणोत
वर्धमान वायर्स, भीलवाड़ा
vimlakjain1971@gmail.com

मेरा जीवन; मेरी दृढ़ इच्छा शक्ति, मेहनत और धैर्य का एक उदाहरण है। मेरा जन्म राजस्थान के नाथद्वारा में हुआ। मैंने उदयपुर और भीलवाड़ा से M.Com. और LL.B. की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद लगभग 4 वर्षों तक कोर्ट में प्रैक्टिस की, जिससे मुझे विधिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। पारिवारिक कारणों से मुझे मुंबई जाना पड़ा, जहाँ मेरे जीवन ने एक नया मोड़ लिया।

मुंबई में रहते हुए मैंने स्वयं के रोजगार के बारे में सोचना शुरू किया। लगभग 13 वर्षों तक वहाँ रहने के बाद, वर्ष 2007 में मैंने भीलवाड़ा में 'वर्धमान वायर' नाम से अपना उद्योग स्थापित किया। इस उद्योग के माध्यम से मैंने कंटीले तार, फेंसिंग जाली और वेल्डिंग जाली जैसे उत्पादों का निर्माण शुरू किया। शुरुआत में यह सफर आसान नहीं था, लेकिन अपनी टीम के सहयोग और अपने नेतृत्व के बल पर मैंने अपने उद्योग को निरंतर आगे बढ़ाया।

मेरे पति मुंबई की एक फार्मा कंपनी में कटिंग मैनेजर के पद पर कार्यरत थे, इसलिए परिवार में उद्योग क्षेत्र का विशेष अनुभव नहीं था। ऐसे में उद्योग स्थापित करना, उत्पादन क्षमता बढ़ाना और नई तकनीकों के साथ बाजार में टिके रहना मेरे लिए एक बड़ी चुनौती थी। मैंने मेहनत और लगन से कार्य करते हुए उत्पादन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया और कटिंग में होने वाले नुकसान को कम करने का प्रयास किया। इसी सोच और निरंतर प्रयासों से मेरा व्यवसाय मजबूत हुआ और आज यह उद्योग करोड़ों के टर्नओवर तक पहुँच चुका है।

अपने उद्योग को आगे बढ़ाते हुए मैं वर्ष 2013 में लघु उद्योग भारती, भीलवाड़ा से जुड़ी। शुरुआती वर्षों में मैं मुख्य इकाई की 25 सदस्यीय समिति में अकेली महिला सदस्य रही। तब मैंने महसूस किया कि कई महिलाओं के पास हुनर तो होता है, लेकिन उन्हें उचित मंच और अवसर नहीं मिल पाते। इसी सोच के साथ मैंने महिलाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

इसी दिशा में कार्य करते हुए, मेरे नेतृत्व में 11 जनवरी, 2019 को भीलवाड़ा में लघु उद्योग भारती महिला इकाई की स्थापना हुई। मुझे इसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में दायित्व मिला, जिसे मैंने पूरे समर्पण के साथ 4 वर्षों तक निभाया। इस दौरान कई सेमिनार, प्रदर्शनियाँ और कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनसे महिलाओं को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बाजार में पहचान बनाने का अवसर मिला। साथ ही वृक्षारोपण और मेहंदी शिविर जैसे सामाजिक कार्य भी किए गए।

मैंने भारत विकास परिषद में भी महिला प्रमुख के रूप में कार्य किया है। इस दौरान महिलाओं और बच्चों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण शिविर आयोजित करवाए और पालना गृह जैसे स्थानों पर जाकर जरूरतमंद बच्चों की सेवा भी की, जिससे मुझे आत्मिक संतोष मिला।

मेरा मानना है कि यदि महिलाओं को सही मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं की जानकारी मिले, तो वे अपने व्यवसाय को मजबूत बना सकती हैं और अपने परिवार, समाज तथा देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। मुझे नई–नई जगहों पर घूमना और वहाँ के उत्पादों तथा बाजार व्यवस्था के बारे में जानना बहुत पसंद है। पढ़ना भी मेरा प्रिय शौक है, जो मुझे निरंतर सीखने के लिए प्रेरित करता है।

मैं हमेशा रोजगार देने में विश्वास रखती हूँ और अपने दोनों पुत्रों को भी उद्योग स्थापित करने के लिए प्रेरित करती हूँ। **मेरा मानना है कि हमें रोजगार लेने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनना चाहिए। यदि इसी सोच से आगे बढ़ें, तो हमारा देश निश्चित रूप से प्रगति के पथ पर और आगे बढ़ेगा।**

।। श्री महावीराय नमः ।।

VARDHMAN WIRES

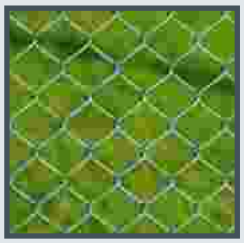

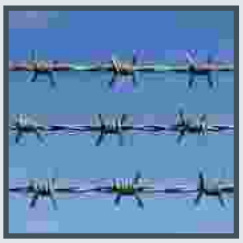

G-30, RIICO Extension, Pur Road , Bhilwara (Raj.) 311001

Vimla Munot, M. : 9461359751

तेजोमयी नारी - विचारों से आगे कर्म तक

स्वयंसिद्धा
पल्लवी लढ़ा
निदेशक, Manomay Tex India Ltd. Bhilwara
manomaytex21@gmail.com

'तेजोमन्दिता उज्ज्वलाः भवाम्यहं शक्ति शिवालिका' नारी केवल कोमलता का प्रतीक नहीं, वह तेज, साहस और सृजन की जीवंत शक्ति है।

सनातन परंपरा में नारी को देवी कहा गया, परिवार की धुरी माना गया और माँ को ईश्वर से भी ऊँचा स्थान दिया गया। परंतु आज जब समाज में महिलाओं के सामने सुरक्षा, सम्मान और अवसर की चुनौतियाँ खड़ी हैं, तब यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या हम वास्तव में नारी को उसका उचित स्थान दे पा रहे हैं?

आज 'बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ' का नारा पूरे देश में गूंज रहा है। बेटियों को पढ़ाना आवश्यक है, उन्हें आगे बढ़ाना भी आवश्यक है, लेकिन क्या केवल शिक्षा से ही बेटियाँ सुरक्षित हो जाएँगी? जब प्रतिदिन अत्याचार की खबरें सामने आती हैं, जब शिक्षित और आत्मनिर्भर महिलाएँ भी असुरक्षित महसूस करती हैं, तब यह विषय और गंभीर हो जाता है।

'न स्त्रीरत्नसमं रत्नम्'– स्त्री के समान कोई रत्न नहीं। सनातन परंपरा का यह विचार हमें याद दिलाता है कि नारी का सम्मान केवल शब्दों में नहीं, बल्कि व्यवहार में दिखाई देना चाहिए।

इन्हीं विचारों को मैं अपने जीवन में उतारने का प्रयास करती हूँ। एक महिला उद्यमी होने के साथ–साथ मैंने हमेशा समाज में महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सुरक्षा जैसे विषयों को प्राथमिकता दी है। अपने व्यवसाय के साथ मैं महिलाओं को कौशल विकास से जोड़ने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और समाज में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का प्रयास करती रही हूँ।

मेरा मानना है कि महिला सुरक्षा केवल कानूनों से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि जागरूकता और आत्मविश्वास भी उतने ही महत्वपूर्ण आयाम हैं। हमारी परंपरा में शास्त्र और शस्त्र दोनों का संतुलन सिखाया गया है। आज समय की आवश्यकता है कि हम अपनी बेटियों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दें। यदि स्कूलों और कॉलेजों में आत्मरक्षा प्रशिक्षण को अनिवार्य किया जाए, तो बेटियाँ और अधिक आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन में आगे बढ़ सकेंगी।

महिला स्वावलंबन भी मेरे लिए उतना ही महत्वपूर्ण विषय है। जब एक महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो वह न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज में एक मजबूत भूमिका निभाती है। **मैंने स्वयं उद्यमिता के क्षेत्र में कार्य करते हुए यही अनुभव किया है और इसी कारण मैं अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करती हूँ। मेरा विश्वास है कि सशक्त महिला ही सशक्त परिवार और सशक्त समाज का निर्माण करती है।**

आज महिला आरक्षण का विषय भी चर्चा में है। मैं मानती हूँ कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसके साथ–साथ यह भी जरूरी है कि महिलाएँ वास्तविक नेतृत्व में आगे आएँ। केवल पद प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि निर्णय लेने की स्वतंत्रता और क्षमता भी उतनी ही आवश्यक है।

मेरे लिए नारी केवल परिवार की आधारशिला नहीं, बल्कि समाज की निर्माता है। हमें महिलाओं को अवसर, सम्मान और सुरक्षा प्रदान करनी ही होगी। जब महिलाएँ आगे बढ़ती हैं, तो पूरा समाज प्रगति करता है। आज आवश्यकता है कि हम केवल नारों तक सीमित न रहें, बल्कि ठोस कदम उठाएँ–आत्मरक्षा प्रशिक्षण, सुरक्षित वातावरण, कौशल विकास और नेतृत्व के अवसर। यही वे माध्यम हैं, जो वास्तविक महिला सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

नारी केवल संवेदना नहीं, संकल्प है। नारी केवल शक्ति नहीं, सृजन है। नारी केवल भविष्य नहीं, वर्तमान की दिशा है। **'नारीशक्ति शक्तिशाली समाजस्य निर्माणं करोति' नारी सशक्तिकरण ही सशक्त समाज का आधार है। यही तेजोमयी नारी का स्वरूप है।**

SR

Your people for **Chemicals**

Sustainability | Quality | Consistency

Rakesh Laddha • Krishan Gopal Laddha
• Deveshwar Laddha

125-126, Ambaji Textile Market
D-39 Basant Vihar, Bhilwara (Raj.)

vishvmataorgo@yahoo.com

9414015363 | 9414115363 | 8290333221

मीठा संतुलन- अपनी पहचान को फिर से गढ़ने की कहानी

स्वयंसिद्धा
प्रिया जैन
संस्थापक, Balanced B Bites
balnacedbbites041@gmail.com

कॉर्पोरेट जिंदगी से लेकर हेल्दी मिठास बनाने तक, मेरी यात्रा सिर्फ एक बिज़नेस खड़ा करने की नहीं, बल्कि खुद को फिर से पहचानने की रही है। आज लोग मुझे एक उद्यमी के रूप में जानते हैं, लेकिन यहाँ तक पहुँचने का सफर आसान नहीं था।

मैं महाराष्ट्र में पली–बढ़ी और लगभग 10 वर्षों तक Ford, Tata और Toyota जैसी बड़ी कंपनियों में कार्य किया। मेरी जिंदगी तेज, लक्ष्य–केंद्रित और आत्मविश्वास से भरी हुई थी। हर दिन नए लक्ष्य, नई चुनौतियाँ और खुद को साबित करने का जुनून था। लेकिन शादी के बाद जब मैं राजस्थान आई और एक पारंपरिक संयुक्त परिवार का हिस्सा बनी, तो जिंदगी की दिशा पूरी तरह बदल गई।

कुछ समय बाद मेरी सासु माँ की तबीयत खराब हो गई। उनकी देखभाल के लिए मैंने अपनी नौकरी छोड़ने का निर्णय लिया। यह निर्णय दिल से लिया था, लेकिन इसके साथ मेरी पहचान जैसे धीरे–धीरे खोने लगी। एक सक्रिय प्रोफेशनल जीवन से अचानक घरेलू दिनचर्या में आना मेरे लिए आसान नहीं था।

धीरे–धीरे यह खालीपन बढ़ता गया और मैं डिप्रेशन में चली गई। ऐसा लगने लगा था कि मैं खुद से दूर होती जा रही हूँ। लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मेडिटेशन, डॉक्टर की मदद और अपनी अंदर की ताकत के सहारे मैंने खुद को फिर से संभालना शुरू किया। 'धीरे–धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय' इस अनुभव ने मुझे सिखाया कि हर बदलाव समय लेता है, लेकिन हर छोटा कदम भी महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान मैंने कई छोटे–छोटे व्यवसाय शुरू करने की कोशिश की–जैसे ज्वेलरी, कपड़े और रोज़मर्रा के सामान– लेकिन कहीं भी मन नहीं लगा। मैं कुछ ऐसा करना चाहती थी जो दिल से जुड़ा हो। फिर 2024 के नवरात्रि में, मैंने अपने बच्चों के लिए घर पर चॉकलेट बनाई और उसे अपनी एक मित्र के साथ साझा किया। प्रतिक्रिया बहुत अच्छी मिली।

घरवालों ने इसे त्योहार का असर माना, लेकिन मुझे भीतर से विश्वास था कि यही मेरा रास्ता है। यहीं से Balanced B Bites की शुरुआत हुई। मुझे स्वयं PCOD और मोटापे की समस्या रही है, इसलिए मैं ऐसे उत्पाद बनाना चाहती थी जो हेल्दी भी हों और स्वादिष्ट भी। मैंने रिसर्च किया, नए प्रयोग किए और धीरे–धीरे अपने प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाया। आज Balanced B Bites में 80 से अधिक उत्पाद हैं–जैसे शुगर–फ्री लड्डू, हर्बल मसाले और प्रोटीन एनर्जी बार।

आज मेरे उत्पाद भारत के साथ–साथ ओमान, जर्मनी, यूके और अमेरिका तक पहुँच चुके हैं। यह मेरे लिए गर्व का विषय है, लेकिन उससे भी अधिक खुशी इस बात की है कि लोग इन्हें अपने हेल्दी लाइफस्टाइल का हिस्सा बना रहे हैं। मेरे लिए यह सिर्फ एक व्यवसाय नहीं है–यह मेरी पहचान, मेरा आत्मविश्वास और मेरी नई शुरुआत है। इस सफर ने मुझे सिखाया कि जीवन में कभी–कभी हमें रुकना पड़ता है या दूसरों के लिए खुद को पीछे रखना पड़ता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि हम खुद को खो दें।

हर महिला के लिए मेरा एक संदेश है–अपने सपनों को कभी मत छोड़िए। आप सिर्फ अपने रिश्तों या जिम्मेदारियों से परिभाषित नहीं होतीं। आपकी अपनी एक पहचान है। मैं सिर्फ एक बहू या माँ नहीं हूँ, मैं प्रिया हूँ–एक ऐसी महिला जिसने खुद को फिर से पाया।

BALANCED
B BITES

Indulgence, Guilt-Free100% Homemade

balanced b bites

What began with just two products has today grown into a collection of 80+ unique, healthy creations. At Balanced B Bites, we believe that sweetness should never come at the cost of health. Our products are crafted fresh using the natural goodness of dry fruits and seeds, with no added refined sugar, offering a perfect blend of taste and nutrition in every bite.Our range includes:

Signature Chocolates – Paan, Biscoff, Oreo, Strawberry & Coconut Dry Fruit Laddoos, Poppy Rolls & Chai Masala Protein Bars, Masala Dry Fruit Mixes & Seed-Based Healthy Snacks

New York Cookies – rich, chunky & indulgent with a healthy twist.

Within one & half year, we've proudly delivered across almost every state in India and internationally to the UK, USA & Oman, becoming a trusted choice for gifting and healthy indulgence.

Perfect for gifting, bulk & customized

ORDERS

@BALANCEDBBITES

Bhilwara Based | Shipping All Over India

Founder : Priya Jain

95302-92919

balancedbbites041@gmail.com

fssai ESSAI CERTIFIED

SHREE SILVER SHINE

SILVER SHINE

SHREE SILVER SHINE PURITY STYLE और TRUST

OUR FEATURES

✓ Pure 925 Silver Jewellery | ✓ Skin Friendly
✓ Long Lasting Shine | ✓ Trendy & Elegant Designs
✓ Affordable Price

shreesilvershine@gmail.com

SHINE WITH SBI

SBI Life
Apne liye. Apno ke liye

✓ SBI life जिंदगी के साथ भी जिंदगी के बाद भी
✓ "आज की Planning, कल की Security"
✓ "हर सपने के साथ जरूरी है Protection"
✓ "SBI Life – भरोसा जो जीवनभर साथ दे"
✓ "कमाई के साथ सुरक्षा भी जरूरी है"
✓ "Smart Women Invest, Wise Women Insure"

जहां हर ज्वेलरी बने आपकी पहचान

Shilpa Tikkiwal (Insurance Advisor) - LifeMitra

+91 93513 48927 | +91 94148 10070

Shilpatikkiwal@gamil.com

Shree Silver Shine & SBI Life – Confidence और Security का perfect combination।

प्रेरणा का स्रोत- मैं स्वयं

स्वयंसिद्धा
शिल्पा टिक्कीवाल
प्रोपराइटर श्री सिल्वर शाइन-
एसबीआई लाइफ एडवाइज़र
shreesilvershine@gmail.com

हर सपना एक पक्षी है, जो तभी आसमान छूता है जब उसे मेहनत, निष्ठा और ईमानदारी के पंख मिलते हैं।" मैं टोंक जैसे छोटे शहर से हूँ, जहाँ लड़कियों के सपनों की सीमाएँ अक्सर पहले से तय कर दी जाती हैं। लेकिन मैंने हमेशा कुछ अलग करने का सपना देखा–एक सफल व्यवसायी बनने का।

यह सफर आसान नहीं था। समाज की सोच और परिस्थितियाँ कई बार मेरे विरुद्ध रहीं। कई बार ऐसा लगा कि अब आगे बढ़ पाना संभव नहीं है, और मैं निराश भी हुई। लेकिन हर बार मैंने स्वयं को संभाला, खुद को प्रेरित किया और फिर से आगे बढ़ी। हार मानने के बजाय मैंने अपने डर को अपनी ताकत बनाया और अपने सपनों की दिशा में निरंतर प्रयास करती रही। मैंने यह समझ लिया था कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मन में विश्वास हो तो हर अंधेरा रास्ता भी रोशनी की ओर ले जाता है।

गिरकर संभलना ही असली जीत है, और हर ठोकर हमें और मजबूत बनाती है। हमारी सबसे बड़ी ताकत और प्रेरणा कोई और नहीं, हम स्वयं ही होते हैं।

मुझे मेरी पहचान एसबीआई लाइफ और श्री सिल्वर शाइन से मिली, जहाँ मैंने अपने हौसले को सफलता में बदला। आज 'श्री सिल्वर शाइन' मेरा सिल्वर ज्वेलरी ब्रांड है, जो ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से लोगों तक पहुँच रहा है। यह केवल एक ज्वेलरी ब्रांड नहीं, बल्कि मेरे संघर्ष, विश्वास और मेहनत की पहचान है। यहाँ हर आभूषण केवल सजावट का साधन नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और पहचान की चमक है।

हर एक डिजाइन के पीछे केवल कला नहीं, बल्कि मेरी भावनाएँ और मेरा जीवन–सफर जुड़ा हुआ है। यह ब्रांड मेरे लिए एक सपना है, जो आज हकीकत बनकर हर महिला को अपनी पहचान और आत्मविश्वास को महसूस करने की प्रेरणा दे रहा है। क्योंकि **जब एक महिला खुद पर विश्वास करना सीख जाती है, तो वह अपनी किस्मत खुद लिखने की ताकत भी पा लेती है। सपने केवल देखने के लिए नहीं होते, उन्हें सुरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है।** एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस इसी सोच के साथ जुड़ा है–आपके सपनों और अपनों की सुरक्षा के लिए। सपनों की उड़ान तभी सुंदर होती है, जब उनका भविष्य सुरक्षित हो।

एक इंश्योरेंस एडवाइज़र के रूप में मेरा लक्ष्य है कि मैं विशेष रूप से महिला उद्यमियों को उनकी बचत को सही दिशा में निवेश करने में मार्गदर्शन दे सकूँ, ताकि वे केवल कमाएँ ही नहीं, बल्कि अपने भविष्य को भी सुरक्षित बना सकें। आज मैं एसबीआई लाइफ की एक महिला एडवाइज़र के रूप में खड़ी हूँ, और यह मुकाम मेरे संघर्ष, सीख और आत्मविश्वास की कहानी को दर्शाता है।

एक छोटे शहर से निकलकर मैंने यह संकल्प लिया कि मैं केवल अपने लिए नहीं, बल्कि हर उस महिला के लिए आगे बढ़ूंगी जो आत्मनिर्भर बनना चाहती है। "कदम छोटे हों या बड़े, फर्क नहीं पड़ता, जरूरी यह है कि आप चलना कभी बंद न करें।" श्री सिल्वर शाइन और एसबीआई लाइफ–आत्मविश्वास और सुरक्षा का ऐसा संगम है, जिसने मुझे मेरी पहचान दी।

अंत में मैं बस इतना कहना चाहूँगी– यदि आप अपने सपनों पर विश्वास रखते हैं, तो दुनिया की कोई भी ताकत आपको रोक नहीं सकती। अपने हौसलों को इतना मजबूत बनाइए कि हर मुश्किल आपके सामने छोटी लगने लगे।

मुंडन गीत

स्वरचित -

स्नेहलता मेलाणा

(तर्ज - कितना प्यारा है सिंगार...)

कितनी प्यारी है ये चोटी, तेरी लेऊं नजर उतार,
कितनी प्यारी है।। 2
लेऊ नजर उतार, तेरे राई लुनं वार
कितनी प्यारी है।। 2
1) अरे डुग्गू तुझको किसने सजाया है।। 2
तेरी चोटी को किसने, गजरा पहनाया है 2
हो कितनी प्यारी है...
2) अरे दादी मुझको, मम्मी ने सजाया है 2
मेरी चोटी को उसने गजरा पहनाया है 2
हो कितनी प्यारी है..
3) और डुग्गू तेरी चोटी का करूं मैं श्रृंगार 2
कहीं लग ना जाए तुझे, दुनिया की बुरी नजर 2
हो कितनी प्यारी है...
4) अरे डुग्गू तेरा चेहरा चमकता है 2
तेरा बहुत बड़ा परिवार ,वो खुशियां मनावे आज 2
हो कितनी प्यारी...
5) अरे डुग्गू जरा बच- बच के रहना रे,
तेरी ताई से जाकर , काली टिकी लगवा ले
तो कितनी प्यारी है...
6) अरे भुआ बहना नाचे गावे जी ,
तेरी चोटी की वो आज ,नजर उतारे जी, 2
हो कितनी प्यारी...

अस्तित्व की नई पहचान- घर, आँगन और उद्योग का अनूठा संगम

स्वयंसिद्धा
सरिता अग्रवाल
संस्थापक- रूपा एग्रीकेयर, डीडवाना (मारवाड़)
saritarupa@gmail.com

मेरा जन्म डीडवाना (मारवाड़) में हुआ जिसे छोटी काशी के नाम से भी जाना जाता है। मेरा जीवन परंपरा से प्रगति तक की एक निरंतर यात्रा रहा है। बचपन से ही मैंने यह सीखा कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी हों, यदि सीखने की इच्छा हो तो रास्ते अपने आप बनते जाते हैं।

12वीं कक्षा के बाद घर के निर्णय के अनुसार मुझे बाहर पढ़ने का अवसर नहीं मिला, लेकिन मैंने अपनी पढ़ाई को कभी नहीं रोका। मैंने एम.ए. (English Literature) और कंप्यूटर में 'A' लेवल पूरा किया। शादी के बाद भी मैंने खुद को सीमित नहीं किया। खाली समय का सदुपयोग करते हुए मैंने B.Ed. किया, टैली अकाउंटिंग सीखी और यहाँ तक कि साइकिल न चला पाने वाली स्थिति से आगे बढ़कर टू–व्हीलर चलाना भी सीखा। यह मेरे लिए केवल एक कौशल नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

मेरे जीवन का हर चरण एक नई जिम्मेदारी और नई सीख लेकर आया। सबसे पहले मैंने अपने बच्चों की परवरिश और उनकी शिक्षा को प्राथमिकता दी। जब वे बड़े हुए, तो मैंने घर पर अन्य बच्चों को पढ़ाना शुरू किया। जब मेरे अपने बच्चे प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे IIM और SRCC में स्थापित हो गए, तब मैंने अपने पारिवारिक व्यवसाय को समझने की ओर कदम बढ़ाया।

मेरे लिए यह एक नया क्षेत्र था, लेकिन सीखने की मेरी ललक ने मुझे आगे बढ़ाया। अपनी सासू माँ से मुझे 'क्वालिटी कंट्रोल' का जो अनुभव मिला, उसे मैंने आधुनिक तकनीक और ऑटोमेशन के साथ जोड़ा। गोंद की औषधीय विशेषताओं को समझना, देशी गोंद, कतिरा गोंद, खेर और बबूल जैसे उत्पादों की जानकारी लेना और अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन (जैसे सूडान और तंजानिया) को समझना–ये सब मेरे लिए नए अनुभव थे, जिन्होंने मुझे एक नई पहचान दी।

आज मैं अपने पति के साथ मिलकर व्यवसाय को आगे बढ़ा रही हूँ और एक नए प्रोजेक्ट पर भी काम कर रही हूँ, जो जल्द ही साकार होने की दिशा में है।

मेरे लिए यह केवल व्यापार नहीं, बल्कि सीखने और आगे बढ़ने की एक निरंतर प्रक्रिया है। व्यवसाय के साथ–साथ मैं सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय हूँ। राष्ट्रीय सेविका समिति, अग्रवाल समाज और स्थानीय संगठनों में भाग लेकर मैं समाज के साथ जुड़ी रहती हूँ। मेरा मानना है कि सच्ची प्रगति वही है, जो स्वयं के साथ समाज को भी आगे बढ़ाए।

फैक्ट्री और मशीनों के बीच रहते हुए भी मैंने जमीन से अपना जुड़ाव बनाए रखा है। बागवानी और खेती के प्रति मेरी रुचि मेरे व्यक्तित्व के संतुलन को दर्शाती है। यह मुझे सिखाता है कि विकास के साथ अपनी जड़ों से जुड़े रहना भी उतना ही आवश्यक है।

मेरी यात्रा यह बताती है कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती और आगे बढ़ने के लिए सही समय का इंतजार नहीं करना चाहिए। यदि आपके पास धैर्य, निरंतर प्रयास और परिवार का साथ है, तो आप हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकते हैं। मैं हर महिला से यही कहना चाहूँगी – अपने भीतर की क्षमता को पहचानिए, छोटे–छोटे कदमों से शुरुआत कीजिए और विश्वास रखिए कि आपकी मेहनत एक दिन आपकी पहचान जरूर बनाएगी।

जब हौसला मजबूत हो और सीखने की चाह बनी रहे, तो जीवन का हर नया मोड़ एक नई सफलता की शुरुआत बन जाता है।

नारी केवल एक शब्द नहीं, बल्कि शक्ति का प्रतीक है

स्वयंसिद्धा
स्नेहलता मेलाना
संस्कृतिकर्मी एवं उद्यमी
snehalatamelana@gmail.com

चित्तौड़गढ़ जिले के छोटे से कस्बे कपासन में मेरा जन्म हुआ। मेरा बचपन संस्कारों, शिक्षा और साहित्यिक वातावरण में बीता। मेरे परिवार में ज्ञान और संस्कृति की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। मेरे दादाजी को देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने शिक्षक दिवस पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया जो हमारे पूरे परिवार के लिए गर्व का विषय रहा। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि उस विचारधारा का प्रतीक था, जिसमें शिक्षा और संस्कारों को सर्वोपरि माना जाता है।

मेरे पिता श्री बंशीलाल जी लढ़ा पेशे से वकील होने के साथ–साथ एक संवेदनशील कवि भी हैं। **घर में साहित्य, गीत और कविताओं का वातावरण था, जिसने मेरे भीतर संगीत के बीज बो दिए। बचपन से ही भजन और गीतों के प्रति मेरा विशेष आकर्षण रहा, जो धीरे–धीरे मेरे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया और आगे चलकर मेरी पहचान का आधार बना।**

समय के साथ मेरा विवाह युवा उद्यमी श्री राजकुमार मेलाना से हुआ और भीलवाड़ा मेरी कर्मस्थली बन गई। एक जिम्मेदार पारिवारिक महिला के रूप में मैंने अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता दी, लेकिन अपने भीतर संगीत के दीपक को सदैव प्रज्वलित रखा। मेरा स्वभाव सकारात्मक रहा है और मैं हमेशा आगे बढ़ने में विश्वास रखती हूँ। मैंने यह समझा कि जीवन की जिम्मेदारियों के साथ भी अपने सपनों को जिया जा सकता है।

मेरे जीवन में मेरे पिता के शब्द हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहे– वे अक्सर कहा करते थे–"जन्म यह नर का मिला, कुछ काम करने के लिए, यह न समझो यह मिला, बस पेट भरने के लिए।"

इन्हीं विचारों से प्रेरित होकर मैंने 'भजन सरिता' और 'बन्ना–बन्नी गीत' नामक दो पुस्तकों का प्रकाशन किया, जिनका विमोचन राष्ट्रीय संतों द्वारा किया गया। यह मेरे संगीत और साहित्य के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

कोरोना काल में जब सामाजिक कार्यक्रम थम गए, तब मैंने इस कठिन समय को अवसर में बदला। मैंने अपना यूट्यूब चैनल "Snehalata Melana" शुरू किया, जहाँ मैं भजन और पारंपरिक लोकगीत प्रस्तुत करने लगी। मेरे गीतों में बन्ना–बन्नी, भात, दादरा, राती जगा, गणगौर, देशभक्ति और जच्चा–बच्चा से जुड़े गीत शामिल हैं।

यह प्रयास केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि हमारी संस्कृति को जीवित रखने का माध्यम बन गया। उस समय विवाह समारोहों में सीमित लोगों की अनुमति थी, ऐसे में कई परिवारों ने मेरे गीतों के माध्यम से अपने घरों में पारंपरिक कार्यक्रमों को जीवंत बनाए रखा। लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और स्नेह ने मेरे इस प्रयास को एक नई पहचान दी।

धीरे–धीरे यह छोटा सा प्रयास मेरी पहचान बन गया। मैंने अनुभव किया कि नारी में वह शक्ति होती है, जो हर परिस्थिति में अपने लिए नया मार्ग खोज लेती है। समर्पण और विश्वास के साथ किया गया छोटा प्रयास भी बड़ी उपलब्धि बन सकता है।

एक संस्कृतिकर्मी के रूप में मैं हमारी परंपरा और लोकगीतों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही हूँ। मेरा उद्देश्य केवल गाना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को हमारी संस्कृति से जोड़ना है।

मेरी यह यात्रा यही सिखाती है कि यदि संकल्प मजबूत हो, तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं होता। जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहाँ खुशियाँ और समृद्धि स्वतः आती हैं।

जब मन में विश्वास और कर्म में निरंतरता हो, तो साधारण प्रयास भी असाधारण परिणाम दे जाते हैं।

संघर्ष की पगडंडियों से गुजरा उद्यमिता का मार्ग

स्वयंसिद्धा
अंजना तोषनीवाल
संस्थापक- श्री शिल्प
anjanatoshniwal60408@gmail.com

मेरा जन्म मध्य प्रदेश के सागर जिले की तहसील खुरई में हुआ। मेरा पैतृक गांव चांदपुर है, जहाँ मेरे दादाजी जागीरदार थे। मेरा परिवार संपन्न और संस्कारवान था। मैं बचपन से ही परिवार की लाड़ली बेटी रही और मुझे हर प्रकार का स्नेह और प्रोत्साहन मिला। मुझे कलात्मक कार्यों में रुचि रही है।

मेरी माँ विदुषी, आस्तिक, ममतामयी और कुशल गृहिणी थीं। मात्र 6 वर्ष की आयु में ही मैंने उनसे कई जीवनोपयोगी गुण सीख लिए, लेकिन दुर्भाग्य से 7 वर्ष की आयु में मेरे सिर से माँ का साया उठ गया। इसके बाद दादा–दादी, पिताजी और भाई–बहनों ने मुझे कभी माँ की कमी महसूस नहीं होने दी।

सन् 1985 में मेरा विवाह राजस्थान के भीलवाड़ा शहर में हुआ। विवाह के बाद जीवन में कई चुनौतियाँ सामने आईं। मेरे पति का कार्य व्यवस्थित नहीं था और इसी बीच मेरे जीवन में तीन प्यारी बेटियों का आगमन हुआ। **आर्थिक परिस्थितियाँ कठिन होती गईं और जीवन संघर्षमय बन गया। उस समय छोटे बच्चों के पालन–पोषण की चिंता ने मुझे मानसिक रूप से व्यथित किया, लेकिन पिताजी के दिए मंत्र "संघर्ष ही जीवन है" और माँ–दादी के संस्कारों ने मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।**

मैंने अपने जीवन की नई शुरुआत छोटे–छोटे कार्यों से की। सागर (मध्य प्रदेश) में मैंने सबसे पहले स्कूल में पीजी कक्षा को पढ़ाना शुरू किया। इसके साथ ही मैंने पेंटिंग, मेहंदी, कढ़ाई, सॉफ्ट टॉयज़ बनाना और विभिन्न कार्यक्रमों की सजावट का कार्य भी प्रारंभ किया। बढ़ती महँगाई को देखते हुए मैंने जीवन बीमा एजेंट के रूप में भी कार्य किया। इसके अलावा मैंने घर से कोलकाता की साड़ियाँ और चादरें बेचने का कार्य भी शुरू किया।

बाद में पिताजी की सलाह पर बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए मैं पुनः भीलवाड़ा आ गई। यहाँ मैंने अपनी कला को आगे बढ़ाते हुए आदर्श विद्या मंदिर में सेवाएँ दीं। साथ ही घर पर मेहंदी, रंगोली, पेंटिंग और वुडन क्राफ्ट का कार्य जारी रखा। धीरे–धीरे मुझे अभिरुचि शिविरों में अपनी कला प्रदर्शित करने और प्रशिक्षण देने का अवसर मिलने लगा।

सन् 2004 में मुझे पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। वर्ष 2006 से 2010 तक मैंने स्टीवर्ड मॉरिस स्कूल में आर्ट एंड क्राफ्ट शिक्षिका के रूप में कार्य किया।

सन् 2011 मेरे जीवन में एक बड़ा कठिन मोड़ लेकर आया, जब मेरे पति का निधन हो गया। यह समय मेरे लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। इस कठिन परिस्थिति में स्टीवर्ड मॉरिस स्कूल के संस्थापक श्री अमित जी टाक का सहयोग मेरे लिए अविस्मरणीय रहा। उन्होंने मेरी दोनों बड़ी बेटियों को अपने संस्थान में पीजी/केजी शिक्षिका के रूप में नियुक्त किया और मेरे पुत्र की 12वीं तक की शिक्षा निःशुल्क करवाई। इस सहयोग ने मुझे नई ऊर्जा और आत्मविश्वास दिया।

धीरे–धीरे मेरा हस्तशिल्प कार्य गति पकड़ने लगा। मैंने 'श्री शिल्प' के नाम से अपनी फर्म एमएसएमई (लघु उद्योग) में पंजीकृत करवाई। इसके साथ ही मैं आयुर्वेदिक 'मी लाइफ' के प्रमाणित उत्पादों का विक्रय भी कर रही हूँ। वर्तमान में मैं आर्ट एंड क्राफ्ट शिक्षिका के रूप में कार्यरत हूँ और सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हूँ। मैं राष्ट्रीय सेविका समिति में जिला कार्यालय सह–प्रमुख (सावित्री शाखा), वनवासी कल्याण परिषद में सह–सचिव तथा लघु उद्योग भारती (महिला इकाई) में कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही हूँ।

जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए मैंने अपनी पहचान बनाई और आज "श्री शिल्प" के माध्यम से अनेक लोगों को प्रेरित कर रही हूँ। मेरी यह यात्रा यह सिद्ध करती है कि दृढ़ निश्चय, परिश्रम और आत्मविश्वास से हर कठिनाई को अवसर में बदला जा सकता है। मेरा जीवन संघर्ष से सफलता तक की कहानी है, जो अनेक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित कर सकती है।

आज 'श्री शिल्प' के माध्यम से

सुंदर हस्तशिल्प उत्पाद
आर्ट & क्राफ्ट ट्रेनिंग
रचनात्मकता को नया मंच

अगर आप भी अपनी कला को पहचान देना चाहते हैं या यूनिक हैंडमेड प्रोडक्ट्स की तलाश में हैं - तो जुड़िए **'श्री शिल्प'** के साथ।
आज ही संपर्क करें और अपनी रचनात्मक यात्रा शुरू करें!
'हौसले हों तो हर मुश्किल आसान है।"

- अंजना तोषनीवाल Mob. : 9413402758

HARIOM SILK MILLS

Your Reliable Garment Manufacturing Partner

Specialized In:

- FORMAL PANTS & TROUSERS
- SHIRTS
- KURTIS & KURTI SETS
- PLAZO
- DUPATTA
- GHARARA & SHARARA
- ETHNIC WEAR & ALL TYPES OF UNISEXUAL GARMENTS

Manufacturing Units:

- BHILWARA, RAJASTHAN
- JAIPUR, RAJASTHA

We Invite:

CONTRACT MANUFACTURING & PRODUCTION PARTNERSHIP

- RELIABLE
- SCALABLE
- QUALITY - FOCUSED
- ON - TIME - DELIVERY

Why to Choose Us?

- ADVANCED MANUFACTURING SETUP
- SKILLED WORKFORCE
- STRICT QUALITY CONTROL
- COMPETITIVE PRICING
- BULK ORDER EXPERTISE

Sister Concern:
MANAS FAB JAIPUR, SKY INDIA IMPEX BHILWARA

Contact Us:
CHANDA MUNDRA : 9587417175

संकल्प से सफलता तक - एक उद्यमी की प्रेरक यात्रा

स्वयंसिद्धा
चंदा मूंदड़ा
सीईओ, Hariom Silk Mills
chandamundra@icloud.com

मेरी जीवन–यात्रा का आगाज़ मुंबई से हुआ। प्रारंभिक शिक्षा के बाद मैंने मुंबई विश्वविद्यालय से स्नातक किया और कंप्यूटर प्रोग्रामिंग का कोर्स भी पूरा किया। इसके पश्चात मेरा विवाह भीलवाड़ा में अजय मूंदड़ा जी के साथ हुआ, जहाँ आकर मैंने पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विषय में एम.ए. की पढ़ाई पूरी की। किंतु मन में कुछ बड़ा करने का सपना सदैव जीवित रहा, और उसी सपने को साकार करने के उद्देश्य से वर्ष 2011 में मैंने अपनी उद्यमिता यात्रा प्रारंभ की।

शुरुआत आसान नहीं थी। परिवार की जिम्मेदारियों के साथ व्यवसाय संभालना और प्रतिदिन नई चुनौतियों का सामना करना मेरे जीवन का हिस्सा बन गया था। फिर भी मेरे भीतर एक अटूट विश्वास था कि यदि इरादे मजबूत हों, तो रास्ते स्वयं बन जाते हैं।

'प्रथम भूमिका बाँधी मैंने, अब कुछ साहस करती हूँ, अपने संकल्पों से अब, हौसलों की राह गढ़ती हूँ।'

मैंने TFO (टू–फॉर–वन ट्विस्टिंग) यार्न व्यवसाय से अपने कदम आगे बढ़ाए। प्रारंभिक वर्षों में कई बार परिस्थितियों ने मुझे परखा, परंतु मैंने कभी हार मानना नहीं सीखा। हर चुनौती को मैंने एक अवसर के रूप में स्वीकार किया और निरंतर आगे बढ़ती रही।

वर्ष 2015 मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ सिद्ध हुआ, जब मैंने अपने व्यवसाय का विस्तार करते हुए रीको इंडस्ट्रियल एरिया, बिलिया, भीलवाड़ा में अपनी यूनिट को स्थानांतरित किया। इस निर्णय ने मेरे व्यवसाय को नई दिशा दी और विकास के अनेक अवसर प्रदान किए। यहीं से मेरा आत्मविश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ तथा मैंने अपने कार्य को एक नई पहचान देने की दिशा में निरंतर प्रयास किए।

वर्ष 2019 में मुझे लघु उद्योग भारती की महिला इकाई, भीलवाड़ा की स्थापना में योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस संगठन से जुड़कर मैंने सेक्रेटरी के रूप में कार्य किया। यह मेरे जीवन का एक नया अध्याय था, जहाँ मैंने महिला उद्यमियों को जोड़ने और उन्हें आगे बढ़ाने का दायित्व निभाया।

मैंने अपनी सभी महिला सदस्यों के साथ मिलकर विभिन्न औद्योगिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और नेटवर्किंग इवेंट्स का आयोजन किया, जिससे अनेक महिलाओं को अपने कौशल को प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने का अवसर मिला। समय के साथ मुझे प्रांत स्तर पर सदस्य के रूप में कार्य करने का अवसर भी प्राप्त हुआ, जो मेरे लिए गर्व का विषय है।

वर्ष 2026 में, मैंने अपने अनुभव और आत्मविश्वास के साथ एक नई दिशा में कदम बढ़ाया–गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में। आज मैं पूर्ण समर्पण के साथ उच्च गुणवत्ता वाले परिधानों, जैसे फॉर्मल और एथनिक वियर के निर्माण में कार्यरत हूँ।

नई फसल लहलहाए देश में, क्रांति की बारिश है, कार्य करो तन्मयता से, यही विनम्र गुजारिश है।

मेरी यह यात्रा यही सिखाती है कि हर कठिनाई अपने साथ एक नई सीख लेकर आती है। आत्मविश्वास, निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही, एकता और सौहार्द ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं।

सीखने की ललक आज भी मेरे भीतर जीवित है और मैं निरंतर नए सपनों को साकार करने की दिशा में प्रयासरत हूँ। मेरी यह यात्रा केवल मेरी नहीं, बल्कि हर उस महिला की प्रेरणादायक कहानी है, जो अपने सपनों को साकार करने का साहस रखती है।

MAHESH NYATI +91 94141 14055 | VISHNU SWAROOP +91 94615 96640 | DEEPAK NYATI +91 94615 30302

SHREE KALYAN
TEXTILE MILLS

SHREE KALYAN
— TEXTILE MILL —
THE PERFECT FASHION PARTNER

COTTON
SLUB
DENIM
GREY
FINISH FAB

DEAL IN GREY & FINISH FABRICS
Mail ID : shrikalyantextile@gmail.com

108, NEW CLOTH MARKET
PUR ROAD,BHILWARA

14-15, BADAL MARKET
PUR ROAD,BHILWARA

स्वयं के संकल्पों से होती है हौसलों की ऊँची उड़ान

स्वयंसिद्धा
CA प्रिया कोठारी
श्री कल्याण टेक्सटाइल मिल्स
capriyakothari@gmail.com

आज के समय में महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही हैं। मैं भी उन्हीं महिलाओं में से एक हूँ, जिसने अपने आत्मविश्वास, मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर अपने जीवन को एक नई दिशा दी है। मेरी यह यात्रा संघर्ष, सीख और सफलता का संगम है।

मेरा जन्म राजस्थान के भीलवाड़ा के पास स्थित छोटे से गाँव सांगानेर में हुआ। यह एक साधारण ग्रामीण क्षेत्र था, जहाँ सुविधाएँ सीमित थीं, लेकिन मेरे सपनों की उड़ान हमेशा ऊँची रही। बचपन से ही मैं पढ़ाई में तेज थी और अपने लक्ष्य को लेकर स्पष्ट थी। सीमित संसाधनों के बावजूद मैंने कभी अपने सपनों को छोटा नहीं होने दिया। कठिन परिस्थितियों में भी मैंने पूरी लगन से पढ़ाई जारी रखी। मेरे माता–पिता ने हमेशा मुझे शिक्षा का महत्व समझाया और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मैंने अपने परिवार के सहयोग और अपने समर्पण के बल पर चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) जैसी कठिन परीक्षा को सफलतापूर्वक पास किया। यह उपलब्धि मेरे पूरे परिवार के लिए गर्व का विषय बनी। इस यात्रा में कई चुनौतियाँ आईं, लेकिन मैंने हर कठिनाई को सीख में बदलते हुए आगे बढ़ना जारी रखा। हालाँकि मेरा पेशा वित्तीय क्षेत्र से जुड़ा था, लेकिन मेरे भीतर हमेशा कुछ नया और रचनात्मक करने की इच्छा रही। मैं केवल अपने करियर तक सीमित नहीं रहना चाहती थी, बल्कि समाज के लिए भी कुछ सार्थक करना चाहती थी।

मेरा विवाह बनेड़ा के प्रतिष्ठित न्याति परिवार में हुआ। विवाह के बाद मुझे एक ऐसा परिवार मिला, जिसने मेरे सपनों को समझा और मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। मेरे ससुराल और विशेषकर मेरे पति का सहयोग मेरी सबसे बड़ी ताकत बना। शादी के बाद जिम्मेदारियों के साथ करियर को आगे बढ़ाना आसान नहीं था। नए क्षेत्र में पहचान बनाना, ग्राहकों का विश्वास जीतना और समय का संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण रहा। कई बार परिस्थितियाँ कठिन हुईं, लेकिन मैंने हार नहीं मानी। अपने CA ज्ञान और निर्णय क्षमता के बल पर मैंने धीरे–धीरे अपने काम को आगे बढ़ाया और सफलता की ओर कदम बढ़ाए।

आज मैं कई महिला समूहों से जुड़ी हूँ और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए मार्गदर्शन देती हूँ। मेरा लक्ष्य है कि अधिक से अधिक महिलाएँ आर्थिक रूप से सशक्त बनें और अपने पैरों पर खड़ी हों। मेरा मानना है कि जब एक महिला सशक्त होती है, तो पूरा परिवार और समाज सशक्त होता है।

मेरा विश्वास है– "स्वतंत्रता वह शक्ति है जो हमें ऊँचाइयों तक ले जाती है, जबकि स्वच्छंदता हमें भटका सकती है।" नारी जब अपने मूल्यों के साथ आगे बढ़ती है, तभी वह समाज के लिए प्रेरणा बनती है।

मेरे जीवन का सबसे यादगार क्षण वह था, जब मैंने CA बनने के बाद अपने परिवार की आँखों में गर्व और खुशी देखी। वह क्षण मेरे संघर्ष और मेहनत का सबसे सुंदर परिणाम था।

आज मैं स्वयं को एक स्वयंसिद्धा मानती हूँ, एक ऐसी महिला, जिसने न केवल अपने सपनों को साकार किया, बल्कि समाज में बदलाव की प्रेरणा भी बनी। मेरी यह यात्रा सिखाती है कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, यदि संकल्प मजबूत हो तो सफलता अवश्य मिलती है।

'उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः'

इस प्रसिद्ध संस्कृत सूक्ति है, जिसका अर्थ है कि कार्य मेहनत (उद्यम) से ही सिद्ध होते हैं, न कि केवल इच्छा या सपने देखने (मनोरथ) से। यह सुभाषित सिखाता है कि सफलता के लिए लगातार कर्म और प्रयास अनिवार्य हैं, क्योंकि बिना मेहनत के केवल योजना बनाने से कुछ हासिल नहीं होता।

हुनर से पहचान - सपनों को आकार देती एक यात्रा

स्वयंसिद्धा
कोपल अग्रवाल
संस्थापक, Happy Hours by Kopal
kopal.engg@gmail.com

भीलवाड़ा में जन्मी और अपने परिवार में नाज़ों से पली–बढ़ी, घर की सबसे छोटी बेटी और परिवार की पहली इंजीनियर होने का गौरव मुझे प्राप्त है। मैंने कंप्यूटर साइंस में बी.टेक. की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद मेरी शादी भीलवाड़ा के ही एक सम्पन्न परिवार में हुई, जहाँ मुझे नौकरी करने की अनुमति नहीं मिली।

खाली बैठना मुझे कभी पसंद नहीं था, इसलिए मैंने अपने समय का सदुपयोग करने का निर्णय लिया। मुझे विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाना सीखने में रुचि थी, लेकिन मेरा मन कुछ रचनात्मक और अलग करने का था। चूँकि मेरा पहनावा साड़ी था, तो मैंने सोचा कि क्यों न ब्लाउज़ सिलाई ही सीखी जाए। एक कॉरपोरेट क्षेत्र से जुड़ी लड़की ने फैशन क्षेत्र को चुना।

किस्मत से मुझे एक बहुत अच्छे गुरु का मार्गदर्शन मिला, जिन्होंने मुझे सिलाई की बारीकियाँ सिखाईं। जिस लड़की ने कभी सिलाई मशीन नहीं चलाई थी, वह मात्र दो महीनों में कुशलतापूर्वक सभी प्रकार की लेडीज़ सिलाई सीख गई। इसके बाद मैंने कई ऑनलाइन और ऑफलाइन कोर्स भी किए, जिससे मेरे हुनर में और निखार आया।

शुरुआत में मेरे सास–ससुर इस काम के लिए राज़ी नहीं थे, इसलिए मैंने बिना बताए पार्ट–टाइम काम शुरू किया। जब घर के सभी सदस्य आराम कर रहे होते, तब मैं अपने काम में लगी रहती। धीरे–धीरे मेरे नज़दीकी रिश्तेदार और मित्र मेरे पहले ग्राहक बने। उनके लिए किए गए मेरे काम की सराहना हुई और लोगों को मेरा काम पसंद आने लगा। यही मेरी मेहनत का पहला फल था। जब मेरे सास–ससुर ने लोगों से मेरे काम की तारीफ सुनी, तो उन्होंने भी मेरा साथ देना शुरू किया।

धीरे–धीरे मेरा काम पार्ट–टाइम से फुल–टाइम में बदल गया। कोविड के बाद मैंने स्थानीय प्रदर्शनियों में भाग लेना शुरू किया, जहाँ मैंने हस्तनिर्मित मास्क, पोटली बैग, सिक्कों के पाउच और पूजा में उपयोग होने वाले वस्त्र प्रदर्शित किए। इससे लोगों को मेरे काम के बारे में जानने का अवसर मिला और मेरा कार्य भी बढ़ने लगा।

आज मेरे बुटीक के माध्यम से पाँच महिलाओं को रोजगार प्राप्त हो रहा है। केवल भीलवाड़ा ही नहीं, बल्कि बाहर से भी महिलाएँ मेरे पास सिलाई के लिए आती हैं। अब मैं सिलाई के साथ–साथ सूट के कपड़े भी उपलब्ध करवा रही हूँ। नौकरीपेशा परिवार से होने के कारण व्यवसाय के गुर मैंने अपने पति से सीखे।

अपने काम और परिवार के बीच संतुलन बनाना मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती रहा है। सीमित कारीगरों के साथ समय पर ग्राहकों को काम देना, परिवार को समय देना और घर की जिम्मेदारियों को निभाना–इन सबको एक साथ संभालना आसान नहीं था।

कई बार लोगों ने तंज भी कसा कि इंजीनियर होकर सिलाई का काम क्यों कर रही हूँ और किसी अच्छी कंपनी में नौकरी क्यों नहीं करती। तब मेरे पिताजी ने मुझे समझाया कि पढ़ाई का उद्देश्य स्वयं को सशक्त बनाना है, यह आवश्यक नहीं कि हम उसी क्षेत्र में कार्य करें।

मैं अपने माता–पिता की आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे इस मुकाम तक पहुँचने के योग्य बनाया। भविष्य में मैं एक सिलाई केंद्र खोलना चाहती हूँ, जहाँ महिलाएँ सिलाई सीखकर आत्मनिर्भर बन सकें। अंत में सभी महिलाओं से मैं यही कहना चाहूँगी–

हौसला न हार कुड़िये, वक्त यहीं थम जाएगा, तरक्की तेरी देख के, ज़माना सारा जल जाएगा।

और जहाँ समस्या बनी समाधान की प्रेरणा

स्वयंसिद्धा
नेतल झंवर
सह-संस्थापक, नवतारा ऑर्गेनिक्स
navtaraorganics@gmail.com

मेरी कहानी किसी बड़े प्लान से नहीं, बल्कि एक छोटे से अनुभव से शुरू हुई– एक ऐसा अनुभव, जिसने मुझे यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या हम सच में सही स्किन प्रोडक्ट्स इस्तेमाल कर रहे हैं।

मेरी परवरिश रायपुर (छत्तीसगढ़) में हुई। मेरी यात्रा पारंपरिक रास्तों से थोड़ी अलग रही है, जहाँ मैंने अपने फैसलों और हिम्मत के साथ आगे बढ़ने का प्रयास किया। **मैं पेशे से पब्लिक रिलेशंस (PR) प्रोफेशनल रही हूँ। मुंबई जैसे बड़े शहरों में काम करते हुए मुझे ब्रांड्स, लोगों और मार्केट की अच्छी समझ मिली। वहीं से मुझे कुछ अपना करने का आत्मविश्वास भी मिला। शादी के बाद मैं भीलवाड़ा आई, तो जिंदगी ने एक नया मोड़ लिया। यह शहर मुंबई से अलग था– अवसर सीमित थे, लेकिन मैंने इसे एक नई शुरुआत के रूप में देखा।** इसी दौरान मेरे ससुरजी CA श्री शिव प्रकाश झंवर ने अपना ब्रांड बनाने का विचार मेरे साथ साझा किया। मेरे लिए यह एक सुनहरा अवसर था और मैंने इस दिशा में कदम बढ़ाया।

मेरे एक व्यक्तिगत अनुभव ने इस निर्णय को और मजबूत कर दिया। मैंने पहले कभी ज्यादा मेकअप या पार्लर प्रोडक्ट्स का उपयोग नहीं किया था, लेकिन अपनी शादी के दौरान कई प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से मेरी त्वचा पर रिएक्शन हो गया। मेरी ओवरसेंसिटिव स्किन उन्हें सहन नहीं कर पाई। उसी समय मुझे महसूस हुआ कि बाजार में सुरक्षित और सौम्य प्रोडक्ट्स की कितनी कमी है। यहीं से नवतारा ऑर्गेनिक्स को लेकर मेरे अंदर एक विश्वास बना–कि मेरे जैसे अनेक लोग हैं, जिन्हें ऐसे प्रोडक्ट्स की जरूरत है, जिन पर वे भरोसा कर सकें।

मेरे पति यश झंवर के साथ मिलकर मैंने इस विचार को आगे बढ़ाया। नवरतन हर्ब्स के अंतर्गत **नवतारा ऑर्गेनिक्स, इरा और एका जैसे ब्रांड्स पर काम शुरू किया। नवतारा ऑर्गेनिक्स में हम नैचुरल स्किन और हेयर केयर उत्पाद बनाने का प्रयास कर रहे हैं, जो सुरक्षित, प्रभावी और रोज़मर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त हों।** शुरुआत में सही कच्चा माल ढूंढना, भरोसेमंद सप्लायर्स के साथ काम करना और गुणवत्ता बनाए रखना–ये सभी मेरे लिए नए अनुभव थे। चुनौतियां आईं, लेकिन हर कदम ने मुझे सिखाया और आगे बढ़ाया। मेरे PR बैकग्राउंड ने मुझे ग्राहकों से जुड़ने और ब्रांड को सही तरीके से प्रस्तुत करने में मदद की, जिससे विश्वास बनाना आसान हुआ।

आज, लगभग 2 वर्षों में नवतारा ऑर्गेनिक्स अपनी पहचान बना रहा है। हमारे प्रोडक्ट्स जैसे शैंपू, उबटन, क्रीम, लोशन, बॉडी वॉश, सोप और हेयर ऑयल्स लोगों तक पहुंच रहे हैं और भरोसा भी जीत रहे हैं। साथ ही हम अपने पापाजी के साथ मिलकर कुछ विशेष आयुर्वेदिक दवाइयों पर भी काम कर रहे हैं–जैसे स्त्री रोगों, अस्थमा और हेयर फॉल जैसी समस्याओं के समाधान। इन फॉर्मूलेशन्स पर पेटेंट प्रक्रिया जारी है और हजारों लोग इनसे लाभ ले चुके हैं।

मेरा लक्ष्य स्पष्ट है–ऐसे उत्पाद बनाना, जिन पर लोग आँख बंद करके भरोसा कर सकें। मेरे लिए सबसे खुशी का पल वह होता है, जब कोई ग्राहक संतुष्ट होकर दोबारा हमारे पास आता है। **मेरे अनुभव में, हर महिला के पास कुछ न कुछ ऐसा जरूर होता है जिसे वह अपना बना सकती है–जरूरत बस खुद पर भरोसा करने और शुरुआत करने की है। हर दिन इस सफर को थोड़ा और बेहतर बनाना ही आज मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है।**

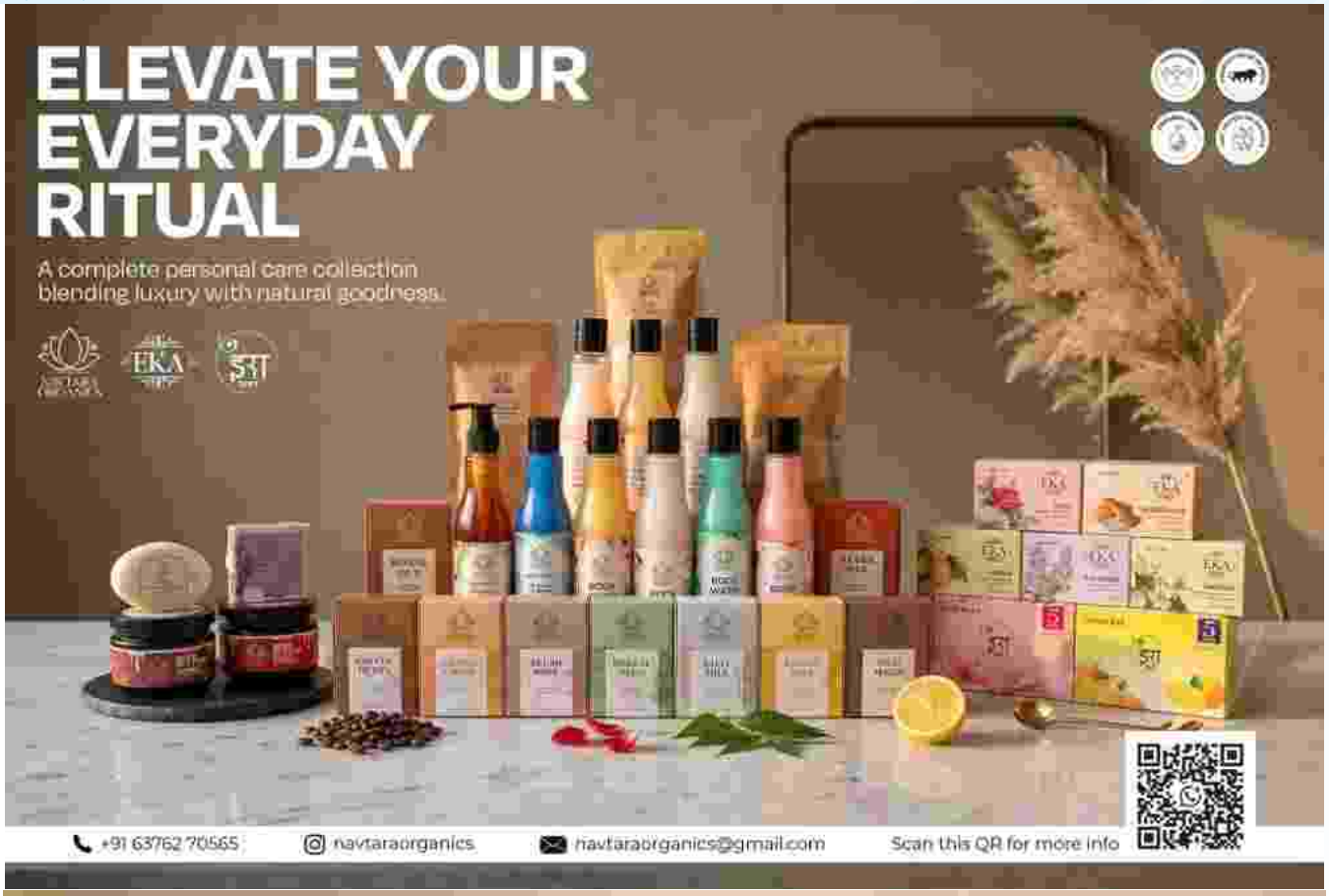
ELEVATE YOUR
EVERYDAY
RITUAL
A complete personal care collection
blending luxury with natural goodness.
EKA
+91 63762 70565
navtaraorganics
navtaraorganics@gmail.com
Scan this QR for more info

Swadeshi
FLAVORS
शुद्धता एवं विश्वास के प्रतीक
Swadeshi Food & Pickles
Village- Pansal, Bhilwara (Raj.) Mob: 9252999143, 7728975187

मेहनत की खुशबू से मिला, सफलता का स्वाद

स्वयंसिद्धा
संगीता काकानी
स्वदेशी फूड - पिकल
मांडल, भीलवाड़ा
sangeetakakhani66@gmail.com

मैं भीलवाड़ा जिले के मांडल क्षेत्र की साधारण सी महिला हूँ, लेकिन अपने आत्मविश्वास, मेहनत और पारिवारिक सहयोग के बल पर मैंने अपने छोटे से कार्य को एक सफल लघु उद्योग में परिणत किया है। मेरा जन्म और पालन–पोषण एक ऐसे परिवार में हुआ जहाँ परिश्रम और संस्कारों को जीवन का आधार माना जाता था।

आज मैं "स्वदेशी फूड – पिकल" नाम से अपना व्यवसाय संचालित कर रही हूँ। यह एक खाद्य प्रसंस्करण उद्योग है, जिसमें पारंपरिक तरीके से 22 प्रकार के अचार, 6 प्रकार के शरबत एवं 5 प्रकार के सॉस बनाए जाते हैं। मेरे उत्पादों की सबसे बड़ी विशेषता उनकी शुद्धता और पारंपरिक स्वाद है, जिसे मैं आज भी अपने बुजुर्गों की विधि से बनाए रखने का प्रयास करती हूँ।

शैक्षणिक रूप से मैंने बी.ए. तक की पढ़ाई की है। हालांकि मैंने इस क्षेत्र में कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं लिया, लेकिन परिवार से मिली सीख, अपने अनुभव और निरंतर अभ्यास के माध्यम से मैंने इस कार्य में दक्षता प्राप्त की। पारंपरिक व्यंजन बनाना, नए स्वाद विकसित करना और समाज सेवा में योगदान देना हमेशा से मेरी रुचि का हिस्सा रहा है।

यह व्यवसाय मुझसे पहले मेरे ससुर जी और पति द्वारा संचालित किया जाता था। मेरी सासुजी सरकारी नौकरी में थीं, जिनसे प्रेरित होकर मैंने भी कुछ अलग करने का निश्चय किया। वर्ष 2009 में मैंने इस कार्य में सक्रिय रूप से जुड़कर काम शुरू किया। उस समय मेरे पति प्रदर्शनी में स्टॉल लगाते थे, जबकि मैं घर पर उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण और पैकिंग का पूरा कार्य संभालती थी। धीरे–धीरे इस कार्य के प्रति मेरी जिम्मेदारी और लगाव बढ़ता गया और मैंने इसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

शुरुआती दौर में मुझे कई आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी। अपने धैर्य और निरंतर प्रयासों के बल पर आज यह कार्य एक सफल लघु उद्योग बन चुका है, जहाँ लगभग 25–30 महिलाएँ कार्यरत हैं। मुझे इस बात का विशेष संतोष है कि मैंने कई महिलाओं को रोजगार देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया, विशेष रूप से उन महिलाओं को, जिनके पास कोई सहारा नहीं था।

मुझे कई बार उद्योग संवर्धन के लिए सम्मानित किया गया है और विभिन्न राजकीय कार्यक्रमों में भी पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। मैं लघु उद्योग भारती की सक्रिय सदस्य रही हूँ और महेश्वरी महिला मंडल में सचिव के पद पर भी कार्य कर चुकी हूँ। इसके साथ ही मैं समाज और क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रूप से भाग लेती हूँ।

मेरा लक्ष्य अपने व्यवसाय को एक मजबूत ब्रांड के रूप में स्थापित करना और अपने उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाना है। मेरे जीवन का सबसे यादगार क्षण वह है जब मेरे साथ काम करने वाली महिलाएँ आत्मनिर्भर बनीं और अपने परिवार का सहारा बनीं। यही मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है। मैं मानती हूँ कि यदि मन में विश्वास हो, मेहनत करने का जज्बा हो और परिवार का साथ मिले, तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता। हर छोटी शुरुआत एक बड़े मुकाम तक पहुँच सकती है, बस जरूरत होती है पहला कदम उठाने की।

आज मेरा प्रयास केवल अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाना नहीं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी यह विश्वास दिलाना है कि वे भी अपने सपनों को साकार कर सकती हैं और आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

शिक्षा, उद्यमिता एवं सामाजिक क्षेत्र में पल्लवित शिखा

स्वयंसिद्धा
शिखा घाटीवाला भदादा
प्रमुख शिक्षाविद,
उद्यमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता
shikhabhadada2@gmail.com

एक नवीन शुरुआत हमेशा मेरा इंतजार करती रही है। जीवन में पहला कदम सबसे महत्वपूर्ण होता है, और मेरे लिए यही विश्वास मेरी पहचान बना। आज मेरा नाम शिक्षा, उद्यमिता एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणास्रोत के रूप में स्थापित है।

मेरा जन्म 23 अक्टूबर, 1974 को जयपुर में प्रसिद्ध उद्योगपति श्री मोहन दास जी और श्रीमती निर्मला जी घाटीवाला के यहाँ हुआ। 16 जनवरी, 1996 को मेरा विवाह भीलवाड़ा के श्री नवीन जी भदादा के साथ हुआ। मुझे पुत्र ध्रुव और शांतनु के रूप में दो संतान प्राप्त हुई। परिवार ने मुझे हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और हर कदम पर मेरा साथ दिया।

राजस्थान के भीलवाड़ा जैसे अर्ध–शहरी क्षेत्र में सीमित संसाधनों के बावजूद मैंने हमेशा बड़े सपने देखे और उन्हें साकार करने का साहस रखा। जिस समय अधिकांश लोग कंप्यूटर को केवल टीवी पर देखते थे, उस समय कंप्यूटर इंस्टिट्यूट स्थापित करने का निर्णय लेना मेरे लिए एक बड़ा और चुनौतीपूर्ण कदम था। मैंने कंप्यूटर एप्लीकेशंस में पोस्ट ग्रेजुएशन किया और स्वयं को इस क्षेत्र में प्रशिक्षित किया।

वर्ष 1996 में मैंने भीलवाड़ा का पहला वृहद कंप्यूटर इंस्टिट्यूट 'फर्स्ट कंप्यूटर' स्थापित किया, जब कंप्यूटर शिक्षा लगभग नगण्य थी। मेरा उद्देश्य स्पष्ट था–छोटे शहरों के युवाओं को भी आधुनिक शिक्षा और कौशल विकास के अवसर प्रदान करना। शुरुआती दौर में संसाधनों की कमी, जागरूकता का अभाव और सामाजिक व पारिवारिक चुनौतियाँ मेरे सामने थीं, लेकिन मैंने हर बाधा को अवसर में बदलने का प्रयास किया।

वर्ष 2002 तक मैं लगभग 4000 विद्यार्थियों और पेशेवरों को प्रशिक्षित करने में सफल रही और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दिया। इसी वर्ष मैंने 'कंचन देवी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस' की स्थापना की, जो आज शिक्षा के क्षेत्र में एक सशक्त स्तंभ है। बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कंचन देवी कॉलेज ऑफ कंप्यूटर साइंस, पीजी कॉलेज, बी.एड. कॉलेज और आईटी ज्ञान केंद्र की स्थापना की। साथ ही 'शिखा कंसल्टेंट्स' के माध्यम से स्किल डेवलपमेंट, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में कार्य करना शुरू किया। मेरी उद्यमशीलता का एक और प्रयास 'विया ज्वैल्स' है, जहाँ पारंपरिक आभूषणों को आधुनिक डिजाइन के साथ प्रस्तुत किया जाता है।

सामाजिक क्षेत्र में भी मैंने सक्रिय भूमिका निभाई है। मैं अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन (ABMMS) में ऑल इंडिया जॉइंट सेक्रेटरी (पश्चिमांचल) के रूप में कार्य कर रही हूँ और रोटरी व इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष भी रह चुकी हूँ।

मैंने 155 से अधिक शहरों में स्वास्थ्य और सामाजिक जागरूकता अभियानों का नेतृत्व किया है। मेरे 200 से अधिक प्रेरक भाषणों के माध्यम से 20,000 से अधिक महिलाओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की दिशा में प्रेरित करने का अवसर मिला। मेरे लिए यह केवल कार्य नहीं, बल्कि समाज को कुछ लौटाने का माध्यम है।

मेरे कार्यों के लिए मुझे अनेक राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें 'यंग वूमेन बिजनेस एंटरप्रेन्योर', 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स', 'शिक्षा भूषण', 'शहीद की बेटी सम्मान' और 'गौरव सम्मान' प्रमुख हैं।

मैं मानती हूँ कि हर महिला के भीतर असीम संभावनाएँ होती हैं। आवश्यकता केवल अपने भीतर के विश्वास को पहचानने और पहला कदम उठाने की होती है। यदि हम अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें, तो कोई भी चुनौती हमें रोक नहीं सकती।

मेरे जीवन का संदेश हमेशा यही रहा है–

'सीढ़ियां उन्हें मुबारक हो, जिन्हें सिर्फ छत तक जाना है,
मेरी मंजिल तो आसमान है,
और अपना रास्ता मुझे स्वयं बनाना है।'

आज की नारी – आत्मनिर्भर नारी

स्वयंसिद्धा
अर्चना अजमेरा
अर्चना क्रिएशंस, भीलवाड़ा
archanaajmera15@gmail.com

मेरा जन्म टोंक में हुआ और बचपन धार्मिक वातावरण और कानून की किताबों के बीच बीता। माताजी अत्यंत धार्मिक महिला थीं और पिताजी शहर के सबसे बड़े वकील थे। लेकिन मेरे भीतर रचनात्मकता बचपन से ही थी। किसी भी साधारण वस्तु को सजाकर सुंदर बना देना मेरी रुचि रही है।

मेरी शादी भीलवाड़ा के एक व्यापारिक परिवार में हुई। जीवन के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर, शादी के लगभग 10 साल बाद मैंने B.Ed. करने का निर्णय लिया और अपने बैच में प्रथम स्थान हासिल किया। यह मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण पड़ाव था।

इसके बाद मेरे सामने एक बड़ा निर्णय था– एक सुरक्षित नौकरी चुनना या कुछ अपना शुरू करना। मैंने व्यापार को चुना। वर्ष 2011 में मैंने शादी के सामान और पैकिंग के साथ–साथ राखी और दीपावली की सजावटी वस्तुओं से अपने व्यवसाय की शुरुआत की। मैं अपने परिवार की पहली महिला उद्यमी हूँ। शुरुआती समय में मुझे सामाजिक स्तर पर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। साथ ही, छोटे बच्चों की जिम्मेदारियों के कारण घरेलू स्तर पर भी कठिनाइयाँ आईं। कई बार परिस्थितियाँ ऐसी बनीं कि लगा रुक जाना चाहिए, लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मेरे पति ने हर कदम पर मेरा साथ दिया, जो मेरी सबसे बड़ी ताकत बना।

व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए मैंने भारत के विभिन्न शहरों का भ्रमण किया। मात्र तीन वर्षों के भीतर ही मैं देशभर के हस्तकला कारीगरों से जुड़ गई, जिनमें महिलाओं की संख्या अधिक थी। इसी दौरान 'ध्रुव राखी' के नाम को हमने ब्रांड के रूप में स्थापित किया और अपने काम को एक नई पहचान दी।

आज केवल भीलवाड़ा शहर में ही मेरे काम को लोग नहीं जानते, बल्कि भारत के विभिन्न शहरों से आगे निकल विदेशों तक भी हमारे उत्पाद पहुँच रहे हैं। यह मेरे लिए गर्व और संतोष का विषय है कि मेरी मेहनत ने मुझे एक पहचान दिलाई। इस व्यापार के माध्यम से मैंने न केवल स्वयं को आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि भीलवाड़ा सहित देश के विभिन्न शहरों की कई महिलाओं को रोजगार देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त किया है। मेरा मानना है कि जब एक महिला आत्मनिर्भर बनती है, तो वह अपने परिवार और समाज दोनों को मजबूत बनाती है।

मेरे इस सफर ने मुझे सिखाया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमता और अपने अस्तित्व को पहचानने का माध्यम है। हर कठिनाई ने मुझे और मजबूत बनाया है और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। मैं सभी महिलाओं से यही कहना चाहूँगी कि वे अपने अंदर की शक्ति को पहचानें और अपनी एक अलग पहचान बनाएं। परिस्थितियाँ कैसी भी हों, यदि हौसला मजबूत हो, तो सफलता जरूर मिलती है।

कुछ पंक्तियाँ सभी महिलाओं के लिए–

'नारी, तुम में छिपी है शक्ति, पहचानो इसे।
साहस से सामना करो इस समर का,
कमजोर मत मानो अपने को।
करो परिश्रम अथक तुम कि आकाश छू जाओ,
इतनी ऊँची उठो कि इतिहास रच जाओ।'

मेरा विश्वास है कि हर महिला के भीतर कुछ न कुछ अलग करने की क्षमता होती है, बस उसे पहचानने और सही दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता होती है।

@ARCHANA_CREATIONS_

A Complete Wedding & Festive Decor House

ARCHANA CREATIONS

तोरण, मोड़, गठजोड़ा, राखी, बंधनवार, बारात स्वागत सहित
वैवाहिक आईटम की सम्पूर्ण रेंज पैकिंग की सुविधा के साथ उपलब्ध है।

ABOVE SOMANI SAREES, NETAJI SUBHASH MARKET, BHILWARA (RAJ)
MOB : 97842 89330

With Best Compliments

Shikha Bhadada

CHAIRPERSON | KANCHAN DEVI GROUP

- Kanchan Devi B.Ed College
- Kanchan Devi P.G. College
- Viya Jewels
- Shikha Consultants

Viya Jewels
Deals in Diamond Jewellery, Copper and Alloys Jewellery

Shikha Consultants
Placement Services with Client Centric approach

KANCHAN DEVI GROUP - CONTACT DETAILS

Contact Us On
+91 70148 81283 , +91 80003 39668

Our Website
www.kanchandevicollege.in

Email Address
kdgcbhl@gmail.com

Instagram
@kanchandevicollege

Facebook
Kanchan Devi Group of Colleges

Kanchan Vihar, Pansal Road, Bhilwara (Raj.) 311001

धागों से पिरोया वो सपना जो बना बड़ी पहचान

स्वयंसिद्धा
सौम्या अमन काबरा एवं गुड्डी काबरा
संस्थापक - सत्यम एंटरप्राइजेज एवं सत्यम फैशन हब
saumyasriv.0509@gmail.com

हर धागे में एक कहानी है, हर कपड़े में एक पहचान।
मेहनत से बुनी है ये विरासत, सपनों से बना है ये जहान।

हर बड़ी सफलता की शुरुआत एक छोटे से विश्वास से होती है। सत्यम एंटरप्राइजेज की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। एक छोटे से लघु उद्योग से शुरू होकर आज विश्वास और गुणवत्ता की मजबूत पहचान बनने तक की यात्रा। यह केवल व्यापार की कहानी नहीं, बल्कि साहस, आत्मनिर्भरता और परिवार के अटूट सहयोग से बुनी एक विरासत है।

नींव- जहाँ से सब शुरू हुआ

इस कहानी की मजबूत नींव रखी श्रीमती गुड्डी काबरा ने। **सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने आत्मविश्वास, परिश्रम और दृढ़ संकल्प से इस व्यवसाय को आगे बढ़ाया। उनके लिए यह केवल रोजगार नहीं था, बल्कि आत्मसम्मान, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक था। 'छोटे से ख्वाब से शुरू हुई थी ये कहानी, आज बन चुकी है मेहनत की निशानी।'**

नई सोच, नई दिशा

जब मैं इस परिवार का हिस्सा बनी, तो मैंने इस व्यवसाय को केवल काम नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी और अवसर के रूप में देखा। **बचपन से ही मेरी रुचि फैशन और डिजाइनिंग में रही है, और मन में यह इच्छा थी कि इस पारंपरिक व्यवसाय को आधुनिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जाए। जब मैंने इस सफर को आगे ले जाने का निर्णय लिया, तब मेरे साथ सिर्फ मेरा सपना नहीं था– मेरा पूरा परिवार मेरे साथ खड़ा था। ससुराल का सहयोग और मायके का विश्वास हर कदम पर मेरी ताकत बने।**

जीवनसाथी का साथ बना शक्ति

इस पूरी यात्रा में मेरे जीवनसाथी अमन काबरा का साथ मेरे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा रहा। उनका विश्वास, समझ और निरंतर सहयोग हर चुनौती को आसान बना देता है। जब साथ हो अपनों का, तो हर राह आसान लगती है, सपनों को हकीकत में बदलने की हिम्मत मिलती है। इसी सोच और सहयोग से जन्म हुआ सत्यम फैशन हब का

सत्यम फैशन हब- परंपरा और आधुनिकता का संगम

एक ऐसा मंच जहाँ परंपरागत विरासत और आधुनिक फैशन का सुंदर मेल देखने को मिलता है। यह केवल एक ब्रांड नहीं, बल्कि एक विचार है, जिसमें गुणवत्ता, डिजाइन और विश्वास को सर्वोपरि रखा गया है। यहाँ हर उत्पाद में परंपरा की गहराई और आधुनिकता की झलक दिखाई देती है।

सत्यम एंटरप्राइजेज- गुणवत्ता की पहचान

वर्ष 2022 में स्थापित सत्यम एंटरप्राइजेज आज प्रीमियम यार्न और फैब्रिक्स के उत्पादन एवं वितरण में एक सशक्त नाम बन चुका है।

हमारे प्रमुख उत्पाद हैं –

- टेक्सचर्ड यार्न
- पॉलिएस्टर यार्न
- कॉटन यार्न
- पॉलीप्रोपाइलीन मल्टीफिलामेंट यार्न

गुणवत्ता, भरोसे और निरंतर सुधार के साथ हम घरेलू बाजार में मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं। हर धागे में भरोसा है, हर कपड़े में गुणवत्ता–

यही है सत्यम की असली पहचान और विरासत।

आज और आने वाला कल

आज जब पीछे मुड़कर देखते हैं, तो यह केवल एक व्यवसाय की यात्रा नहीं लगती– यह एक परिवार, एक विश्वास और एक सपने की कहानी है। एक ऐसी कहानी– जहाँ एक पीढ़ी ने नींव रखी, दूसरी ने उसे नई पहचान दी, और आने वाली पीढ़ियाँ इसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगी। सत्यम एंटरप्राइजेज और सत्यम फैशन हब मेरे लिए सिर्फ नाम नहीं हैं– यह मेरी पहचान, मेरा सपना और मेरे परिवार का आशीर्वाद हैं। ये सिर्फ कारोबार नहीं, एक एहसास है, हर कदम पर जुड़ा हुआ परिवार का विश्वास है।

Satyam
Fashion Hub

We have all varierty of kurtis, suits, Co-ord, Short kurti, Top, plazzo, Pants & Gowns

*Plus Sizes also Available
S to 8XL

7891079777
Satyam_fashions05
A-323 ,Vijay Singh Pathik Nagar, Bhilwara

HEMA COLLECTION

RIGHT STORE, RIGHT PRICE

Hema Bhandari
— Owner —

- Amway
- Tupperware
- Oriflame
- Modicare
- Wonderchef
- C9
- Bedsheets
- All Bags • Herbal Mehandi • Wax Powder • Hot and Cold Unique and Cute Bottles,
- Sanitary Pads • Butter Roll, Butter Paper, Aloevera Gel • Online Products and etc...

9 Ashok Nagar, Opposite Bharat Gas Agency, Near Roadways Bus Stand, Bhilwara, Rajasthan - 311001.

9694709999
hema_bhandari_80
Hema Bhandari

छोटी शुरुआत से बड़ी पहचान – आत्मविश्वास की कहानी

स्वयंसिद्धा
हेमा भंडारी
संस्थापक, हेमा कलेक्शन
hemabhandari0125@gmail.com

मेरा जन्म अहमदाबाद में हुआ। मैंने बी.कॉम. तक पढ़ाई की है और हमेशा से ही कुछ अपना करने का सपना देखा। बचपन से मुझे पेंटिंग, कुकिंग और बैडमिंटन का बहुत शौक रहा है, जिससे मेरे अंदर सृजनात्मकता और आत्मविश्वास दोनों विकसित हुए। यही रुचियाँ आगे चलकर मेरे व्यक्तित्व की ताकत बनीं और मुझे कुछ नया करने के लिए प्रेरित करती रहीं।

मेरे जीवन में मेरे परिवार का बहुत बड़ा योगदान रहा है। मेरे माता–पिता स्व. बंसीलाल जी और कमला बेन पामेचा ने मुझे अच्छे संस्कार दिए। शादी के बाद मेरे पति शोभित भंडारी, सास–ससुर और मेरे बच्चों ने हर कदम पर मेरा साथ दिया। घर की जिम्मेदारियों के साथ–साथ मुझे आगे बढ़ने के लिए हमेशा प्रेरित किया, जो मेरी सबसे बड़ी ताकत बनी। परिवार का विश्वास ही वह आधार है, जिस पर मैंने अपने सपनों की नींव रखी।

मेरे व्यवसाय की शुरुआत साल 2011 में बहुत ही छोटे स्तर से हुई। मैंने मात्र 5000 रुपये से Oriflame के प्रोडक्ट्स के साथ काम शुरू किया। उस समय **मैं खुद ही छोटे–छोटे ऑर्डर लेती थी और जब 100 रुपये का भी मुनाफा होता था, तो मुझे बहुत खुशी मिलती थी। खास बात यह रही कि मैंने कभी भी अपने पति से बिजनेस के लिए पैसे नहीं लिए, बल्कि खुद के दम पर धीरे–धीरे आगे बढ़ती गई। यह आत्मनिर्भरता ही मेरे आत्मविश्वास का सबसे बड़ा कारण बनी।**

इसके बाद मैंने एक–एक करके Tupperware, Amway, Modicare और Wonderchef जैसी कंपनियों के साथ जुड़कर अपने काम को बढ़ाया। साथ ही मैंने बैग्स, किचन आइटम्स, बटर पेपर, सेनेटरी प्रोडक्ट्स, हर्बल मेहंदी और अन्य घरेलू उपयोग की चीजें भी अपने व्यवसाय में शामिल कीं। समय के साथ मैंने अपने ग्राहकों की जरूरतों को समझा और उसी के अनुसार अपने उत्पादों में विविधता लाई।

शुरुआती समय आसान नहीं था। कई बार मुझे ऑनलाइन व्यापार में नुकसान भी हुआ, जब भरोसा करके माल भेजा और पैसे नहीं मिले। लेकिन मैंने इन परिस्थितियों से सीख ली और कभी हार नहीं मानी। हर चुनौती ने मुझे और मजबूत बनाया और आगे बढ़ने का हौसला दिया। घर और काम दोनों की जिम्मेदारियों को निभाते हुए मैंने अपने व्यवसाय को निरंतर आगे बढ़ाया।

मेरे व्यवसाय में बड़ा बदलाव तब आया; जब मैंने एग्ज़िबिशन में भाग लेना शुरू किया। अब तक मैं 7–8 एग्ज़िबिशन कर चुकी हूँ, जिससे मेरे काम को एक नई पहचान मिली। आज मेरा 'हेमा कलेक्शन' भारत के कई शहरों जैसे गोवा, मुंबई, दिल्ली, सूरत, जयपुर, बेंगलुरु आदि तक पहुंच चुका है। यह मेरे लिए गर्व का विषय है कि एक छोटे से प्रयास ने आज इतनी बड़ी पहचान बना ली है।

मेरा लक्ष्य है कि मैं भीलवाड़ा में रहकर अपने 'हेमा कलेक्शन' को पूरे भारत में एक मजबूत ब्रांड के रूप में स्थापित करूँ। मेरे जीवन का सबसे यादगार क्षण वह है जब मैंने अपनी मेहनत से अपने व्यवसाय को बढ़ते हुए देखा और अपने परिवार को गर्व महसूस करवाया।

मैं सभी **महिलाओं से यही कहना चाहती हूँ कि अगर आपके पास कोई हुनर है, तो उसे पहचानें और उस पर काम करें। शुरुआत छोटी हो सकती है, लेकिन अगर आत्मविश्वास और मेहनत साथ हो, तो सफलता जरूर मिलती है।**

बरसों से और बड़ों से हमेशा सुनते आये हैं–

जब इरादे मजबूत हों और मेहनत सच्ची हो, तो छोटे कदम भी आपको बड़ी मंजिल तक जरूर पहुँचाते हैं।

Rish Emporium

~ marble handicrafts & imitation jewellery

A One Departmental Store
Shreeji Medicos

Vardhman colony
(Shree guest house road)
9460988556

SATYAM TEX FABB

WE DEAL IN ALL TYPES OF AIRJET MACHINERY

- High Performance Machines
- Original & Durable Parts
- Fast Service & Expert Supports
- Competitive Price

- AVAILABLE :
- NOZZLES
- VALVES
- SENSORS
- ELECTRONIC PARTS
- COMPLETE MACHINE SOLUTIONS

A-1, S.K.PLAZA
PUR ROAD,BHILWARA

SANJEEV ARORA +91 98293 12677 | SHUBH ARORA +91 91191 53530

शौक से शुरू किये सफर ने दिया स्वावलंबन और सफलता

स्वयंसिद्धा
ऐश्वर्या अग्रवाल
फाउंडर - ऐश एम्पोरियम
aishemporium123@gmail.com

मेरी शिक्षा एम.ए. और बी.एड. है। बचपन से ही मुझे आर्ट और हैंडीक्राफ्ट आइटम्स में गहरी रुचि रही है। स्कूल और कॉलेज के समय में प्रेसीडेंट के रूप में कार्य करते हुए मैंने नेतृत्व करना सीखा और लोगों से जुड़ने का आत्मविश्वास प्राप्त किया।

मेरे जीवन में एक अहम मोड़ तब आया, जब मैंने अपने शौक को अपने करियर में बदलने का निर्णय लिया। मुझे ज्वेलरी पहनने का बहुत शौक था, लेकिन गोल्ड ज्वेलरी महंगी होने के कारण मैंने आर्टिफिशियल ज्वेलरी की ओर रुख किया। यही रुचि धीरे–धीरे मेरे व्यवसाय "ऐश एम्पोरियम" की नींव बनी, जिसमें आज मार्बल हैंडीक्राफ्ट और इमिटेशन ज्वेलरी का आकर्षक और सुंदर संग्रह उपलब्ध है।

मेरे पति फार्मास्युटिकल कंपनी में Zonal Sales Manager थे, लेकिन उन्होंने अपनी स्थिर नौकरी छोड़कर स्वयं का व्यवसाय शुरू किया– 'एवन डिपार्टमेंट स्टोर' और 'श्रीजी मेडिकोज़'। उनके इस निर्णय में मैं हर कदम पर उनके साथ खड़ी रही और आज भी उनके दोनों कार्यों में सक्रिय रूप से सहयोग करती हूँ। इसी के साथ मैंने अपने सपनों को भी साकार करने का साहस जुटाया।

मैंने अपने व्यवसाय की शुरुआत केवल 1000 रुपये से की थी। उसी छोटे से निवेश को निरंतर आगे बढ़ाते हुए मैंने अपने कार्य को धीरे–धीरे विस्तार दिया। यह सफर बिल्कुल आसान नहीं था– कई कठिनाइयाँ आईं, कई बार निराशा ने घेरा, लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी और अपने प्रयासों को लगातार जारी रखा। आज 'ऐश एम्पोरियम' ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्लेटफॉर्म पर सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। मैंने इसे अपने घर से शुरू किया, जो मेरे पति के कार्यस्थल के ऊपर स्थित है। आज मुझे ग्राहकों से बेहद सकारात्मक और उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है, जो मेरे आत्मविश्वास को और मजबूत बनाती है।

इस दौरान मैं लघु उद्योग भारती से भी जुड़ी, जहाँ मुझे सीखने, नए लोगों से मिलने और आगे बढ़ने के अनेक अवसर प्राप्त हुए। इस मंच ने मुझे आत्मविश्वास, मार्गदर्शन और सहयोग–तीनों प्रदान किए।

आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूँ, तो गर्व महसूस होता है कि मैंने अपने शौक को अपने पेशे में बदलकर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। यह सफर मेरे लिए केवल व्यवसाय तक सीमित नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान की एक सशक्त कहानी है।

आगे भी मैं इसी तरह निरंतर प्रगति करती रहना चाहती हूँ और अपने कार्य के माध्यम से अधिक से अधिक महिलाओं को प्रेरित करना चाहती हूँ, ताकि वे भी अपने शौक और हुनर को पहचान कर उसे अपनी ताकत बना सकें।

मेरी यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि यदि दृढ़ निश्चय, मेहनत और विश्वास हो, तो एक छोटा–सा प्रयास भी बड़ी सफलता में बदल सकता है।

○○○

रसायन से कॉमर्स तक स्वर्ण पदक विजेता की उद्यमिता यात्रा

स्वयंसिद्धा
ममता चालाना
प्रोपराइटर, Satyam Tex Fabb, भीलवाड़ा
mamta.allen@gmail.com

सन् 1975 में राजस्थान के श्रीगंगानगर में मेरा जन्म हुआ–उस सरहदी शहर में, जहाँ मेहनत, अनुशासन और संस्कार जीवन की पहली पाठशाला होते हैं। बचपन से ही मैंने अपने हर कार्य को पूरी लगन और समर्पण के साथ करने का संकल्प लिया। मैंने विज्ञान को अपनी राह चुना और राजकीय महाविद्यालय, श्रीगंगानगर से M.Sc. रसायन विज्ञान में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। यह उपलब्धि मेरे लिए केवल एक सम्मान नहीं थी, बल्कि मेरे व्यक्तित्व की उस सोच का प्रमाण थी–कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास सच्चे हों, तो सफलता निश्चित है।

विवाह के बाद जब मैं भीलवाड़ा आई, तो मेरे जीवन का एक नया अध्याय शुरू हुआ। यह केवल एक नया शहर नहीं था, बल्कि नई जिम्मेदारियाँ, नए रिश्ते और नए अवसर भी थे। मेरे पति श्री संजीव कुमार चालाना ने हर कदम पर मेरा साथ दिया और मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मेरे बेटे शुभ चालाना, जिन्होंने न्यूज़ीलैंड से Supply Chain Management में स्नातकोत्तर किया, और मेरी बेटी मुस्कान चालाना, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया से Data Science में स्नातक किया–ये दोनों ही मेरी प्रेरणा के स्रोत हैं।

वर्ष 2007 से 2016 तक मैंने अपने जीवन को शिक्षा के क्षेत्र को समर्पित किया। 'Mastermind' संस्थान की प्रमुख के रूप में मैंने वैदिक गणित, अबेकस और हस्तलेखन सुधार के माध्यम से बच्चों में सीखने के प्रति रुचि विकसित की। इसके बाद मैंने Allen Career Institute के साथ जुड़कर कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को JEE और NEET की तैयारी उनके अपने शहर में ही उपलब्ध करवाई। इस दौरान लगभग 5,000 विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने का अवसर मिला। जब मेरे किसी विद्यार्थी ने सफलता प्राप्त कर मुझे धन्यवाद कहा, वह मेरे जीवन का सबसे भावुक और गर्व का क्षण होता था।

इसके बाद मेरे जीवन में उद्यमिता का नया और साहसिक अध्याय शुरू हुआ। मैंने 'Satyam Tex Fabb' के माध्यम से टेक्सटाइल मशीनरी के अंतर्राष्ट्रीय आयात–निर्यात व्यापार में कदम रखा। आज मैं Global Client Acquisition और B2B Trade Relationship Management की जिम्मेदारी निभा रही हूँ। विश्वभर के Importers और Exporters के साथ संपर्क स्थापित करना, बेहतर व्यावसायिक अवसरों को पहचानना और अपने ब्रांड को वैश्विक स्तर पर स्थापित करना मेरे कार्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इस यात्रा में मुझे चीन और जर्मनी जैसे देशों में आयोजित अंतरराष्ट्रीय टेक्सटाइल प्रदर्शनियों में भाग लेने का अवसर मिला। देश के प्रमुख वस्त्र केंद्रों–इचलकरंजी, अहमदाबाद और सूरत–में भी हमारे ब्रांड की उपस्थिति दर्ज हुई। इन अनुभवों ने मेरे आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयाँ दीं और मेरे दृष्टिकोण को व्यापक बनाया। मुझे नई तकनीकों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और शेयर बाजार जैसे विषयों में गहरी रुचि है। मैं मानती हूँ कि सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है, और यही हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

मेरा जीवन–ध्येय स्पष्ट है–भीलवाड़ा और भारत के टेक्सटाइल उद्योग को वैश्विक मंच पर एक मजबूत पहचान दिलाना, और हर महिला को यह विश्वास देना कि वह परिवार और करियर दोनों में संतुलन बनाकर सफलता प्राप्त कर सकती है।

आज मैं गर्व से कह सकती हूँ कि श्रीगंगानगर की एक साधारण छात्रा से लेकर भीलवाड़ा की एक उद्यमी बनने तक का यह सफर निरंतर प्रयास, विश्वास और समर्पण की कहानी है–और यह यात्रा अभी जारी है।

सफलता की मिठास- एक शौक से बनी पहचान की कहानी

स्वयंसिद्धा
मनीषा काबरा
को-फाउंडर, Bake Circle
ajmera.manisha@gmail.com

मैं उदयपुर जिले के एक छोटे से गाँव ईंटाली की बेटी और भीलवाड़ा की बहू हूँ। आज मैं गर्व के साथ 'Bake Circle' की को–फाउंडर के रूप में अपनी पहचान आप सबके साथ साझा कर रही हूँ। मेरी यह यात्रा सिर्फ एक व्यवसाय की कहानी नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संघर्ष और नए सपनों को साकार करने का सफर है।

मेरी शैक्षणिक पृष्ठभूमि कॉमर्स में रही है। बी.कॉम.के बाद मैंने 'मास्टर्स इन इंटरनेशनल बिजनेस' (MIB) किया और लगभग छह वर्षों तक एक इम्पोर्ट–एक्सपोर्ट कंपनी में काम करते हुए प्रोफेशनल अनुभव प्राप्त किया। उस दौरान आत्मनिर्भरता मेरे जीवन का अहम हिस्सा बन चुकी थी। शादी के बाद जब मैं दिल्ली शिफ्ट हुई, तो जीवन की दिशा बदल गई। लंबी दूरी और घर की जिम्मेदारियों के कारण नौकरी जारी रखना संभव नहीं हो पाया। यह मेरे लिए एक कठिन दौर था, क्योंकि जो व्यक्ति हमेशा सक्रिय रहा हो, उसके लिए अचानक रुक जाना आसान नहीं होता। मन में खालीपन और बेचैनी महसूस होती थी।

मैंने कुछ छोटे–मोटे व्यवसाय शुरू किए, लेकिन उनमें मुझे वह संतुष्टि नहीं मिली, जिसकी मैं तलाश कर रही थी। मुझे एहसास हुआ कि केवल काम करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस काम में मन का लगना भी जरूरी है। इसी दौरान भगवान की कृपा से मैंने बेकिंग का कोर्स किया। बचपन से ही मुझे कुकिंग का शौक था, और बेकिंग ने उस शौक को एक नई दिशा दी। यहीं से 'Bake Circle' के बीज मेरे मन में अंकुरित हुए।

साल 2020 में कोरोना महामारी के दौरान हम अपने होमटाउन भीलवाड़ा आए और लॉकडाउन के कारण वहीं रुक गए। यह समय हमारे लिए चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि उसी दौरान मेरे पति की नौकरी भी चली गई। भविष्य को लेकर अनिश्चितता थी, लेकिन हमने हार मानने के बजाय इस परिस्थिति को अवसर में बदलने का निर्णय लिया। परिवार और दोस्तों के प्रोत्साहन से हमने एक छोटे से निवेश के साथ 'Bake Circle' की शुरुआत की।

हमारा संकल्प स्पष्ट था–100% शुद्ध और एगलेस उत्पाद बनाना, बिना किसी प्रीमिक्स का उपयोग किए और पूरी तरह प्रिजर्वेटिव–मुक्त बेकरी आइटम्स तैयार करना। शुरुआत में मैंने और मेरे पति ने मिलकर घर–घर जाकर डिलीवरी की। धीरे–धीरे लोगों को हमारे उत्पादों का स्वाद, गुणवत्ता और हमारी ईमानदारी पसंद आने लगी। माउथ पब्लिसिटी के माध्यम से हमारा काम बढ़ता गया। फूड इंडस्ट्री में स्वच्छता और गुणवत्ता बनाए रखना आसान नहीं होता, लेकिन हमने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत बनी। आज, पाँच वर्षों के भीतर 'Bake Circle' भीलवाड़ा की एक प्रतिष्ठित होम–बेकरी के रूप में स्थापित हो चुका है। वर्ष 2025 में मुझे 'कल्याणी अवार्ड' से सम्मानित किया गया, जो मेरे लिए गर्व और संतोष का क्षण था।

मेरा लक्ष्य केवल व्यवसाय को बढ़ाना नहीं, बल्कि लोगों को स्वादिष्ट और स्वस्थ विकल्प प्रदान करना है। जब मैं आज पीछे मुड़कर देखती हूँ, तो महसूस होता है कि बचपन का जो शौक था–लोगों को खिलाने का–वही आज मेरी पहचान और सफलता का आधार बन गया है।

इस पूरी यात्रा में मेरे ससुर जी, मेरे पति और मेरे दोनों बच्चों का अटूट सहयोग रहा है। उनके विश्वास और साथ के बिना यह संभव नहीं था। आप सभी के स्नेह और आशीर्वाद के लिए मैं हृदय से आभारी हूँ। Bake Circle **हमेशा शुद्धता और बेहतरीन स्वाद का भरोसा बनाए रखेगा।**

Manisha Kabra
+91 83830 13212

Vivek Kabra
+91 98993 96815

Bake CIRCLE
Freshly Baked

Fresh & Eggless

Customize Cakes, Cookies, Teacakes, Cheese Cakes,
Brownie, Chocolates, Bread & More

Add: D - 24, Shastri Nagar, Bhilwara

samruddhi
Simple. Elegant. You.

Clothing
Kurta Sets | Kurties | Sarees

Home Essentials
Quilts | Comforters | Bedsheets

Sarita Kabra
+91 7976024446
4-D-2 RC Vyas Colony, Near
Keshav Hospital, Bhilwara

शौक से पहचान तक – समृद्धि की मेरी कहानी

स्वयंसिद्धा
सरिता काबरा
संस्थापक- समृद्धि (Samruddhi)
saritakabra8@gmail.com

हर किसी के अंदर एक सपना होता है– कुछ अपना करने का, अपनी एक पहचान बनाने का। मेरे अंदर भी यह चाह बचपन से ही थी, जो धीरे–धीरे मेरी क्रिएटिव सोच और डिज़ाइन्स के प्रति रुचि के साथ और मजबूत होती गई। मैंने अपनी पढ़ाई भी बीए और एमए में इसी इंटरेस्ट के साथ पूरी की, लेकिन जिंदगी ने मुझे पहले एक अलग भूमिका दी–एक गृहिणी की।

शादी के बाद मैं भीलवाड़ा आ गई और घर–परिवार की जिम्मेदारियों में पूरी तरह व्यस्त हो गई। बच्चों की परवरिश और घर की देखभाल में समय कैसे निकल गया, पता ही नहीं चला। लेकिन मेरे अंदर का क्रिएटिव साइड कभी खत्म नहीं हुआ। जब भी थोड़ा समय मिलता, मैं कुछ ना कुछ स्केच या डिज़ाइन बनाती रहती थी।

एक दिलचस्प बात यह भी रही कि बचपन से ही लोग मेरे पहनावे और स्टाइल को नोटिस करते थे। स्कूल और कॉलेज के दिनों में मेरी सहेलियाँ अक्सर मुझसे फैशन एडवाइस लेती थीं। मैं जो भी पहनती, लोग पूछते कि यह कहाँ से लिया है। उस समय मैंने इसे कैजुअली लिया, लेकिन अब समझ में आता है कि यह एक संकेत था।

साल 2019 में, जब मेरे दोनों बच्चे पढ़ाई के लिए बाहर चले गए, तो मेरे पास अचानक काफी समय था। उसी दौरान जयपुर में अपने मायके में एक बातचीत के दौरान मुझे पता चला कि मेरे एक रिश्तेदार लेडीज़ कुर्ता और कुर्ता सेट्स का मैन्युफैक्चरिंग बिज़नेस कर रहे हैं। यह सुनकर मेरे दिमाग में तुरंत एक विचार आया–क्या मैं भी कुछ कर सकती हूँ?

मेरे पास समय था, एक विश्वसनीय सप्लायर था, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही था–क्या मैं यह कर पाऊँगी? अगर माल नहीं बिका तो? काफी सोचने के बाद मैंने एक छोटा–सा रिस्क लिया और अपने छोटे से बिज़नेस 'समृद्धि (Samruddhi)' की शुरुआत की।

मैंने बहुत कम मात्रा में सामान उधार पर लिया, सिर्फ यह देखने के लिए कि रिस्पॉन्स कैसा आता है।

मेरी उम्मीद से कहीं बेहतर रिस्पॉन्स मिला–सारा सामान कुछ ही दिनों में बिक गया। वही मेरा पहला कॉन्फिडेंस बूस्ट था और मेरी पहली कमाई भी। उसके बाद मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सबसे खास बात यह रही कि मैंने अपने बिज़नेस में अपनी पर्सनल सेविंग्स का एक भी रुपया नहीं लगाया। जो भी कमाया, उसी को रीइन्वेस्ट करके आगे बढ़ती गई।

फिर आया कोविड का समय। जैसे बाकी बिज़नेस पर असर पड़ा, वैसे ही मेरे काम पर भी पड़ा। लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैंने उसी समय अपना ऑनलाइन पेज शुरू किया और धीरे–धीरे ऑनलाइन सेलिंग भी शुरू कर दी। साथ ही मैंने बेडशीट्स और क्विल्ट्स जैसे होम एसेंशियल्स भी अपने प्रोडक्ट्स में शामिल किए, जिससे मेरे बिज़नेस का दायरा और बढ़ गया।

आज मैंने अपने नेटवर्क को एक सप्लायर से बढ़ाकर 15 से अधिक सप्लायर्स तक पहुँचा दिया है। मेरे कस्टमर्स अब सिर्फ भीलवाड़ा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे भारत में और उससे बाहर–यूके और यूएस तक से लोग मुझसे जुड़ चुके हैं।

इस पूरे सफर में मैंने एक ही चीज़ सीखी है–अगर आपको अंदर से लगता है कि आपको कुछ करना चाहिए, तो एक बार कोशिश जरूर करनी चाहिए। शुरुआत में डर लगता है, डाउट्स आते हैं, लेकिन वही पहला कदम सबसे जरूरी होता है। कभी–कभी लगता है कि काश मैंने यह पहले शुरू किया होता, लेकिन सच यही है कि कुछ भी सार्थक शुरू करने के लिए हम कभी देर नहीं करते।

VERSATILE
Prime Infosoft Pvt. Ltd.
ISO 9001:2008 CERTIFIED COMPANY

5% SPECIAL DISCOUNT FOR WOMENS

SUPPORT WOMEN ENTREPRENEUR

BEST IT COMPANY IN RAJASTHAN

लघु उद्योग भारती से जुड़ी सभी महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएँ, आप सभी नित-नई ऊचाईयाँ छुए यही कामना है।

आज व्यापार को चाहिए बहुत कुछ... कुछ ऐसा जिससे कि व्यापार बन जाए आराम जैसा।

- अब व्यापार केवल खरीदने और बेचने का नहीं है, अब है ये विश्वास और समर्पण का।
- व्यापार को केवल मेहनत नहीं चाहिए, चाहिए कुछ और लेकिन क्या ?
- व्यापार मांगता है अब बड़े लक्ष्य, बड़ी सोच और ऐसे लोगो का साथ जिनसे मिलकर व्यापार फले-फुले।

Versatile आपका वही साथी है जो आपके साथ मिलकर आपके व्यापार को दे नई दिशा और साथ ही दे आपको वही आराम और खुशी जो चाहते हैं आप अपने लिए अपने व्यापार के लिए।

आज व्यापार की मुख्य जरूरत है :

- एक अच्छी Website जो आपको और आपके व्यापार को दिखा सके।
- प्रमोशन की जिससे की आपका व्यापार लोगो की नजरो में आ सके।
- टेक्नोलॉजी ताकि आपका व्यापार बदलती दुनिया के साथ चल सके।

Vocal for Local

विगत 12 वर्षो से Versatile Prime Infosoft (P) Ltd. जाना जाता है अपनी ईमानदारी और जरुरत के हिसाब से लोगो के साथ जुड़कर काम करने के लिए। तो आइये जुड़िए हमारे साथ और दीजिये एक नया अनुभव खुद को और अपने व्यापार को।

महिलाओं के लिए स्पेशल डिस्काउंट क्योकि जिस प्रकार आप अपने घर की लक्ष्मी है उसी प्रकार आप हमारे लिए भी सम्मानीय है और आपके खुद को आत्मनिर्भर बनाने के जज्बे को दिल से सम्मान के रूप में हमारी सेवाएँ।

- SOFTWARE DEVELOPMENT
- WEBSITE DESIGNING
- E- COMMERCE PORTAL
- WEB DEVELOPMENT
- ANDROID APP DEVELOPMENT
- GRAPHIC DESIGNING
- DIGITAL MARKETING
- BULK SMS PROVIDER

Our Esteem Women Entrepreneurs

MANOMAY Sanjeevani

2nd Floor, Above SBI Bank, In Front of Ahinsa Bhawan,
Solanki Talkies Road, Shastri Nagar, Bhilwara -311001, Rajasthan
info@versatileitsolution.com www.versatileitsolution.com
+91 99821 33276

प्रेरक व्यक्तित्व वंदनीया मौसी लक्ष्मीबाई केलकर

प्रेरणा पुंज
नीलू मालू
विभाग बौद्धिक प्रमुख, भीलवाड़ा
राष्ट्र सेविका समिति

लक्ष्मीबाई जी केलकर एक ऐसा अलौकिक एवं चिंतनशील व्यक्तित्व थीं, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में मात्र 31 वर्ष की आयु में ऐसे संगठन की नींव रखी, जो आज विश्व का सबसे बड़ा मातृशक्ति संगठन है। इसका उद्देश्य महिलाओं को स्व संरक्षणक्षम बनाना है। मौसी जी का कहना था कि स्वसंरक्षण केवल अपने शरीर का संरक्षण करना नहीं, बल्कि अपने परिवार, कुलाचार, कुल परंपरा और स्वराष्ट्र की प्रतिष्ठा की रक्षा करने की क्षमता भी स्त्री में होनी चाहिए।

मौसी जी का जन्म 5 जुलाई, 1905 को नागपुर के दाते परिवार में हुआ। प्रफुल्लित कुसुम जैसी बालिका को देखकर डॉक्टर ने उनका नाम कमल रखा। नन्ही कमल ने अपनी ताई जी से सेवा–सुश्रुषा का गुण, पिताजी से तन–मन–धन से सामाजिक कार्य की प्रेरणा और माताजी से निर्भयता व राष्ट्रप्रेम के संस्कार प्राप्त किए।

उन दिनों स्वतंत्र बालिका विद्यालय न होने के कारण उन्हें मिशनरी स्कूल में प्रवेश लेना पड़ा। वहाँ की शिक्षा और घर के संस्कारों में अंतर होने से उनके मन में अंतर्द्वंद्व रहता था। एक दिन प्रार्थना के समय उन्होंने आँखें खोल लीं, जिस पर उन्हें डांट पड़ी। उन्होंने निर्भयता से अध्यापिका से प्रश्न किया कि 'श्अगर आपकी आँखें बंद थीं, तो आपको कैसे पता चला कि मैंने आँखें खोलीं।श' अध्यापिका निरुत्तर थीं और उन्होंने उसी दिन वो विद्यालय छोड़ दिया। आगे की शिक्षा हिंदू मुरलीची शाला में हुई।

पाँचवीं कक्षा के बाद उनका विवाह वर्धा के प्रख्यात वकील पुरुषोत्तम राव केलकर से हुआ। विवाह के पश्चात उन्हें नया नाम लक्ष्मी मिला। मात्र 14 वर्ष की आयु में वे दो पुत्रियों की माँ बनीं। लेकिन विवाह के 12 वर्ष बाद ही उनके पति का देहांत हो गया। इस कठिन समय में पूरे परिवार की जिम्मेदारी भी उन पर आ गई।

पति के जीवनकाल में भी वे कांग्रेस की प्रभात फेरियों और पिकेटिंग जैसे कार्यक्रमों में सक्रिय थीं, और उनके निधन के बाद भी उन्होंने समाजकार्य जारी रखा। तत्कालीन समय में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार उन्हें अत्यंत व्यथित करते थे। उन्होंने स्वयं ही इसका उत्तर खोजा– "वह स्वयं।" इतिहास की सीता, द्रोपदी, पद्मिनी और रानी लक्ष्मीबाई के जीवन से उन्होंने सीखा कि स्त्री की तेजस्विता और आत्मबल ही उसकी रक्षा करते हैं। ये विचार महात्मा गांधी जी के साथ संवाद और रामायण के अध्ययन से और दृढ़ हुआ। उन्होंने कहा कि सीता के आदर्शों ने ही राम के जीवन को दिव्य बनाया। देश की स्थिति चिंताजनक थी। मौसी जी ने इसका समाधान हिंदू समाज के संगठन में देखा। उनका मानना था कि यदि स्त्रियाँ संगठित और संस्कारित होंगी, तो समाज और राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल होगा।

25 अक्टूबर, 1936 को विजयादशमी के पावन पर्व पर 'राष्ट्र सेविका समिति' की स्थापना हुई। संगठन ने महिलाओं को शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य प्रारंभ किया। मौसी जी ने समाज में यह स्थापित किया कि स्त्री अबला नहीं, बल्कि स्वामिनी, तेजस्विनी और राष्ट्रसेविका है। उन्होंने महिलाओं को संगठित कर यह मिथक तोड़ा कि महिलाएँ पुरुषों के साथ मिलकर कार्य नहीं कर सकतीं।

उन्होंने देवी अष्टभुजा को संगठन की आराध्य के रूप में प्रस्तुत किया, जिसमें प्रेरक, तारक और मारक–तीनों शक्तियों का समन्वय है। समिति की प्रार्थना संस्कृत में लिखी गई, जिसमें राष्ट्र निर्माण के लिए चरित्र, निष्ठा और सामर्थ्य का संकल्प निहित है। उन्होंने माता जीजाबाई, देवी अहिल्याबाई होलकर और रानी लक्ष्मीबाई को आदर्श रूप में प्रस्तुत किया। समाजकार्य के लिए उन्होंने स्वयं को तैयार किया और एक प्रभावशाली वक्ता बनीं।

देश विभाजन के समय उन्होंने सिंध से आई महिलाओं को आश्रय और सुरक्षा प्रदान की। 1953 में भारतीय स्त्री जीवन विकास परिषद के आयोजन में स्त्री–दायित्वों को नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया।

27 नवंबर, 1978 को उनका तेजस्वी जीवन पंचतत्व में विलीन हो गया, लेकिन उनका कार्य और प्रेरणा आज भी जीवित है। उनकी शिक्षा हमें यह सिखाती है कि सीता से शील की रक्षा, द्रोपदी से उसके लिए संघर्ष और पद्मिनी से उसके लिए बलिदान की प्रेरणा लेनी चाहिए। मौसी जी द्वारा प्रज्वलित संस्कारों का यह दीप हमें आगे बढ़ाना है–यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी।

A Symphony of Stone for Your Interior

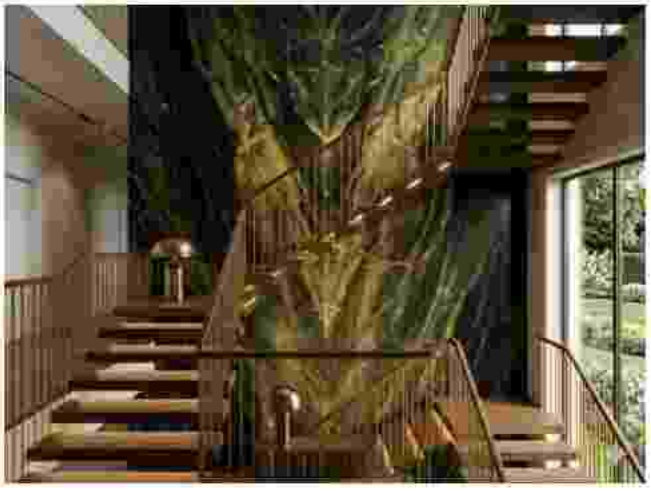

Er. Rahul Baldwa

SNM STONEX PVT. LTD.

Regd. Add : E-9 RIICO Ind Area, Chittorgarh (Raj.)
M - +91-94133 15957, e-mail : gradrahuls@gmail.com

पूर्ण रोजगार युक्त भारत – स्वदेशी और स्वावलंबन की दिशा में सशक्त पहल

आत्मनिर्भर भारत
डॉ. ज्योति वर्मा
प्राचार्य, गर्ल्स कॉलेज, मांडल, भीलवाड़ा
राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त

भारत आज एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, जहाँ आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और स्वावलंबन केवल विचार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुके हैं। विकसित भारत 2047 का सपना तभी साकार होगा, जब देश का प्रत्येक नागरिक आर्थिक रूप से सक्षम होगा और हर हाथ को काम मिलेगा।

स्वदेशी एवं स्वावलंबी भारत अभियान–

स्वदेशी एवं स्वावलंबी भारत अभियान एक व्यापक राष्ट्रीय पहल के रूप में उभरकर सामने आया है, जिसका लक्ष्य भारत को पूर्ण रोजगार युक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना है। यह अभियान भारत को आर्थिक, सामाजिक और रोजगार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का एक सशक्त प्रयास है। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें उद्यमिता की ओर प्रेरित करना है। इस अभियान का लक्ष्य वर्ष 2030 तक प्रत्येक नागरिक को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। इसका विशेष फोकस युवाओं को नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले उद्यमी बनाना है।

MySBA डिजिटल प्लेटफॉर्म– एक नई दिशा

इस अभियान के अंतर्गत विकसित MySBA डिजिटल प्लेटफॉर्म युवाओं के लिए'**Under One Umbrella**'समाधान प्रदान करता है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ई–कॉमर्स और डिजिटल तकनीकों का समावेश किया गया है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से युवाओं को सुविधाएँ मिलती हैं:

- व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु मार्गदर्शन
- कौशल विकास प्रशिक्षण
- परियोजना रिपोर्ट निर्माण
- कानूनी सहायता
- मार्केटिंग एवं ई–कॉमर्स सहयोग
- मेंटरशिप एवं नेटवर्किंग

यह प्लेटफॉर्म शिक्षा से रोजगार तक की पूरी यात्रा में सहयोग प्रदान करता है।

जिला स्वावलंबन केंद्र– अभियान के अंतर्गत प्रत्येक जिले में जिला स्वावलंबन केंद्र स्थापित करने की योजना है। ये केंद्र युवाओं के लिए मार्गदर्शन और सहयोग का केंद्र बनेंगे। इनकी प्रमुख भूमिकाएँ होंगी– स्वरोजगार के लिए मार्गदर्शन, स्टार्टअप आइडिया विकास, कौशल प्रशिक्षण, उद्यमिता परामर्श, बाजार से जोड़ना। ये केंद्र शिक्षा और रोजगार के बीच की दूरी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रयास– महिलाएँ सिलाई, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण, डिजिटल सेवाएँ एवं घरेलू उद्योग जैसे क्षेत्रों में कार्य कर आत्मनिर्भर बनी हैं। इन महिलाओं ने न केवल स्वयं को सशक्त किया है, बल्कि दूसरों को भी रोजगार देकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मिसाल प्रस्तुत की है। आज महिलाएँ विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, चिकित्सा, खेल, प्रशासन और उद्यमिता–हर क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

अभियान के प्रमुख उद्देश्य–

- युवाओं की मानसिकता में परिवर्तन लाना और उन्हें उद्यमिता के लिए प्रेरित करना
- स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना
- स्थानीय उद्योगों को सशक्त करना
- शिक्षा और रोजगार के बीच सेतु बनाना
- नवाचार और शोध आधारित सोच विकसित करना

साथ ही, यह अभियान स्वयं सहायता समूह (SHG) और किसान उत्पादक संगठनों (FPO) को भी सशक्त बनाने का कार्य करता है।

विजन और मिशन

इस अभियान का विजन भारत को 2030 तक एक सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करना है। इसके प्रमुख मिशन बिंदुओं में शामिल हैं–

- युवाओं को उद्यमिता के लिए जागरूक करना
- MSME को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना
- स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करना
- रोजगार सृजन

RK SOLARs
INDIA'S TIER.1
SOLAR PANEL'S
MANUFACTURER &
EPC PROJECT DEVELOPER
ADVANCED GERMAN
TECHNOLOGY SOLAR PANELS
TOPCON | BIFACIAL | MONOFACIAL
• High Conversion Efficiency
Advanced cell technology for maximum power output
• PID Resistant Panels
Stable performance even in extreme weather conditions
• 30 Years Performance Warranty
Long-term reliability you can trust
• Robust Aluminium Frame
Designed to withstand high wind & heavy loads
• Low Degradation Rate
Consistent energy generation year after year
• Tested for Indian Climate
Engineered for high temperature & dusty environments
WWW.SOLARRK.COM
MO-7891600029, 9462600029

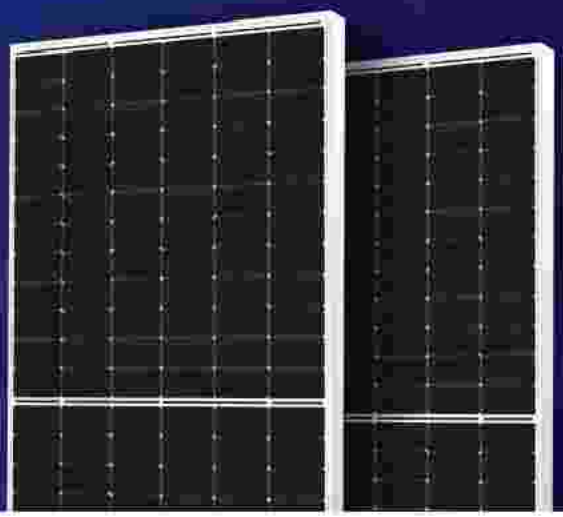

सहयोग और सेवा भाव से महिला उद्यमिता का मार्ग किया प्रशस्त

उद्यम यात्रा
मंजू सारस्वत
अग्रणी उद्यमी एवं पूर्व संयुक्त प्रदेश महासचिव
लघु उद्योग भारती, राजस्थान
harekrishna Industries @gmail.com

श्रीमती मंजू सारस्वत की जीवन यात्रा संघर्ष, साहस और समाज सेवा की प्रेरणादायी कहानी है। उन्होंने अपने जीवन को केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं रखा, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से निरंतर कार्य किया। जोधपुर से जुड़ी मंजू जी ने शिक्षा, उद्यमिता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

श्रीमती मंजू सारस्वत ने अपनी शिक्षा कोलकाता विश्वविद्यालय से बी.ए. तथा वर्धमान महावीर कोटा खुला विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में एम.ए. करके पूरी की। इसके साथ ही उन्होंने प्लास्टिक क्षेत्र में तकनीकी प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। शिक्षा के बाद उन्होंने जोधपुर के मंडोर औद्योगिक क्षेत्र में यूनिट स्थापित कर उद्यमिता की दिशा में कदम बढ़ाया। यह निर्णय उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। उन्होंने न केवल स्वयं उद्योग स्थापित किया बल्कि अन्य महिलाओं को भी उद्यमिता के लिए प्रेरित करना शुरू किया।

वर्ष 1987 में उन्होंने महिला उद्यमिता शिविर में प्रशिक्षण लिया और प्लास्टिक उद्योग से अपने व्यवसाय की शुरुआत की। धीरे–धीरे उन्होंने अन्य महिलाओं को भी प्रशिक्षण देना शुरू किया और उन्हें आत्मनिर्भर बनने का मार्ग दिखाया। सिलाई, कढ़ाई, मसाला निर्माण और अन्य घरेलू उद्योगों के माध्यम से उन्होंने अनेक महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए। यह प्रयास महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

मंजू जी ने वर्ष 1988 में महिला उद्यमी विकास संघ की स्थापना की, जिससे अधिक से अधिक महिलाओं तक रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर पहुँच सकें। उनका मानना है कि महिलाएं यदि आत्मनिर्भर बनें, तो परिवार और समाज दोनों मजबूत बन सकते हैं। उन्होंने ग्रामीण और जरूरतमंद महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने अपने जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया। परिवार की जिम्मेदारियों के साथ–साथ उद्योग को आगे बढ़ाना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने धैर्य और मेहनत से अपने कार्य को निरंतर आगे बढ़ाया। धीरे–धीरे उनकी फैक्ट्री का विस्तार हुआ और उन्होंने महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उनके लिए रोजगार के अवसर तैयार किए। कई महिलाओं ने उनके मार्गदर्शन में स्वयं के उद्योग शुरू किए और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया।

मंजू जी को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए कई सम्मान भी प्राप्त हुए। उन्हें जोधपुर हस्तशिल्प उत्सव में बेस्ट आइटम मैन्युफैक्चरिंग पुरस्कार मिला। इसके अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मान, महिला उद्यमी विकास संघ में नेतृत्व और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय योगदान के लिए भी उन्हें सराहा गया।

उन्होंने लघु उद्योग भारती से जुड़कर महिलाओं के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उनका मानना है कि निस्वार्थ भाव से किया गया कार्य ही समाज को आगे बढ़ाता है। वे महिलाओं को आत्मविश्वास, ईमानदारी और परिश्रम के साथ आगे बढ़ने का संदेश देती हैं।

मंजू सारस्वत जी की यह यात्रा हमें सिखाती है कि दृढ़ संकल्प और सेवा भाव से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने अपने जीवन को समाज सेवा के लिए समर्पित कर महिलाओं के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया। उनकी कहानी हर महिला को आत्मनिर्भर बनने और अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा देती है।

Aarti Toshniwal
Steps
The Complete Shoe Gallery
Step Into Style,
& Confidence
adidas
NIKE
VORTH
crocs
asics
Reebok
pierre cardin
PARIS
Lee Cooper
PUMA
SKECHERS
PEPPER
Created By The Ad Agency
Behind Harisewa Dham, Bhilwara
Girls College Rd, Opp. Shiv Mandir, Sindhu Nagar, Bhilwara
9414114822

दूरदर्शिता, प्रबंधन क्षमता और आत्मविश्वास से बनाया मुकाम

उद्यम यात्रा
रीना राठौड़
स्वयंसिद्धा आयाम प्रमुख राजस्थान
निदेशक- मेवाड़ हाईटेक इंजीनियरिंग लिमिटेड
प्रबंध निदेशक- मेवाड़ टेक्नोकास्ट प्रा. लि.
प्रोप्राइटर- आयरन स्ट्रीट
Rreena04@yahoo.co.in

डॉ. रीना राठौड़ की जीवन यात्रा संकल्प, मेहनत और नेतृत्व का एक प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि यदि दृढ़ इच्छाशक्ति से निरंतर प्रयास किया जाए, तो किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

डॉ. रीना जी ने बी.एच.एम.एस. की शिक्षा प्राप्त की, लेकिन उनका कार्यक्षेत्र चिकित्सा तक सीमित नहीं रहा। वर्ष 2006 में उन्होंने मेवाड़ हाईटेक एंड टेक्नोकास्ट कंपनी की जिम्मेदारी संभालनी शुरू की। उस समय कंपनी का टर्नओवर लगभग 5 करोड़ रुपये था। उद्योग क्षेत्र में कार्य करना उनके लिए एक नई चुनौती थी, क्योंकि इस क्षेत्र की बारीकियों को समझना, बाजार की परिस्थितियों का अध्ययन करना और टीम के साथ समन्वय स्थापित करना–ये सभी नए अनुभव थे।

उन्होंने निरंतर सीखने और मेहनत को अपनी ताकत बनाया। समय के साथ उनके नेतृत्व और टीम के सामूहिक प्रयासों से कंपनी ने उल्लेखनीय प्रगति की। धीरे–धीरे कंपनी का टर्नओवर बढ़ता गया और 5 करोड़ से बढ़कर लगभग 50 करोड़ रुपये तक पहुँच गया। यह उपलब्धि उनकी दूरदर्शिता, प्रबंधन क्षमता और आत्मविश्वास का परिणाम थी।

उद्योग क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए डॉ. रीना ने महसूस किया कि महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलकर काम करना और स्वयं कमाना अभी भी कई चुनौतियों से भरा हुआ है। अनेक महिलाएँ प्रतिभा होने के बावजूद अवसर और मार्गदर्शन के अभाव में आगे नहीं बढ़ पातीं। इसी विचार ने उन्हें महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी।

वर्ष 2014 में उन्होंने लघु उद्योग भारती राजस्थान की पहली महिला इकाई से जुड़कर कार्य शुरू किया और उन्हें उदयपुर महिला इकाई का अध्यक्ष बनने का अवसर मिला। इस मंच के माध्यम से उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक पहल कीं। उनके नेतृत्व में कई कार्यक्रम और प्रदर्शनियाँ आयोजित की गईं, जिनसे महिलाओं को अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रस्तुत करने का अवसर मिला। इससे अनेक महिलाओं को अपने व्यवसाय को पहचान देने और बाजार से जुड़ने का मंच प्राप्त हुआ।

इसके अतिरिक्त, सामाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर तथा महिलाओं के लिए मेहंदी, ब्यूटीशियन और अन्य कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिससे महिलाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हुए।

इस प्रेरक यात्रा को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2023 में डॉ. रीना जी ने अपना स्वयं का वेंचर 'आयरन स्ट्रीट' शुरू किया। इसके अंतर्गत आउटडोर फर्नीचर की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित की गई। इस उद्यम का उद्देश्य व्यवसाय के साथ–साथ रोजगार के अवसर बढ़ाना और उद्योग क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करना है।

वर्तमान में वे राजस्थान स्वयंसिद्धा आयाम प्रमुख के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही हैं।

डॉ. रीना का मानना है कि यदि महिलाओं को सही अवसर, मार्गदर्शन और सहयोग मिले, तो वे अपने व्यवसाय को सफल बनाते हुए देश की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। इस दिशा में आयोजित 'स्वयंसिद्धा मेला' महिलाओं के लिए अपने उत्पादों को बाजार देने और आत्मविश्वास बढ़ाने का एक प्रभावी मंच बनकर उभरा है।

डॉ. रीना जी की यह यात्रा केवल व्यक्तिगत सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह उन सभी महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो अपने सपनों को साकार करने का साहस रखती हैं। उनका जीवन यह संदेश देता है कि जब महिलाएँ आत्मनिर्भर बनती हैं, तो परिवार, समाज और राष्ट्र–तीनों सशक्त होते हैं।

जहाँ चाह, वहाँ राह' – सेवा से परिवर्तन की सच्ची कहानी

सेवा-पथ
मनीषा जाजू
विभाग कार्यवाहिका,
राष्ट्र सेविका समिति, भीलवाड़ा
जिलाध्यक्ष, वनवासी कल्याण परिषद
(महिला इकाई), भीलवाड़ा

सन 2021 का वह समय मेरे जीवन का एक निर्णायक मोड़ था। मन में समाज के लिए कुछ सार्थक करने की तीव्र इच्छा जागृत हो रही थी, पर दिशा स्पष्ट नहीं थी। तभी मेरे पतिदेव, जो उस समय चित्तौड़ प्रांत के सेवा प्रमुख का दायित्व निभा रहे थे, ने एक सरल किन्तु प्रभावी सुझाव दिया– सेवा बस्ती की बहनों और महिलाओं के साथ कार्य करने का। यही वह क्षण था, जब एक छोटे से प्रयास ने परिवर्तन की यात्रा का रूप ले लिया।

मैंने उन बहनों से संपर्क स्थापित किया, जो कचरा बीनकर या घर–घर जाकर तेल मांगकर अपना जीवन–यापन करती थीं। उनकी परिस्थितियाँ कठिन थीं, पर उनके भीतर सीखने और आगे बढ़ने की प्रबल इच्छा थी। मैंने अपने ही घर से एक सेवा प्रकल्प प्रारंभ किया, जिसमें मेहंदी और सिलाई का प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया।

प्रारंभ में संकोच था, पर धीरे–धीरे बहनों का विश्वास बढ़ा और वे नियमित रूप से आने लगीं। प्रशिक्षण के साथ–साथ हम गीत गाते, बातचीत करते और कभी–कभी उन्हें बाहर घूमने भी ले जाते। इन छोटे–छोटे प्रयासों ने उनमें आत्मीयता और आत्मविश्वास दोनों को जन्म दिया।

कुछ ही समय में लगभग 50 बहनों ने मेहंदी का प्रशिक्षण प्राप्त किया। आज वे विभिन्न त्योहारों और आयोजनों में मेहंदी लगाने जाती हैं और अपने श्रम से न केवल अपनी आजीविका चला रही हैं, बल्कि अपनी पढ़ाई का खर्च भी स्वयं वहन कर रही हैं। **उनके शब्द आज भी मेरे मन को स्पर्श करते हैं– "दीदी, आपकी दिशा ने हमारी दशा बदल दी।"** उनकी प्रगति का यह स्तर है कि अब वे स्वयं अन्य बहनों को प्रशिक्षित कर उन्हें भी रोजगार से जोड़ रही हैं।

इसी प्रकार लगभग 40 बहनों ने सिलाई का प्रशिक्षण लिया। आज वे आत्मनिर्भर बन चुकी हैं और अपने परिवार के आर्थिक संबल का मजबूत आधार हैं। उनकी दक्षता इतनी विकसित हो चुकी है कि वे स्कूल यूनिफॉर्म जैसे कार्य भी सहजता से कर रही हैं और नए अवसरों की तलाश में अग्रसर हैं।

इस यात्रा में एक बहन की कहानी विशेष रूप से प्रेरणादायक है। पारिवारिक विपरीत परिस्थितियों में पली–बढ़ी उस बहन की माँ घरों में काम करती थीं और पिता साथ छोड़ चुके थे। शिक्षा उसके जीवन से लगभग दूर हो चुकी थी। प्रोत्साहन और मार्गदर्शन से उसने न केवल अपनी पढ़ाई पुनः आरंभ की, बल्कि आज वह एम.ए. पूर्ण कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है।

इसी तरह से एक दूसरी बहन ने भी साहस का परिचय दिया। समाज में बाल विवाह की प्रथा प्रचलित थी और पाँचवी कक्षा में ही उसकी शादी तय कर दी गई थी। परंतु उसने साहस दिखाया, विरोध किया और हमारे साथ मिलकर इस अन्याय के विरुद्ध खड़ी हुई। कानूनी सहायता लेकर उसने न केवल अपनी शादी रुकवाई, बल्कि अपने परिवार और समाज में भी इस कुप्रथा के विरुद्ध जागरूकता फैलाई। आज वह स्वयं इस परिवर्तन की अग्रदूत बन चुकी है।

इन बहनों की मुस्कान और आत्मनिर्भरता को देखकर यह अनुभव होता है कि सच्ची सेवा वही है, जो किसी के जीवन में सम्मान, आत्मविश्वास और स्वावलंबन का प्रकाश लाए। छोटे–छोटे प्रयास भी यदि निष्ठा और संवेदना से किए जाएँ, तो वे बड़े सामाजिक परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। यदि हमारे भीतर सच्ची चाह हो, तो निस्संदेह हर राह स्वयं बन जाती है।

आध्यात्मिक, देशभक्तिएवं अद्भुत मेधा की धनी बाल प्रतिभा

चर्चा में
तक्षवी सोडानी

भारत अपने उदात्त जीवन मूल्यों, श्रेष्ठ परम्पराओं और आध्यात्मिकता के लिए विश्व में सुविख्यात है। लेकिन आज समाज में सबसे बड़ी चिंता का विषय है नई पीढ़ी में संस्कार और सदविचार के साथ राष्ट्र धर्म यानी राष्ट्र के प्रति अगाध प्रेम और समर्पण का भाव जागृत करना। पश्चिम के अंधानुकरण से अपनाई हुई अपसंस्कृति और मूल्यहीनता का प्रभाव इतना है कि बच्चों में भी उसका कुप्रभाव स्पष्ट परिलक्षित होता है। ऐसे समय में भीलवाड़ा की नन्ही बिटिया तक्षवी सोडानी की चर्चा इस अंक में प्रासंगिक है।

केवल 7 वर्ष की आयु में तक्षवी ने अपनी मधुर वाणी, अद्भुत स्मरण शक्ति एवं बहुमुखी प्रतिभा से समाज में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। धार्मिक एवं देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति के माध्यम से तक्षवी आज बड़ी संख्या में लोगों के हृदय में विशेष स्थान बना चुकी हैं। उनकी देशभक्ति रील 'जब ज़ीरो दिया मेरे भारत ने' को सोशल मीडिया पर 35 लाख से अधिक व्यूज़ प्राप्त हो चुके हैं, जो उनकी लोकप्रियता एवं प्रतिभा का जीवंत प्रमाण है।

तक्षवी अब तक अनेक भक्ति एवं संगीत वीडियो एल्बम में अपनी स्वर प्रस्तुति दे चुकी है, जिनमें प्रमुख म्यूजिक वीडियो एवं भक्ति प्रस्तुतियाँ ये हैं –

- शिव तांडव स्तोत्र
- महिषासुर मर्दिनी स्तोत्र
- भय प्रकट कृपाला
- हनुमान चालीसा
- रामा रामा रटते–रटते (भजन)
- देशभक्ति गीत – देश मेरे
- राम आएँगे, तो अंगना सजाऊँगी
- राम स्तुति – पियानो के साथ (लाइव)
- जब ज़ीरो दिया मेरे भारत ने
- नमामि शमिशान–रुद्राष्टकम

इसके अतिरिक्त, तक्षवी ने पियानो के साथ अनेक मंत्र, श्लोक एवं भक्ति गीतों को संगीतबद्ध कर सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया है, जिन्हें अत्यंत सराहना मिली है।

असाधारण उपलब्धियाँ एवं विश्व रिकॉर्ड–

तक्षवी ने अत्यंत कम आयु में अपनी अद्भुत स्मरण शक्ति के माध्यम से 3 विश्व रिकॉर्ड भी स्थापित किए हैं–

- मात्र 2 वर्ष 9 माह की आयु में सभी 195 देशों के राष्ट्रीय ध्वज की पहचान कर उनके नाम बताना।
- मात्र 2 वर्ष 9 माह की आयु में सबसे तेज़ 100 देशों के राष्ट्रीय ध्वज की पहचान करना।
- भारत का नक्शा Puzzle Game द्वारा बनाना तथा सभी राज्यों एवं उनकी राजधानियों का सही ज्ञान प्रस्तुत करना।

इसके साथ ही तक्षवी ने राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। उन्हें 24वीं नेशनल UCMAS प्रतियोगिता में 5th Runner Up का सम्मान प्राप्त हुआ। एक विशेष उपलब्धि के रूप में, तक्षवी ने बाबा रामदेव जी के साथ योग शिविर के मुख्य मंच पर अपने 'शिव तांडव' की प्रस्तुति पर योग प्रदर्शन भी किया, जो उनके लिए अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण रहा।

LUB's Bhilwara Women Wing Membership List

MEMBER SHIP NO.	FIRM NAME	Promoter Name	M No.	EMAIL ID
1	VARDHMAN INDUSTRIES	VIMLA JAIN	9461359751	vimlakjain1971@gmail.com
2	HARI OM SILK MILLS	CHANDA MUNDRA	9587417175	cmumdra01@gmail.com
3	SIDDHI VINAYAK STICHING	MANJU NYATI	8290618421	manjunyati1981@gmail.com
4	NAKODA PETROLEUM PVT LTD	SNEH JAGETIA	9462240303	mewarcommodities@yahoo.co.in
5	DWARKESH PRODUCTS	MANKANWAR KABRA	9460814563	info@dwarkesh.co.in
6	SWADESHI FOOD AND PICKALS	SANGEETA KAKANI	9414115558	sangeetakakhani66@gmail.com
7	ORGANIC AGRO FOOD INDUSTRIES	PREETI LATHI	9509883203	lathipriti@gmail.com
8	MANOMAY TEX (I) LTD	PALLAVI LADDHA	9414014984	manomaytex21@gmail.com
9	MANAV DAYAL TEXTILES	KAVITA AGARWAL	9887307476	manavdayaltextiles@gmail.com
10	AMULYAM PRODUCTS	GEETA KABRA	8081225854	ramkishor.kabra@gmail.com
11	AGARWAL YARN AGENCIES	SHIKHA AGARWAL	9660303643	atnds2013@gmail.com
12	MUKUND SULZ PVT LTD	MAMTA CHIRANIYA	8769172612	chirania73@gmail.com
13	NR CREATIVE SOLUTIONS	RASHMI MAHESHWARI	9413964846	nrcreativesolutions@gmail.com
14	SIDDHESHWAR TEXTILE	VINITA BAGRODIA	9694012223	anoopbagrodia301@gmail.com
15	STALLINO FASHION	MAINA MEHTA	9414973420	akhilmehta1993@gmail.com
16	SALT N PEPPER	SUSHILA LODHA	9571201235	lodhasushila6@gmail.com
17	CHANGING SEASON BY SONAL	SONAL LODHA	9950355008	sonallodha4@gmail.com
18	ANIL SUITINGS PVT LTD	KHUSHBOO SONI	9929049177	sonikhushboo1989@gmail.com
19	SUDARSHAN SYNTHETICS	SNEHLATA MELANA	8107426800	snehlatamelana@gmail.com
20	VINAYAK POLYMERS	PREETI SURANA	8764356444	looksinfinity2014@gmail.com
21	MANISH SUITINGS PVT LTD	MAYA SHARMA	9414114635	manish_txl@yahoo.com
22	NAVRATAN HUB	SUNITA JHANWAR	9414012368	sunitajanwar69@gmail.com
23	AIRSPUN FABRICS PVT LTD	DEEPSHIKHA SHAH	9413358577	splendidtexfab@gmail.com
24	SURAJ MARKETING	SUMITRA HURKAT	7568555500	sumitrahurkat550@gmail.com
25	BON SHIRTINGS PVT LTD	MADHU AGARWAL	9461393582	bonankur@gmail.com
26	GANESHAM UNIFAB PVT LTD	NEELAM AGARWAL	8764357023	ganesham12@gmail.com

27	FAIR DEAL CORPORATION	NEELIMA BALDWA	8949469400	vikas_baldewa@yahoo.co.in
28	DULARI FASHION	SHALINI BAHETI	9460420576	vishal_baheti@rediffmail.com
29	MAHARANI HANDLOOM	NEETA BANSAL	9829242789	maharanihandlooms@gmail.com
30	SHREE SHILP	ANJANA TOSHNIWAL	9413402758	anjanatoshniwal1404@gmail.com
31	MORMING SCENT ENTERPRISES	INDRA ASAWA	8209767518	morningscent@gmail.com
32	DIYA SHREE COTT FEB PVT LTD	REKHA INANI	8058059026	jaiinani03@gmail.com
33	JOY FEEL HERBAL PRODUCTS	PRERANA SOMANI	7742071999	prerana2607@gmail.com
34	ABHIRAJ OVERSEAS PVT LTD	MUSKAN SHAH	9662156816	muskanshah0605@gmail.com
35	SHRI MADHAV SYNTEX PVT LTD	ANITA DEVI AGARWAL	9414014767	
36	SHUBHRA UDYOG	SHASHI KABRA	9414974710	shubhraudyog@gmail.com
37	ITALIA EXIM	GAJAL JAGETIYA	7568933556	
38	ANUPAM CONSULTANTS	ANUPAMA NAMDHAR	7073621799	anubhamba@gmail.com
39	SOMANI BREVRAGE	ASHA SOMANI	9928400677	
40	SHRI HARSH JEEN GRANITE&MARBLE	ANAMIKA AGARWAL	9460961110	
41	SHREE SANWARIYA COTSYN P. LTD	MADHU GAGRANI	8209083980	
42	SHREE SANWARIYAJI SULZ P.LTD	SUSHILA SOMANI	9413824477	sanwariya.s@gmail.com
43	STERLITE AGRO LIMITED	REENA DAD	9828253440	reenasanjaydad@gmail.com
44	SAMARPAN SYNTHETICS PVT. LTD.	GUDDI KABRA	6376305755	Kakabraguddi@gmail.com
45	RUHKALA	AASHKA SONI	9033077723	soni.aashkaa@gmail.com
46	COSMOS ENTERPRISES	MINAKSHI KABRA	9785247666	atulkabra@gmail.com
47	PREETY PATTERNS	NEETA GARG	9214347995	neetagarg@20gmail.com
48	DIDI KE MASALE	PRIYANKA BAGRI	9089302325	bagripriyanka13@gamil.com
49	MAKHANCHOR CREATION	AARTI AGARWAL	9461532060	aarti_k_ram@yahoo.co.in
50	NATIONAL SALES CORPORATION	MAMTA CHALLANA	9460200589	mamta.allen@gmail.com
51	DARSH SYNCOTEX PVT. LTD.	ASHA AGARWAL	9829045079	ssexim3@gmail.com
52	GOYAL FURNISHINGS	RITA GOYAL	8764115076	
53	SAROJ SYNTHETICS	SAROJ KOGTA	9413238122	kogta10@gmail.com
54	STYLE BEAUTY SALON	MANGLA PANERI	9414788820	manglapaneri18@gmail.com
55	GUMIYA STONE	SHIPRA DAD	8209244947	shipradad.1909@gmai.com
56	SIDDHI VINAYAK	INDU MALU	9602611521	

57	HAPPY HOURS BY KOPAL	KOPAL AGARWAL	9460322551	kopal.engg@gmail.com
58	MAA DHANOP MINERALS	JYOTI MAHESHWARI	8619405172	maadhanopminerals@gmail.com
59	TIKKIWAL BOUTIQUE	SWATI TIKKIWAL	8233095353	swatitikkiwal002@gmail.com
60	AISH EMPORIUM	AISHWARYA AGARWAL	9460988556	aishemporium123@gmail.com
61	RUPA AGRICARE	SARITA AGARWAL	8112275014	saritarupa@gmail.com
62	SHRI KALYAN TEXTILE MILLS	PRIYA KOTHARI	7597549049	deepaknyati@gmail.com
63	SAMRUDDHI	SAVITA KABRA	7976024446	savitakabra8@gmail.com
64	PATARM	SONAL BHADADA	9929375345	sonalbhadada@gmail.com
65	SEEMA GUPTA	SEEMA GUPTA	8005645524	
66	ASSOCIATED HEALTH CARE (ZIKKU)	PRIYANKA MEHTA	9413526244	priyankamehta2606@gmail.com
67	SHOBHA'S TRENDZZ	SHOBHA CHOKHDA	9829379971	shobhachokhda11@gmail.com
68	MAYUR FABRICS PVT. LTD.	MADHU KOGATA	9588283063	
69	LACES AND GOWN	ASHU BHADADA	9460994411	ashubhadada@gmail.com
70	MATESHWARI FANCY DRESSES	HEMLATA MUNDRA	9079639993	mundra74@gmail.com
71	MATESHWARI FANCY DRESSES, BHILWARA	SONAL MAHESHWARI	9660577143	sonaluikku.mundra@gmail.com
72	NAMAH CORPORATION	BHAWANA PUROHIT	9413347056	
73	SADHNA CREATION	SADHNA LASOD	9828167005	
74	RAHEJA AIRCON	DEEPIKA RAHEJA	9214680034	raheja17deepika@gmail.com
75	BAKERY	MANISHA KABRA	8383013212	ajmera.manisha@gmail.com
76	SAMRIDHI CREATION	SONIYA ASAWA	9950946458	soniyaasawa82@gmail.com
77	MISHRI (GHAR SE GHAR TAK)	RAKSHA JAIN	7414876876	mishri.ghar@gmail.com
78	SHREE SILVER SHINE	SILPA TIKKIWAL	9414810070	shreesilvershine@gmail.com
79	KANCHAN DEVI COLLEGE	SHIKHA BHADADA	9829169304	shikhabhadada2@gmail.com
80	KESHAV CERAMIN PVT. LTD.	SONAL AGARWAL	9414038401	jlnus.bhilwara@gmail.com
81	SHRI NATH DISTRIBUTOR	PRATIBHA PARASHAR	9928708787	shreenathgroup7@gmail.com
82	JAI BHAWANI STONEX	KIRTI PARASHAR	9829637078	kirti.u.parashar@gmail.com
83	MODTEX TEXTURISERS PVT. LTD.	VEENA MODI	9352785795	kamal_modtex@yahoo.co.in
84	BALANNCED BIFES	PRIYA JAIN	9530292919	priyabanwat143@gmail.com
85	K B CONSULTANCY	KAVITA JAGETIA	9928795833	cuty61@gmail.com
86	GOURI CREATION	POONAM DAD	7597131323	poonamdad44@gmail.com

87	DULARI CREATION	VARSHA MAHESHWARI	9461532561	varshasmaheshwari@gmail.com
88	DPS. BHILWARA	VINITA TOSHNIWAL	9413231911	vinita121071@gmail.com
89	SANJAY BROTHERS	SEEMA GOYAL	9887609330	sanjaybrothersbhl@yahoo.co.in
90	SHREE SANWARIYA JI INDUSTRIES	MANISHA AGARWAL	8209133079	shreesanwariyaji.sales@gmail.com
91	MANJULA CREATION	MANJULA MANTRI	9352038860	mantrisn@yahoo.com
92	SAKHI SAHELI BY ANJALI	ANJALI SIPANI	9180010101	anjalijain2191@gmail.com
93	JEWEL ESSENCE	NEHA AJMERA	9116669166	nehaajmera123@gmail.com
94	RUFFLE TIES	NIDHI GARG	9461530999	gargsaloni06@gmail.com
95	SUNITA CREATION	SUNITA NUWAL	9828710357	sunitanuwal61@gmail.com
96	ATUL GALLERY	PAYAL AGARWAL	9460987770	atulgallery@gmail.com
97	HEMA COLLECTION	HEMA BHANDARI	9694709999	hemabhandari0125@gmail.com
98	ARCHANA CREATION	ARCHANA AJMERA	9784289330	archanaajmera15@gmail.com
99	CHITRA TALES	SUKRITI NUWAL	8233229961	nuwalsukriti@gmail.com
100	CREATIVE HUB BY LEENA	LEENA ABHISHEK KOTHARI	9549916700	leena_mandore@yahoo.com
101	MADANLAL CHANDMAL RATHI	DR. RAKHI RATHI	9461532980	rakhibhl79@gmail.com
102	RAMJAN TEXTILE PVT. LTD.	SUNITA JAGETIYA	9829125619	jsunitarr@gmail.com
103	THE ORA CAFÉ	DR. NEHA SABHARWAL	8107277800	nehaoberoisabharwal1990@gmail.com
104	JO'S CREATION	JYOTI AGAL	9024784977	agaljyoti@gmail.com
105	AAYUTRA	AYUSHI SAMDANI	9116399994	ayushisharma88245@gmail.com
106	CHANGING SEASON	REENA SUNIL MAROTIYA	9462660287	ddani242016@gmail.com
107	COLORS SULZER PVT. LTD.	SANDHYA SHARMA	9784011640	sandhya.motiwal@gmail.com
108	SHREEJI ENTERPRISES	KRISHNA AGARWAL	9001688889	krishnarishu2015@gmail.com
109	BHILWARA SALES CORPORATION	SURBHI LATHI	9413861178	lathisurbhi4@gmail.com
110	SATYAM ENTERPRISES	SAUMYA AMAN KABRA	7976646984	satyamsuitingyarns@gmail.com
111	SARTHI SYNTHETICS	ANJALI HIMATRAMKA	9001068880	anjalihrk1979@gmail.com
112	AGARWAL EDUCATION SERVICES PVT. LTD.	AMITA LOHIYA	9462239323	amitalohiya77@gmail.com
113	KASTURI CREATION	ANJANA SOMANI	9252066335	lubmaxindia@gmail.com
114	NAVRATAN HERBS	NETAL JHANWAR	7587750033	navtaraorganics@gmail.com
115	SADABAHAR HERITAGE	KAVITA AAMETA	9414262070	shavkk813@gmail.com

NAKODA MARBLE
INDUSTRIES

REDEFINE YOUR SPACE WITH NATURAL STONE

Stone Wall Cladding | Pillar Coverings | CNC Articles

*Transform ordinary spaces into premium environments with **NMI Stone Studio.***
Our stone solutions combine strength, durability, and modern design
perfect for homes, offices, and commercial projects.

PRODUCTS

- Wall Cladding Solutions
- Pillar Coverings
- CNC Stone Articles
- High-Quality Finishes
- Marble Slabs
- Kitchen Countertops
- Stone Blocks

NMI Group of Companies

- NMI(Unit 1)
- NMI (Unit 2)
- Orbit International
- Anant Marmo Pvt. Ltd.
- NMI Skate arena
- The Royal Invite

Kapil Surana +91- 9468576910, Yash Surana +91- 8829902075
Nakoda Marble Industries, NH 8, Chirwa, Udaipur 313202

MANOMAY

India's first Denim CoreWear Brand

FIBER to FASHION

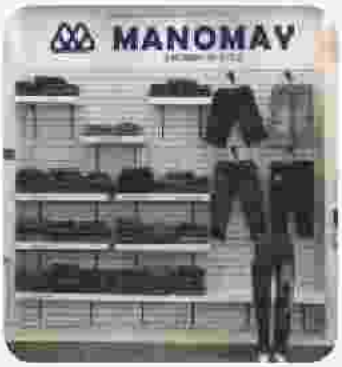

BHILWARA

DANI FASHION
SURAT

@manomay_corewear

@manomaycorewear

www.manomayindia.in

Registered office address - 32 Heera Panna Market, Pur Road, Bhilwara
Bhilwara Outlet - Shop no 4 & 6, Behind Bramani sweet Corner,
New housing board, Shastri Nagar, Bhilwara

UDYOG TIMES
OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI
25 April - 2026
Registration No. RAJBIL/2016/69093
Postal Reg. No. : Jaipur City/433/2020-22

With Best Compliments

JINDAL SAW LTD.

Near Tiranga Hills, Pur, Bhilwara

Follow us

- X: lubindia
- Facebook: lubindia
- YouTube: @lubBharat
- Instagram: lub.india
- LinkedIn: laghu-udyog-bharati

LUB's Monthly Magazine Published by OP Mittal Printed at Raj Blocks, 22 Godown Ind. Area Kartapura, JAIPUR-302019